फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 212 प्रभात जयपुर, शनिवार 7 मार्च, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Argentina Turned Out To Be A Nightmare

Indian, mostly Sikh emigrants, arrived with little idea of the difficulties ahead. Whatever enthusiasm the consul in Calcutta had expressed, Argentina was neither ready nor particularly willing to receive Indian workers

Who Am I?

Some Weird Traditions

'मैं कांग्रेस का राज्यसभा का उम्मीदवार हूँ, कल पर्चा भर रहा हूँ, आप आ जाएं'

करमवीर बौद ने यह फोन भूपेन्द्र हूडा, सुरजेवाला, शैलजा आदि को किया, सभी नेता स्तब्ध रह गये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। कांग्रेस राज्यसभा टिकट देने के लिए कैसे प्रत्याशी चुनती है, यह उसकी संपूर्ण गाथा है।

जादू से टोपी से खरगोश निकालने की तरह कांग्रेस ने आखिरी समय में हरियाणा का अपना एकमात्र राज्यसभा टिकट एक अनजान व्यक्ति को दे दिया, जिसका नाम करमवीर बौद है, जो एक दलित हैं और कांग्रेस में उन्हें कोई नहीं जानता। उनके पास कोई संगठनात्मक अनुभव नहीं है, न ही उनका युवा कांग्रेस, एनएसयूआई या किसी अन्य पद से कोई संबंध है और वे हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं।

हरियाणा के कांग्रेसी एक-दूसरे को संदेश भेज रहे हैं और पूछ रहे हैं कि वे आखिर कैसे दिखते हैं!!

दिलचस्प बात यह है कि वे हरियाणा सरकार के कर्मचारी थे, जो दलित संगठन से जुड़े हुए थे और कभी-कभी सरकार और संगठन के बीच बड़े विवादों में मध्यस्थ का काम करते थे।

- राहुल गांधी, करमवीर बौद, एक अपरिचित से पूर्व बसपा नेता का चयन कर, बहुत प्रसन्न हैं, क्योंकि उन्हें अपना एक दलित मिल गया, जो उनके दलित एजेंडे पर ''फिट'' बैठता है।
- बौद हरियाणा कांग्रेस के हल्कों में एक अपरिचित प्राणी हैं, जो कभी भी यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई या, अन्य किसी संगठनात्मक पद पर नहीं रहे, और हाल ही में कांग्रेस से जुड़े हैं।
- वे एक सरकारी कर्मचारी थे, तथा भ्रष्टाचार के आरोप में निलम्बित थे तथा फिर नौकरी से रिटायर होकर बसपा से जुड़े। तदोपरान्त कांग्रेस पार्टी में आए, पूर्व आईएएस अधिकारी के. राजू के संरक्षण में।
- हरदम की तरह राहुल गांधी ने दलित मामले के. राजू को सौंप रखे हैं तथा के. राजू ही दलित मामलों में पार्टी के सभी निर्णय लेते हैं। के. राजू की तगड़ी सिफारिश से करमवीर बौद को कांग्रेस का टिकिट मिला, क्या राहुल, जयजगत और के.सी. वेणुगोपाल के बारे में बिहार के अपने अनुभव के बाद कुछ नहीं सीखे कि, एक दलित पूर्व आईएएस अफसर के. राजू को दलित मामलों में सर्वेसर्वा बना दिया है।

उन्हें बाद में भ्रष्टाचार के आरोपों में चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया था।

वे सेवानिवृत्त हुए और बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए, उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा का डॉक्टर बना यूपीएससी टॉपर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। राजस्थान के लिए गर्व का पल। कोटा के अनिल अग्निहोत्री, जो पेशे से डॉक्टर हैं, ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेस एग्जामिनेशन (सीएसई) 2025 में टॉप रैंक हासिल की है। यह उपलब्धि उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में हासिल की।

अनुज अग्निहोत्री ने इस परीक्षा में टॉप किया, जबकि राजेश्वरी सुवे एम

- डॉ. अनुज अग्निहोत्री ने तीसरे प्रयास में यह शानदार सफलता प्राप्त की है। उन्होंने मैडिकल साइन्स को बतौर विषय चुना था।

और आकाश धुल क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। अनुज ने मेडिकल साइंस को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

अपनी इस अद्वितीय उपलब्धि के बाद एनडीटीवी से बात करते हुए, 26 वर्षीय अनुज ने कहा, ''मैं अपनी सफलता का मुख्य कारण भाग्य को मानता हूं।''

अनुज की टॉप करने की यात्रा आसान नहीं थी। यह उनका तीसरा प्रयास था। पहले प्रयास में उन्हें दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ट्रम्प ईरान युद्ध के तनाव से टूट से रहे हैं?

वे वाइट हाउस में अपनी ''ऑफिशियल'' कुर्सी में सम्मोहित से बैठे नज़र आए, अपनी पूजा में आंख बंद किए अपने प्रभु से मदद मांगते हुए

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 6 मार्च। सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान युद्ध के दबाव में झुकते हुए दिखाई दे रहे हैं।

कोई हैरानी नहीं कि ईरान ने, उनके वैनेज़ुएला अनुभव की तुलना में, जिस तरह जबरदस्त जवाबी हमला किया हैं और ईरान युद्ध में मदद देने को लेकर उनके नाटो सहयोगियों के बीच साफ मतभेद भी सामने आ गए हैं, ऐसी स्थिति में ट्रंप को अपने मौजूदा संकट से निकलने के लिए हर तरह की भौतिक, आध्यात्मिक और यहां तक कि अलौकिक मदद की जरूरत महसूस हो रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का निवास, द वाइट हाउस, आज असाधारण दृश्यों का गवाह बना। एक बूढ़े व्यक्ति की तरह ट्रंप आत्माओं की दुनिया से तुरंत मदद की प्रार्थना करते हुए एकदम स्तब्ध बैठे थे।

यह एक अजीब सा नाटक जैसा दृश्य था, जब अमेरिका के राष्ट्रपति को धार्मिक नेताओं द्वारा आशीर्वाद दिया जा रहा था, वह भी ओवल ऑफिस जैसे स्थान पर। ट्रंप अपनी कुर्सी पर चुपचाप बैठे थे और उनके चारों ओर कई धार्मिक नेता खड़े होकर गंभीर स्वर में शांति, सबके लिए न्याय और इसी तरह की बातें कर रहे थे।

इन धार्मिक नेताओं को अमेरिकी राष्ट्रपति को छूते हुए देखा गया, कुछ उनके हाथ पकड़ रहे थे, तो कुछ उनके कंधों पर हाथ रखे हुए थे। ट्रंप आंखें बंद किए, परेशान चेहरे के साथ अपनी कुर्सी पर असहज तरीके से बैठे दिखाई दे रहे

- यह सच है कि, जिस ''आराम'' से वे वेनेज़ुएला पर विजय पा सके थे, उसकी तुलना में ईरान के आक्रामक जवाब ने उन्हें हिला दिया है। ट्रंप के आसपास विभिन्न धर्मों के धार्मिक गुरु, उनके सिर पर, कंधे पर हाथ लगाकर हिम्मत बढ़ाते नज़र आये। वे ऐसे हारे हुए व्यक्ति लग रहे थे मानो उन्हें दूसरी दुनिया से मदद की जरुरत महसूस हो रही थी।
- वैसे भी ट्रंप अब विरोधाभासी दावे कर रहे हैं, जिनका तथ्यों से कोई सरोकार नहीं लगता।
- एक तरफ तो वे, ईरानी दूतावासों के अधिकारियों से कह रहे हैं, कि वे अपनी जिम्मेवारी छोड़कर बाहर आ जायें, और अन्य देशों की सरकारों से संरक्षण की मांग करें। दूसरी ओर स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ का ट्रैफिक खुलवाने की कोशिश में, व्यवसायिक जहाजों को अमेरिकी नौ सेना की सुरक्षा में स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ पार करवाने का वादा करते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में एक अनजाने चेहरे को मुख्यमंत्री बना सकती है भाजपा

चर्चा है कि संघ पृष्ठभूमि वाली सीमा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। ऐसी संभावनाएँ हैं कि भाजपा नेतृत्व बिहार में नीतीश कुमार के स्थान पर राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में किसी कम पहचान वाली महिला नेता को नियुक्त कर सकता है, जैसा कि भजनलाल शर्मा के मामले में किया था।

अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, जैसे इज़राइल-ईरान युद्ध और एप्स्टीन फाइल्स में भाजपा और केन्द्र सरकार व्यस्तता के बीच, अंततः नीतीश कुमार को दरवाजा दिखा देने का निर्णय एक आश्चर्यचकित करने वाला कदम साबित हुआ है। लेकिन दो मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। पहला, भाजपा शॉक ट्रीटमेंट देने की अपनी क्षमता पर फलती-फूलती आ रही है। दूसरा, बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री होना पार्टी के लिए पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के चुनावों में मददगार साबित होगा। इससे भी ज्यादा फायदा उस स्थिति में होगा, अगर भाजपा नेतृत्व इस काम के लिए किसी कम पहचान वाली महिला नेता का

- इस कदम से भाजपा को कई लाभ होने की संभावना है, एक तो वह बिहार में नई शुरुआत का संकेत देना चाहती है। दूसरे पार्टी को उम्मीद है कि इससे पड़ोसी राज्य प.बंगाल, जहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, में भारी फायदा होगा।
- नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने के असंभव कार्य में सफल होने के बाद भी भाजपा कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती है। मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा पर उपमुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार के पुत्र से पेशकश की गई है।
- सूत्रों ने कहा, भाजपा जद (यू) में विभाजन की कोशिश भी नहीं करेगी क्योंकि नीतीश कुमार के प्रति भारी सहानुभूति है लोगों, खासकर महिलाओं में, इसलिए भाजपा कोई दुस्साहस नहीं करेगी और नीतीश के प्रति भारी सद्भावना दिखाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमेश सिंह कुशवाहा जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बने

पटना, 06 मार्च। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता उमेश सिंह कुशवाहा को लगातार तीसरी बार पार्टी का बिहार प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। शुक्रवार को पटना स्थित जदयू के प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक चुनाव की निर्धारित

- वे लगातार तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया।

प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार 'मुन्ना' और परमहंस कुमार ने उन्हें अध्यक्ष पद का प्रमाण-पत्र सौंपा। इससे पहले उमेश सिंह कुशवाहा ने चार सैट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। तय समय-सीमा तक इस पद के लिए उनके अलावा किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया। इसके बाद स्क्रूटनी प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें निर्विरोध बिहार प्रदेश अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।

'अमेरिका ने दया की, भारत को रुस से कच्चा तेल लेने की अनुमति दी'

अमेरिका के ट्रैज़री सैक्रेटरी ने कहा कि भारत को यह काम चलाऊ छूट सिर्फ 30 दिनों के लिए दी गई है।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 06 मार्च। दया भाव दर्शाते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत को ''अस्थायी'' रूप से रूस से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दे दी है, और इस पर कोई दंडात्मक शुल्क नहीं लिया जाएगा और भारतीय सरकार ने इस प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार करते हुए रिफाइनरियों को रसोई गैस की कमी से बचने के लिए एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया, क्योंकि मध्य पूर्व युद्ध के कारण एलपीजी की भारी कमी हो सकती थी।

कतर से, जो भारत का प्रमुख एलपीजी आपूर्तिकर्ता है, चिंताजनक रिपोर्ट मिलने के बाद मोदी सरकार ने अमेरिकी राहत का तुरंत उपयोग किया, ताकि घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में आने वाले संकट को टाला जा सके।

''द फाइनेंशियल टाइम्स'' से एक साक्षात्कार में, कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल काबी ने कहा कि युद्ध के कारण खाड़ी देशों में ऊर्जा उत्पादन बंद हो सकता है, तेल की कीमत 150 प्रति बैरल तक पहुंच सकती है और ''दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को नीचे ला सकता है''।

कतर, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा लिक्विड नैचुरल गैस (एलएनजी) उत्पादक है, इस सप्ताह अपने रास लाफन संयंत्र पर एक ईरानी ड्रोन हमले के बाद उत्पादन रोकने पर मजबूर हो गया, जो कि इसका सबसे बड़ा एल पी जी संयंत्र है।

- स्कॉट बेसैंट ने कहा कि भारत इस अवधि में रुस से वही तेल खरीद पाएगा जो पहले से समुद्र में विचरण कर रहे टैंकरों में जमा है और इससे रुस को कोई फायदा नहीं होगा। लेकिन इससे ईरान युद्ध से बढ़े दबाव से भारत को कुछ राहत मिलेगी। तथापि, भारत को इसके लिए मौजूदा रेट पर ही कीमत अदा करनी होगी।
- इस अनुमति के साथ ही भारत ने तेल मंगाने की प्रक्रिया शुरु कर दी। दो टैंकर भारत की ओर निकल चुके हैं इनमें से हरेक में 7 लाख बैरल तेल है, चर्चा है कि तीसरा टैंकर भी भारत की ओर बढ़ रहा है।
- इस समय रुस का 9.5 लाख मिलियन बैरल कच्चा तेल समुद्री टैंकरों में जमा है और भारत के आसपास ही मंडरा रहा है।
- भारत सरकार ने भारतीय तेल कंपनियों को रसोई गैस का उत्पादन बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका द्वारा रूसी तेल खरीद पर छूट की कांग्रेस ने निंदा की

नई दिल्ली, 06 मार्च। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट देने संबंधी बयान की कांग्रेस ने निंदा की है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शुक्रवार को पार्टी

- पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका-इज़रायल के दबाव में काम कर रहे हैं।

मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका-इजरायल के दबाव में काम कर रहे हैं और सरकार की विदेश नीति स्वतंत्र नहीं रही। भारत को अमेरिका से अनुमति मिल गई है कि वह 30 दिनों तक रूस से तेल खरीद सके।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है नाटो देशों में

नाटो के सदस्य देश अमेरिका से अलग, स्वतंत्र विदेश नीति पर चलने के संकेत दे रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मार्च। ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका का साथ देने से स्पेन के इनकार ने हाल के वर्षों में पश्चिमी गठबंधन के भीतर सबसे गंभीर मतभेदों में से एक को उजागर कर दिया है। हालांकि स्पेन नार्थ एटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइज़ेशन (नाटो) का सदस्य है, लेकिन प्रधानमंत्री पैडो सांचेज़ की सरकार ने साफ कर दिया है कि मैड्रिड न तो इस सैन्य अभियान में भाग लेगा और न ही स्पेन की जमीन को ईरान पर हमले के लिए इस्तेमाल करने देगा। इस रुख ने स्पेन को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ सीधे टकराव में ला दिया है और इससे ट्रांस-अटलांटिक गठबंधन की एकता पर भी बड़े सवाल उठे हैं।

विवाद की तात्कालिक वजह यह है कि स्पेन ने अमेरिका को अपने संयुक्त सैन्य ठिकानों, नेवल स्टेशन रोटा और मोरोन में अपने जॉइंट मिलिट्री बेस का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ युद्ध से जुड़ी कार्रवाई के लिए करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इन ठिकानों पर, लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय रक्षा समझौते के तहत, अमेरिकी सेना मौजूद रहती है और ये भूमध्यसागर तथा मध्य-पूर्व में अमेरिकी अभियानों के लिए महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक केन्द्र रहे हैं।

मैड्रिड ने जोर देकर कहा है कि इन ठिकानों का इस्तेमाल ऐसे आक्रामक सैन्य अभियानों के लिए नहीं किया जा सकता, जिनके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून या संयुक्त राष्ट्र के फ्रेमवर्क के तहत कोई साफ मैनडेट न हो। इस तरह रेखा खींचकर सांचेज़ सरकार ने वॉशिंगटन को स्पेन की जमीन को इस संघर्ष के लिए लॉन्चिंग पैड के रूप में इस्तेमाल करने से रोक दिया।

यह विवाद जल्दी ही मैड्रिड और वॉशिंगटन के बीच एक डिप्लोमैटिक टकराव में बदल गया। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से स्पेन की आलोचना करते हुए कहा कि उसने गठबंधन की एकजुटता का साथ नहीं दिया और यहां तक कि ट्रेड में बदले की कार्रवाई का संकेत भी दिया। हालांकि स्पेन अपने फैसले पर

- स्पेन द्वारा अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य अड्डों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देना इसी की शुरुआत माना जा रहा है।
- स्पेन का कहना है कि नाटो का सदस्य होने का मतलब अमेरिका के हरेक सैन्य अभियान में अनिवार्य रुप से भागीदारी करना नहीं है।
- स्पेन व अन्य देशों में अमेरिका के प्रति बढ़ते असंतोष की एक बड़ी वजह उन देशों की आंतरिक राजनीति भी है। स्पेन में जनभावना दूसरे देशों, खासकर मिडिल ईस्ट, में सैन्य हस्तक्षेप के सख्त खिलाफ है। स्पेन का मत है कि युद्ध लंबा खिंचा तो, मिडिल ईस्ट अस्थिर हो जाएगा और इससे यूरोप पर शरणार्थियों का भार पड़ेगा।
- स्पेन का यह रुख इराक वॉर की कटु स्मृतियों के कारण है। वर्ष 2003 में स्पेन की तत्कालीन सरकार ने इराक में अमेरिकन घुसपैठ का समर्थन किया था, इस पर स्पेन में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था, लोग सड़कों पर उतर आए थे। मैड्रिड में ट्रेन धमाके हुए, जिसमें 200 लोग मारे गए थे। बाद में जब वहां समाजवादी सरकार बनी तो उसने इराक से अपने सैनिक वापस बुला लिए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने सिविल सेवा के सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी

नई दिल्ली, 06 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा,

- उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता व कड़ी मेहनत ने इस उपलब्धि तक पहुंचाया है।

सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई। उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में उन अभ्यर्थियों का भी हौसला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

किसी को अपना व्यक्तित्व छोड़कर दूसरे का व्यक्तित्व नहीं अपनाना चाहिए। –चैनिंग

राजस्थान में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण

राजस्थान, रेगिस्तान की भूमि, जहां बालू के टीले इतिहास की गाथाएं गुनगुनाते हैं और किले-महल सूरज की किरणों में चमकते हैं, आज एक अनोखे वैभव के दौर से गुजर रहा है। यह वैभव आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चकाचौंध और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गहनता का मेल है। एक ओर जहां हाई-स्पीड रेलमार्ग, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं और डिजिटल हाईवे राजस्थान को भविष्य की ओर ले जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोक कला, पारंपरिक हस्तशिल्प और आध्यात्मिक विरासत नई ऊर्जा के साथ पुनरुत्थान कर रही है। यह नया अध्याय न केवल आर्थिक विकास का प्रतीक है, बल्कि राजस्थान की आत्मा को संरक्षित करते हुए उसे वैश्विक पटल पर चमकाने का माध्यम भी बन रहा है।

कल्पना कीजिए, जयपुर के हवा महल के नीचे से गुजराती मेट्रो ट्रेन, जो राजपूताना की भव्यता को आधुनिक गति प्रदान कर रही है। या फिर उदयपुर के झीलों के किनारे विकसित हो रही स्मार्ट टूरिज्म सुविधाएं, जहां ड्रोन तकनीक से संचालित लाइट शो फतेह सिंह के काल की कहानियां जीवंत कर देते हैं। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं जैसे राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम और स्मार्ट सिटी मिशन ने राज्य को इंफ्रास्ट्रक्चर का हब बना दिया है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और अजमेर जैसी शहरों में मेट्रो रेल, एयरपोर्ट विस्तार और हाईवे नेटवर्क का जाल बिछ चुका है। उदाहरणस्वरूप, दिल्ली-जयपुर हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, जो 2026 तक चालू होने की कगार पर है, यात्रा के समय को आधा कर देगा। इससे न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों के उत्पाद वैश्विक बाजार तक पहुंच सकेंगे।

यह इंफ्रास्ट्रक्चर केवल कंक्रीट और स्टील का ढांचा नहीं है; यह सांस्कृतिक पुल है। राजस्थान के गांवों में सोलर पैनल खेतों के बीच अपनी अलग छठा बिखेर रहे है। राज्य सरकार की राजस्थान क्राफ्ट प्रमोशन नीति ने हस्तशिल्प को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा है। ई-कॉमर्स साइट्स जैसे अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर बगरू प्रिंट, कठपुतली और बंधेज साड़ियां बिक रही हैं, जो सीधे कारीगरों के हाथों से ग्राहक तक पहुंचती हैं। जयपुर का ब्लू पॉटरी अब 3डी प्रिंटिंग तकनीक से संयोजित होकर आधुनिक डिजाइन में उपलब्ध है। यह पुनर्जागरण सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है, जहां परंपरा और तकनीक का संगम हो रहा है।

जोधपुर, ब्ल्यू सिटी , जहां थार एक्सप्रेसवे ने रेगिस्तान को पार करने का समय घटाकर दो घंटे कर दिया है, अब सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां के उम्मेद भवन पैलेस को होटल ताज ने पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया है, लेकिन साथ ही स्थानीय लोक संगीत को प्रमोट करने के लिए रूरल फेस्टिवल आयोजित हो रहे हैं। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, जो 2025 में 10 करोड़ पर्यटकों का आंकडा पार कर चुका। इससे उत्पन्न राजस्व सांस्कृतिक संरक्षण में लगाया जा रहा है। उदाहरण के लिए, बीकानेर के जूनागढ़ किले में वर्चुअल रियलिटी (वीआर) टूर शुरू हुआ है, जो पर्यटकों को राठौड़ राजाओं के युग में ले जाता है। यह तकनीक न केवल शिक्षा प्रदान करती है, बल्कि राजस्थानी इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाती है।

आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षक बनेगा। राजस्थान अब न केवल इतिहास का भंडार है, बल्कि भविष्य का प्रतीक भी। यह पुनर्जागरण हमें सिखाता है कि परंपरा और प्रगति का संतुलन ही सच्ची प्रगति है। आने वाले दशक में राजस्थान विश्व पटल पर चमकेगा, अपनी नीली छत्रियों, सुनहरी रेत और आधुनिक आकाशचुंबी इमारतों के साथ। यह अध्याय अभी शुरू हुआ है, और इसका अंतिम पृष्ठ हम सब मिलकर लिखेंगे।

उदयपुर, झीलों का शहर, स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकसित हो रहा है। यहां के पुष्कर झील पर फ्लोटिंग सोलर प्लांट न केवल ऊर्जा प्रदान कर रहा है, बल्कि सांस्कृतिक उत्सवों को रोशन कर रहा है। राजस्थान दिवस समारोह में ड्रोन शो के माध्यम से मेवाड़ की वीर गाथाएं दिखाई जाती हैं। यह मेल आधुनिकता और परंपरा का प्रतीक है। इसी तरह, अलवर में भर्तृहरि मंदिर के आसपास विकसित हो रही ग्रीन हाईवे परंपरागत लोक नृत्यों को स्टेज दे रही हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर ने रोजगार सृजन किया है – निर्माण क्षेत्र में 5 लाख नौकरियां पैदा हुईं, जो स्थानीय कलाकारों को सशक्त बना रही हैं। महिलाओं के स्वयं सहायता समूह अब डिजाइनर ब्लॉक प्रिंटिंग यूनिट चला रहे हैं, जो एयरपोर्ट पर स्टोर के माध्यम से बिकते हैं।

लेकिन यह पुनर्जागरण केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं। ग्रामीण राजस्थान में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बिछे सड़क नेटवर्क ने दूरदराज के गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा है। बाड़मेर के रेगिस्तानी गांवों में सोलर-पावर्ड कम्युनिटी सेंटर्स लोक कथाओं और कठपुतली शो के लिए केंद्र बन गए हैं। यहां के मांगणियार संगीतकार अब यूट्यूब और स्पॉटिफाई पर अपनी रचनाएं अपलोड कर रहे हैं, जो सरहदी संस्कृति को वैश्विक बनाती हैं। राज्य की कलाकृति योजना ने 50 हजार कारीगरों को प्रशिक्षण दिया, जिसमें डिजिटल मार्केटिंग शामिल है। इससे उनकी आय दोगुनी हो गई। यह सांस्कृतिक पुनरुत्थान आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बन रहा है।

आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने सांस्कृतिक पर्यटन को नया आयाम दिया। जयपुर का चौखी ढाणी अब इको-रिसॉर्ट के रूप में विकसित हो गया, जहां सोलर एनर्जी से चलने वाले पारंपरिक ढाबे लोक भोजन परोसते हैं। दुनिया भर से पर्यटक आकर घूमर नृत्य और कालबेलिया संगीत का आनंद लेते हैं, जो यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में हैं। कोटा में चंबल नदी पर बने ब्रिज ने बारादरी उत्सव को नया रूप दिया। यह सब राजस्थान को कल्चरल हब ऑफ इंडिया बनाने की दिशा में कदम है।

चुनौतियां भी हैं। तेज विकास में पर्यावरण संरक्षण जरूरी है। थार रेगिस्तान में हाईवे निर्माण से जैव विविधता प्रभावित हो रही है। लेकिन राज्य सरकार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दे रही है। सांस्कृतिक पुनर्जागरण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। आईआईटी जोधपुर और बीआईटीएस पिलानी जैसे संस्थान अब राजस्थानी कला पर शोध कर रहे हैं। स्टार्टअप्स जैसे राज दीर्घा पारंपरिक ज्वेलरी को मॉडर्न डिजाइन से जोड़ रहे हैं।

राजस्थान में मंदिरों के प्रति भाव एवं रुझान हमारी पुरातन संस्कृति की तरफ एक कदम है। कुछ प्रसिद्ध मंदिरों के अलावा अब छोटे-छोटे प्राकृतिक सुरम्य वातावरण में स्थित शिव मंदिर भी अपनी अलग छठा बिखेर रहे है।

यह नया अध्याय राजस्थान की आत्मा को मजबूत कर रहा है। जहां एक ओर बुलेट ट्रेन रेत के टीलों को पार करेगी, वहीं लोकवार्ता नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षक बनेगा। राजस्थान अब न केवल इतिहास का भंडार है, बल्कि भविष्य का प्रतीक भी। यह पुनर्जागरण हमें सिखाता है कि परंपरा और प्रगति का संतुलन ही सच्ची प्रगति है। आने वाले दशक में राजस्थान विश्व पटल पर चमकेगा, अपनी नीली छत्रियों, सुनहरी रेत और आधुनिक आकाशचुंबी इमारतों के साथ। यह अध्याय अभी शुरू हुआ है, और इसका अंतिम पृष्ठ हम सब मिलकर लिखेंगे।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल शनिवार 7 मार्च, 2026

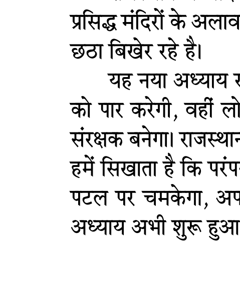

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र दिन 11:16 तक, वृद्धि योग प्रातः 6:52 तक, बालव करण सायं 7:18 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 11:16 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 5:29 से सायं 5:54 तक रहेगी। आज कल्पादि, चतुरथी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:16 से 9:44 तक, चर 12:38 से 2:05 तक, लाभ-अमृत 2:05 से 5:00 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:49, सूर्यास्त 6:27

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष

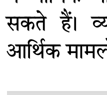

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

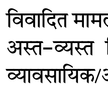

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कर्क

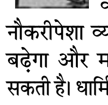

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या

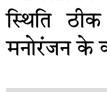

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

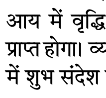

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

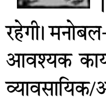

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

धनु

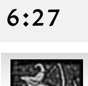

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर

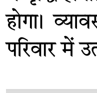

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

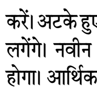

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन

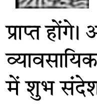

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

लैंगिक समानता : अधूरी वास्तविकता से पूर्ण समानता की ओर

अलका सक्सेना

समानता का अर्थ केवल अवसर देना नहीं,
बल्कि ऐसा समाज बनाना है
जहाँ अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा हों।

लैंगिक समानता आधुनिक समाज के सबसे व्यापक रूप से स्वीकार किए गए आदर्शों में से एक है। संविधान, नीतियों और सार्वजनिक विमर्श में इसका स्पष्ट समर्थन दिखाई देता है। फिर भी जब हम जीवन की वास्तविक परिस्थितियों को देखते हैं, तो यह वादा अक्सर अधूरा प्रतीत होता है। अधिकारों की घोषणा और अनुभव की वास्तविकता के बीच का अंतर ही लैंगिक समानता की सबसे बड़ी चुनौती है।

इक्कीसवीं सदी ने महिलाओं की उपलब्धियों के अनेक नए अध्याय लिखे हैं। विज्ञान, शासन, व्यवसाय, शिक्षा और खेल-हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी क्षमता और नेतृत्व से स्थापित धारणाओं को बदला है। फिर भी प्रश्न बना रहता है कि क्या अवसरों की उपलब्धता मात्र से समानता सुनिश्चित हो जाती है, या वह तब साकार होती है जब सामाजिक और पारिवारिक संरचनाएँ भी उसे सहज रूप से स्वीकार करने लगें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति के लिए पुरुषों और महिलाओं दोनों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। स्वतंत्रता के बाद भारत में महिलाओं ने लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा तय की है और धीरे-धीरे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। फिर भी दिखाई देने वाली प्रगति हमेशा वास्तविक जीवन की परिस्थितियों को प्रतिबिंबित नहीं करती।

आज महिलाएँ कार्यबल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और साथ ही घर-परिवार की जिम्मेदारियाँ भी निभाती हैं। इसके बावजूद उनकी पूर्ण और समान भागीदारी अब भी सीमित है। पितृसत्तात्मक सोच, गहरे सामाजिक संस्कार और अवसरों तक असमान पहुँच वास्तविक सशक्तिकरण के मार्ग में बाधा बनते हैं। भारत में लैंगिक समानता का औपचारिक समर्थन व्यापक है। यह संविधान में निहित है, नीतिगत ढाँचों में समाहित है और संस्थागत प्रतिबद्धताओं द्वारा सुदृढ़ किया गया है। शिक्षा और नेतृत्व में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है तथा भेदभाव और उत्पीड़न के विरुद्ध कानूनी सुरक्षा भी पहले से अधिक मजबूत हुई है। किन्तु सिद्धांत में हुई प्रगति हमेशा व्यवहार में समानता में परिवर्तित नहीं होती। अनेक महिलाओं के लिए समानता अब भी परिस्थितियों, संस्कृति और संदर्भ पर निर्भर रहती है।

व्यावसायिक क्षेत्रों में औपचारिक समानता अक्सर अनौपचारिक पूर्वाग्रहों के साथ सह-अस्तित्व में रहती है। भर्ती नीतियाँ भले ही लैंगिक रूप से तटस्थ हों, पर करियर के महत्वपूर्ण चरणों पर नेतृत्व की राह महिलाओं के लिए संकरी हो जाती है। प्रदर्शन के मानदंड समान दिखते हैं, फिर भी महिलाओं को अपनी विश्वसनीयता सिद्ध करने के लिए अक्सर अधिक प्रयास करना पड़ता है। बैठकों में अनदेखी, विचारों को पर्याप्त महत्व न मिलना, या आत्मविश्वास को आक्रामकता समझ लिया जाना, ये सूक्ष्म पूर्वाग्रह पेशेवर यात्राओं को प्रभावित करते रहते हैं। मातृत्व के साथ यह चुनौती और गहरी हो जाती है। भले ही नीतियाँ मातृत्व अवकाश और नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करती हों, पर धारणाएँ बदल जाती हैं। महिलाओं को अक्सर कम उपलब्ध या कम महत्वाकांक्षी मान लिया जाता है, चाहे उनका वास्तविक प्रदर्शन कैसा भी हो। घर पर देखभाल की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ जाती हैं, जबकि उनका समान पुनर्वितरण बहुत कम देखने को मिलता है।

घरेलू श्रम का असमान बँटवारा वास्तविक समानता के मार्ग में एक स्थायी बाधा है। महिलाएँ आज भी घरेलू कार्यों, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल तथा परिवार के भावनात्मक संतुलन को बनाए रखने की प्रमुख जिम्मेदारी निभाती हैं। पूर्णकालिक पेशेवर जीवन के बावजूद वे घर लौटकर अक्सर दूसरी पारी निभाती हैं। यह श्रम समाज की स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, फिर भी आर्थिक दृष्टि से इसे प्राय: कम महत्व दिया जाता है और यह लगभग अदृश्य बना रहता है।

इसका संचयी प्रभाव गहरा होता है, निरंतर थकान, सीमित अवकाश, करियर में रुकावटें और दीर्घकालिक तनाव धीरे-धीरे सामान्य बन जाते हैं। यह अपेक्षा कि महिलाएँ पेशेवर जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करें और साथ ही आदर्श घरेलू भूमिकाएँ भी निभाएँ, एक मौन किंतु स्थायी दबाव उत्पन्न करती है।

समानता का आकलन केवल प्रतिनिधित्व या शिक्षा तक पहुँच से नहीं किया जा सकता। उसे दैनिक जीवन की वास्तविकताओं में भी दिखाई देना चाहिए, परिवार में आपात स्थिति आने पर कार्य-समय कौन बदलता है, पदोन्नति का अवसर कौन छोड़ देता है, या करियर के लिए स्थानांतरण कौन करता है। यही प्रश्न औपचारिक अधिकारों और वास्तविक समानता के बीच के अंतर को उजागर करते हैं।

सांस्कृतिक अपेक्षाएँ भी इस असंतुलन को मजबूत करती हैं। समाज सफल महिलाओं का सम्मान तो करता है, पर उनकी प्राथमिक पहचान अब भी देखभाल करने वाली के रूप में देखी जाती है। एक सफल पुरुष से शायद ही कभी उसके घरेलू दायित्वों के बारे में पूछा जाता है, जबकि एक सफल महिला से अक्सर पूछा जाता है कि वह सब कुछ कैसे संभालती है। कार्यस्थलों पर लचीले कार्य-समय, अभिभावकीय अवकाश और बाल-देखभाल सुविधाओं जैसे सुधारों पर चर्चा बढ़ी है। परंतु केवल नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। सांस्कृतिक स्वीकृति और ईमानदार क्रियान्वयन के बिना लचीलापन प्रतीकात्मक ही रह जाता है। लैंगिक समानता के पक्ष में आर्थिक तर्क भी मजबूत हैं। कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी उत्पादकता, पारिवारिक आय और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास को सुदृढ़ करती है। परंतु समानता केवल आर्थिक रणनीति नहीं, बल्कि न्याय और गरिमा का प्रश्न भी है।

सच्ची प्रगति के लिए साझा जिम्मेदारी आवश्यक है। संस्थानों को पारदर्शी पदोन्नति प्रक्रियाएँ सुनिश्चित करनी होंगी, भेदभाव-विरोधी कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करना होगा और समावेशी कार्य-संस्कृति विकसित करनी होगी। समाज को उन मान्यताओं को चुनौती देनी होगी जो पुरुषत्व को केवल कमाने और स्त्रीत्व को केवल देखभाल से जोड़ती हैं। परिवारों के भीतर भी जिम्मेदारियों का न्यायपूर्ण बँटवारा आवश्यक है। इस परिवर्तन में पुरुषों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। लैंगिक समानता केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है; यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। वास्तविक परिवर्तन तब होगा जब समानता असाधारण दृढ़ता की मांग करना बंद कर देगी, जब जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा होंगी, करियर में विराम स्थायी हानि का कारण नहीं बनेगा और सम्मान बार-बार सिद्ध नहीं करना पड़ेगा।

प्रगति हुई है, पर यात्रा अभी अधूरी है। समानता की दिशा में उल्लेखनीय कदम अवश्य उठे हैं, किंतु वास्तविक परिवर्तन तब होगा जब समानता को सिद्ध करने या उसके लिए निरंतर संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। जब घर और कार्यस्थल दोनों में अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ स्वाभाविक रूप से साझा होंगी, तब लैंगिक समानता केवल नीतियों या घोषणाओं का विषय नहीं रहेगी, बल्कि जीवन की सामान्य और स्वीकृत व्यवस्था बन जाएगी।

उस दिन समाज की प्रगति का मापदंड यह नहीं होगा कि महिलाओं ने कितनी बाधाएँ पार कीं, बल्कि यह होगा कि उन्हें बाधाओं का सामना करना ही क्यों नहीं पड़ा। तब यह प्रश्न भी अप्रासंगिक हो जाएगा कि समाज लैंगिक समानता की दिशा में कितना आगे बढ़ा है, क्योंकि समानता स्वयं जीवन की स्वाभाविक वास्तविकता बन चुकी होगी।

समानता तब पूर्ण होगी
जब अवसर, सम्मान और जिम्मेदारियाँ
किसी सिद्धांत के कारण नहीं,
बल्कि स्वाभाविक रूप से साझा होंगी।

–अलका सक्सेना,
अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क
(सेवानिवृत)

सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के वक्तव्य : आचार संहिता अब अनिवार्य क्यों?

सुनील दत्त गोयल

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संस्थाएँ होती हैं – और इन संस्थाओं की साख उनके पदाधिकारियों के आचरण से तय होती है। न्यायपालिका, प्रशासन और आर्थिक नियामक संस्थाएँ देश की रीढ़ मानी जाती हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है, जहाँ सार्वजनिक पदों पर बैठे माननीय और महामहिम व्यक्ति अपने दायित्वों की मर्यादा लांघते हुए ऐसे वक्तव्य और टिप्पणियाँ कर रहे हैं, जिनका दूरगामी और नकारात्मक प्रभाव समाज, न्याय व्यवस्था और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

न्यायालयों से बाहर जाती टिप्पणियाँ और गिरती न्यायिक गरिमा : यह एक खुला सत्य है कि हमारे उच्च न्यायालयों के कुछ न्यायाधीश – चाहे वे सर्वोच्च न्यायालय में हों या विभिन्न उच्च न्यायालयों में – कभी-कभी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान ऐसी टिप्पणियाँ कर बैठते हैं जो न तो आवश्यक होती हैं और न ही रिकॉर्ड का हिस्सा बनती हैं। इससे भी अधिक गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब यही न्यायाधीश अदालत से बाहर सामाजिक कार्यक्रमों, सेमिनारों या सार्वजनिक मंचों पर व्यक्तिगत भावनाएँ व्यक्त करने लगते हैं।

भले ही यह अनजाने में हो या जानबूझकर – पर इसका असर न्याय व्यवस्था पर पड़ता है। निचली अदालतों में कार्यरत न्यायिक अधिकारी, विशेषकर मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी, कई बार यह मान लेते हैं कि ऊपर से यही संदेश है, और उसी मानसिकता के साथ वे अपने निर्णय देने लगते हैं। यह स्थिति न्यायिक स्वतंत्रता और निष्पक्षता दोनों के लिए अत्यंत घातक है। न्याय का मूल सिद्धांत यही है कि फैसला केवल तथ्यों, साक्ष्यों और कानून के आधार पर हो – न कि किसी वरिष्ठ की टिप्पणी या भावनात्मक संकेत के प्रभाव में।

स्थानीय नियुक्तियाँ और निष्पक्षता पर प्रश्न

एक और संवेदनशील विषय है न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया। जब कोई वकील वर्षों तक किसी राज्य या ज़िले में प्रैक्टिस करता है और बाद में उसी क्षेत्र में न्यायाधीश बना दिया जाता है, तो यह मान लेना भोलेपन से कम नहीं कि वह अपने पुराने सामाजिक, पेशेवर या व्यक्तिगत संबंधों से पूरी तरह मुक्त रह पाएगा।

न्यायाधीश भी मनुष्य होते हैं। वे भी उसी समाज में रहते हैं, उसी समाज में सेवानिवृत्ति के बाद जीवन व्यतीत करते हैं। यही कारण है कि प्रशासनिक सेवाओं – जैसे केन्द्रीय एवं राज्य सेवाओं में यह सुनिश्चित किया जाता है कि अधिकारी को उसके गृह ज़िले में पोस्टिंग न मिले। ठीक यही सिद्धांत न्यायपालिका में भी लागू होना चाहिए।

यदि यह माना जाता है कि एक कनिष्ठ न्यायिक अधिकारी अपने गृह क्षेत्र में निष्पक्ष नहीं रह सकता, तो यह मान लेना कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इससे अछूते रहेंगे – एक स्पष्ट दोहरा मानदंड है।

विशेष अदालतें: समाधान या नई समस्या?

उत्पीड़न से जुड़े मामलों – विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं से संबंधित मामलों – में एक और जटिल समस्या सामने आती है। कई बार जाँच में यह पाया गया है कि शिकायत झूठी या तथ्यहीन थी। इसके बावजूद न तो निर्दोष व्यक्ति को कोई मुआवज़ा मिलता है, न उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा की भरपाई होती है। उलटे, झूठी शिकायत करने वाला व्यक्ति बेखौफ घूमता रहता है। ऐसे मामलों में यदि शिकायत गलत सिद्ध हो जाए, तो शिकायतकर्ता पर कठोर आर्थिक दंड और दंडात्मक कार्रवाई अनिवार्य होनी चाहिए। अन्यथा न्यायालयों में मामलों का अंबार इसी तरह बढ़ता रहेगा।

दूसरी ओर, विशेष अदालतों और विशेष न्यायाधीशों की व्यवस्था भी कई सवाल खड़े करती है। जब यह कहा जाता है कि महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई केवल महिला न्यायिक अधिकारी करेंगी, या अनुसूचित जाति-जनजाति मामलों के लिए अलग अदालतें होंगी, तो इसका अप्रत्यक्ष संदेश यही जाता है कि सामान्य न्यायाधीश निष्पक्ष नहीं हो सकते। यदि न्यायपालिका स्वयं अपने अधिकारियों पर पूर्ण विश्वास नहीं दिखा पा रही, तो आम जनता से भरोसे की उम्मीद कैसे की जा सकती है? यह व्यवस्था सामाजिक विभाजन और मानसिक दूरी को भी बढ़ावा देती है, जबकि न्याय का सिद्धांत समानता पर आधारित होना चाहिए। आज़ादी के लगभग 80 वर्ष बाद यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भी हमें जाति, वर्ग और लिंग के आधार पर अलग-अलग न्यायिक ढाँचों की आवश्यकता है?

आर्थिक नीतियाँ और गैर-जिम्मेदार वक्तव्य

यह समस्या केवल न्यायपालिका तक सीमित नहीं है। लगभग एक दशक पहले भारतीय रिज़र्व बैंक के तत्कालीन गवर्नर – जो अब अमेरिका में रहते हैं – अपने कार्यकाल के दौरान एक अलग ही प्रवृत्ति के लिए जाने जाते थे। वे कार्यालय समय में आधिकारिक बयान देने से बचते थे, लेकिन शाम होते ही मीडिया मंचों से अर्थव्यवस्था, उद्योग और विभिन्न सेक्टरों पर टिप्पणियाँ करने लगते थे। आज भी ये श्रीमान अपने आप को सुर्ख़ियों में बनाये रखने के लिए आये दिन कोई न कोई अनावश्यक बयानबाजी मीडिया में करते रहते हैं चाहे वो गलत ही साबित हों।

उनके इन बयानों का सीधा असर भारतीय शेयर बाज़ार पर पड़ता था। कई बार शेयरों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सेबी की जाँचों में यह भी सामने आया कि कुछ वक्तव्यों के तुरंत बाद असामान्य ट्रेडिंग हुई, जिससे अंदरूनी जानकारी के संदेह को बल मिला। आज भी यह प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। कुछ नेता और वरिष्ठ अधिकारी किसी सेक्टर या कंपनी पर बयान देकर बाज़ार को प्रभावित कर देते हैं, जबकि इसका खामियाज़ा आम निवेशक भुगतता है।

अनुशासन ही समाधान है

शेयर बाज़ार केवल निवेश का माध्यम नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर है। इसके उतार-चढ़ाव करोड़ों लोगों की बचत, मेहनत और भविष्य से जुड़े हैं। इसी तरह, न्यायपालिका केवल फैसले देने की संस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास की अंतिम शरण है। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों में ऐसी घटनाओं में कमी आई है, लेकिन यह प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

अत: मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह सभी सार्वजनिक पदों पर बैठे नेताओं और अधिकारियों को यह सख्त निर्देश दे कि वे ऐसे कोई सार्वजनिक वक्तव्य न दें, जिनसे शेयर बाज़ार, सामाजिक व्यवस्था, न्यायिक प्रणाली या किसी भी प्रकार की हिंसक अथवा अहिंसक घटना या दुर्घटना को बढ़ावा मिले – क्योंकि आम व्यक्ति इन सब से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है।

इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार और न्यायपालिका दोनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक पदों पर बैठे व्यक्ति बिना सोचे-समझे कोई वक्तव्य न दें। एक स्पष्ट, लिखित और सख़्त आचार-संहिता लागू हो – चाहे वह न्यायाधीश हों, नियामक संस्थाओं के प्रमुख हों या राजनेता।

न्याय तभी सार्थक है जब वह निष्पक्ष हो और दिखे भी निष्पक्ष। और अर्थव्यवस्था तभी मजबूत होती है, जब उस पर भरोसा अडिग रहे। यही संविधान की आत्मा है और यही लोकतंत्र की सच्ची परीक्षा।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल, महानिदेशक,
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

विश्व शांति के लिए पुष्कर में 43 दिवसीय ''शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ'' कल से

महायज्ञ के लिए खेरकड़ी रोड पर लगभग 80 बीघा क्षेत्र में भव्य यज्ञनगरी विकसित की गई है

पुष्कर, (निसं)। विश्वभर में बढ़ते युद्ध जैसे हालात, अंतरराष्ट्रीय तनाव और अस्थिरता के बीच भारत की आध्यात्मिक परंपरा से विश्व शांति के लिए एक बड़ी पहल होने जा रही है। तीर्थराज पुष्कर में 8 मार्च से 19 अप्रैल तक 43 दिवसीय "शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ" आयोजित किया जाएगा, जिसमें 3 करोड़ आहुतियां और 24 करोड़ गायत्री मंत्र जाप के माध्यम से वैश्विक संतुलन और शांति की कामना की जाएगी।

महा निर्माणी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में होने वाले इस महायज्ञ की तैयारियां लगभग एक वर्ष पूर्व ही शुरू हो गई थी। स्वामी प्रखर महाराज ने

■ **महायज्ञ में 3 करोड़ आहुतियां और 24 करोड़ गायत्री मंत्र जाप के माध्यम से वैश्विक संतुलन और शांति की कामना की जाएगी**

वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को पहले से ही भांपते हुए इस महायज्ञ का संकल्प लिया था। करपात्री महाराज के प्रमुख शिष्य स्वामी प्रखर महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित यह महायज्ञ विप्र फाउंडेशन और श्री प्रखर परोपकार मिशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। आयोजन समिति के मुख्य संयोजक सुशील ओझा ने बताया कि शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ का उद्देश्य विश्वभर में व्याप्त अशांति और भय को समाप्त कर शांति स्थापना का मार्ग प्रशस्त करना है।

स्वामी प्रखर महाराज का भी कहना है कि शास्त्रों में महायज्ञों के प्रभाव से सृष्टि-संतुलन और कल्याण का वर्णन मिलता है तो वर्तमान संघर्षपूर्ण वातावरण में आध्यात्मिक साधना के माध्यम से शांति का मार्ग भी प्रशस्त किया जा सकता है।

महायज्ञ आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक तिलक राज शर्मा ने बताया कि महायज्ञ के लिए शास्त्रीय मानकों के अनुरूप 200 हवन कुंडों का निर्माण किया गया है। इन कुंडों में लगभग 3 करोड़ आहुतियां अर्पित की जाएंगी, जबकि महायज्ञ स्थल पर 2000 से अधिक साधक 24 करोड़ गायत्री मंत्रों का जाप करेंगे।

आयोजन समिति के अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी ने बताया कि हवन कुंड केवल अग्नि वेदियां नहीं, बल्कि मां भगवती का मुख माने जाते हैं। महायज्ञ में प्रयुक्त हवन सामग्री से लेकर संपूर्ण विधि-विधान पूर्णत: शास्त्र सम्मत रखा गया है। यज्ञ में 200 चयनित ब्राह्मण दंपति बैठेंगे उन्हें भी विधिवत प्रायश्चित व संकल्प कराया गया है। वहीं 2000 से अधिक साधकों का चयन भी साक्षात्कार प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष अशोक जोशी ने बताया कि महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ 8 मार्च को सायं 4 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। महायज्ञ के लिए खेरकड़ी रोड पर लगभग 80 बीघा क्षेत्र में भव्य यज्ञनगरी विकसित की गई है, जो आगामी 43 दिनों तक साधना, जप और विश्व कल्याण के संकल्प का केंद्र बनेगी। महायज्ञ संचालक मंडल के सदस्य नवीन शर्मा के अनुसार वर्तमान वैश्विक संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत की आध्यात्मिक परंपरा से प्रेरित यह महायज्ञ विश्व समुदाय को शांति, सद्भाव और संतुलन का संदेश देगा। इस बीच महायज्ञ की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गुरुवार को स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य में एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जबकि यज्ञाचार्य, साधक और यजमान पहुंचने लगे हैं।

स्वदेशी की ताकत से भारत बनेगा दुनिया की महाशक्ति : भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री मोदी का ''मेक इन इंडिया'' का उद्घोष बना आत्मनिर्भर भारत का आह्वान : मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वदेशी हमारी संस्कृति का हिस्सा है और यह हमारी सनातन परंपरा है। स्वदेशी की इसी ताकत से हमारा देश आत्मनिर्भर बनने के साथ ही दुनिया की महाशक्ति बनेगा। शर्मा शुक्रवार को जगतपुरा में स्वदेशी जागरण मंच के उद्यमी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि स्वदेशी और स्वावलंबन भारत की आत्मा में हजारों वर्षों से समाए हुए है। सदियों पहले जब यूरोप के देश व्यापार के नाम पर दुनिया में भटक रहे थे, तब भारत के मुर्शिदाबाद की मलमल, बनारस का रेशम, राजस्थान की लहरिया और बंधेज पूरी दुनिया के बाजारों की शान थे।उन्होंने कहा कि इसी पहचान और आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी जागरण मंच लगातार परिश्रम कर रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड का उद्घोष कर पुनर्जागरण का आह्वान किया है। कोरोना के समय हमारे देश ने दुनिया के कई देशों को दवाइयां और वैक्सीन भेजी। यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत थी और प्रधानमंत्री की उस सोच का परिणाम भी जिसने भारत को उपभोक्ता से उत्पादक बनाने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग और कार्यों से देश आत्मनिर्भरता में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जगतपुरा में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित उद्यमी सम्मान समारोह में भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का आगाजा किया।

- भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''सदियों पहले जब यूरोप के देश व्यापार के नाम पर दुनिया में भटक रहे थे, तब भारत के मुर्शिदाबाद की मलमल, बनारस का रेशम, राजस्थान की लहरिया और बंधेज पूरी दुनिया के बाजारों की शान थे।''

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। विश्व में देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई है। आज भारत रक्षा क्षेत्र से लेकर सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर बन रहा है। यह प्रधानमंत्री की नीतियों, दृढ़ इच्छाशक्ति और देशवासियों की मेहनत का ही फल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े उद्योगों के साथ ही छोटे एवं स्थानीय उद्यमियोंसे आत्मनिर्भरता आती है। यही स्वदेशी की आत्मा और ग्रामोद्योग की ताकत है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की खरीददारी से उस उत्पाद से जुड़ीपूरी श्रृंखला को सहारा मिलता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने स्थानीय उत्पादोंको बढ़ावा देने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम लागू किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले वर्ष में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। जिसके तहत 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू हुए। इनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की हस्तशिल्प कला भी हमारी पहचान है, जिसके उत्पादों की विश्व में मांग है। वहीं किले, महल, अभ्यारण्य और मंदिरों से हमारा पर्यटन क्षेत्र निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियों हमारी धरोहर है।हमारी सरकार इन हवेलियों को चिन्हित करते हुए इनके संरक्षण का काम कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक आर. सुंदरम, राष्ट्रीय संगठक कश्मीरी लाल, अखिल भारतीय महिला प्रमुख अर्चना मीणा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जयपुर प्रांत के संघचालक महेन्द्र सिंह मग्गोसहित प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर और एसपी ने क्या कोर्ट को पोस्ट ऑफिस समझ रखा है : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पैरोल प्रार्थना पत्रों को लापरवाही से खारिज करने से जुडे मामले में भरतपुर कलेक्टर और एसपी पर नाराजगी प्रकट की। अदालत ने कहा कि आप लोगों ने कोर्ट को क्या पोस्ट ऑफिस समझ रखा है। आपके इसी रवैये के चलते कोर्ट में पैरोल से जुडे प्रकरण लगातार बढ रहे हैं और हम जरूरी मामलों की सुनवाई नहीं कर पाते हैं। जस्टिस महेन्द्र गोयल व जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह टिप्पणी शुक्रवार को अनिल कपूर उर्फ रिंकू की याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

सुनवाई के दौरान अदालत आदेश की पालना में भरतपुर कलेक्टर व एसपी कोर्ट में हाजिर हुए। अदालत ने दोनों अफसरों को कहा कि वे इन मामलों में अपना मस्तिष्क काम में क्यों नहीं लेते हैं। मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता कैदी 12 साल की सजा काट चुका हैं और वह पिछले 4 साल से ओपन जेल में हैं, लेकिन एक पुलिसकर्मी की रिपोर्ट पर आप लोगों ने भरोसा कर लिया। आपने अपना मस्तिष्क इस्तेमाल नहीं किया। यदि आप किसी चीज को लेकर आशंका जता रहे हैं तो उसके ठोस सबूत भी पेश करें। वहीं कलेक्टर की ओर से अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता की 20 दिन की पैरोल मंजूर कर ली गई है। इसके साथ ही एसीएस गृह और डीजीपी की ओर से विधानसभा सत्र में व्यस्त होने का हवाला देते हुए उपस्थिति से छूट चाही। जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि कई बार दोनों अफसरों को इस व्यवस्था में सुधार के लिए कहा जा चुका है, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। ऐसे में वे 16 मार्च को पेश होकर इस लापरवाही पूर्ण रवैये पर अपना स्पष्टीकरण दें और साथ ही भविष्य में ऐसी लापरवाही से बचने के उपायों के बारे में भी बताए। मामले से जुडे अधिवक्ता गोविंद प्रसाद रावत ने बताया कि याचिकाकर्ता कैदी का आचरण संतोषजनक है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग भरतपुर के संयुक्त निदेशक ने भी रिपोर्ट में पैरोल देने की सिफारिश की थी, लेकिन भरतपुर एसपी की रिपोर्ट पर उसे पैरोल नहीं दी गई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने चारों अफसरों को तलब करते हुए याचिकाकर्ता के पैरोल पर विचार करने को कहा था।

राजस्थान विधानसभा में पारित हुआ ''डिस्टर्ब एरिया बिल''

दंगा-सांप्रदायिक तनाव वाले इलाकों में एडीएम-एसडीएम की मंजूरी के बिना प्रॉपर्टी खरीद-बेच नहीं सकेंगे

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा में शुक्रवार को बहस के बाद डिस्टर्ब एरिया बिल पारित कर दिया गया। ''द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ ट्रांसफर ऑफ इमूवेबल प्रॉपर्टी एंड प्रोविजन फोर प्रोटेक्शन ऑफ टेनेन्ट्स फ्रॉम एविक्शन फ्रॉम प्रिमाइसेज इन डिस्टर्ब्ड एरियाज बिल, 2026'' के प्रावधानों के तहत राज्य सरकार दंगा प्रभावित इलाकों को डिस्टर्ब एरिया घोषित कर सकेगी। डिस्टर्ब एरिया में एडीएम या एसडीएम की मंजूरी के बिना कोई भी प्रॉपर्टी की खरीद और बेचान नहीं हो सकेगा, न रजिस्ट्री हो सकेगी।

बिल के प्रावधानों के अनुसार, दंगा प्रभावित और जनसंख्या असंतुलन से हिंसा के हालात बनने पर एक क्षेत्र, कॉलोनी या वार्ड को डिस्टर्ब एरिया घोषित किया जाएगा। क्षेत्र विशेष को डिस्टर्ब एरिया घोषित किए जाने के बाद वहां एडीएम-एसडीएम की मंजूरी के बिना प्रॉपर्टी की खरीद-बेचान नहीं किया जा सकेगा। बिना अनुमति अगर प्रॉपर्टी का ट्रांसफर हो भी जाता है तो उसे अमान्य कर शून्य घोषित किया जा सकेगा। बिल में समुदाय विशेष की जनसंख्या बढ़ने और डेमोग्राफी प्रभावित होना भी डिस्टर्ब एरिया घोषित करने का आधार बन सकता है।

- बिल के प्रावधानों के मुताबिक एडीएम-एसडीएम की मंजूरी के बिना अगर प्रॉपर्टी का ट्रांसफर हो भी जाता है तो उसे अमान्य कर शून्य घोषित किया जा सकेगा।
- इस बिल में समुदाय विशेष की जनसंख्या बढ़ने और डेमोग्राफी प्रभावित होना भी डिस्टर्ब एरिया घोषित करने का आधार बन सकता है। हालांकि बैंकों और वितीय संस्थानों के पास गिरवी प्रॉपर्टी पर कानून लागू नहीं होगा।

बाजार दर से कम पर प्रॉपर्टी नहीं बिकेगी

ऐसे इलाकों में एडीएम-एसडीएम से मंजूरी मिलने के बाद ही प्रॉपर्टी ट्रांसफर हो सकेगी। डिस्टर्ब एरिया में एडीएम-एसडीएम संबंधित प्रॉपर्टी के बारे में पूरी रिपोर्ट ली जाएगी। अफसर यह सुनिश्चित करेंगे कि बाजार कीमत से कम में प्रॉपर्टी नहीं बिके। किसी दबाव में या स्थानीय लोगों के दबाव में प्रॉपर्टी नहीं बिके यह भी जांच होगी। डिस्टर्ब एरिया में एडीएम-एसडीएम प्रॉपर्टी खरीद-बेचान के आवेदन पर 3 महीने में फैसला करेंगे, इस अवधि को बढ़ाया भी जा सकेगा।

कानून के उल्लंघन पर सजा व जुर्माना

राज्य सरकार द्वारा बनाए गए कानूनी प्रावधानों के उल्लंघन पर 3 से 5 साल की सजा, 1 लाख जुर्माना कानून के इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर अपराध गैर जमानती और संज्ञेय होगा, जिसमें 3 साल से 5 साल तक जेल और जुर्माने की सजा होगी। साथ ही 1 लाख तक जुर्माना भी लगेगा।

हालांकि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्रॉपर्टी गिरवी होने पर यह कानून लागू नहीं होगा। डिस्टर्ब एरिया में गिरवी प्रोपर्टीज को बैंक और एनबीएफसी नीलाम कर सकेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि, दंगे नहीं तो डिस्टर्ब एरिया घोषित नहीं होगा। प्रॉपर्टी का बाजार मूल्य मिल रहा है या नहीं, बाजार मूल्य से कम नहीं मिले। अफसर यह देखेगा कि प्रॉपर्टी बाजार मूल्य से कम में नहीं मिले। यह कानून कमजोर लोगों की रक्षा करता है। पटेल ने कहा कि जोधपुर में एक ऐसा भी क्षेत्र है, जहां कोई घुस नहीं सकता। राजस्थान में ऐसे क्षेत्र लगातार बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस सत्ता में आई तो खत्म करेंगे कानून : डोटासरा

जयपुर (विसं)। डिस्टर्ब एरिया बिल का विरोध करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सदन में कहा कि, ''2028 में कांग्रेस सत्ता में आएगी तो इस बिल को खत्म करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि, सरकार धार्मिक उन्माद फैलाकर ऐसे बिल लाकर बहुसंख्यक वोटों को अपनी तरफ करके गुजरात का मॉडल यहां पर अपनाने जा रही है। जमीन जायदाद पर सरकार की नजर है, इससे बड़ा दुर्भाग्य नहीं हो सकता। संपत्ति खरीद बेचने के अधिकार संविधान से हमें मिले हैं। इस पर सरकार का नियंत्रण करना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए शांत क्षेत्र को अशांत करने का षड्यंत्र है।''

डोटासरा ने कहा कि डिस्टर्ब एरिया कौन सा होगा, समुदाय विशेष कौन सा होगा ,जिससे डिस्टर्ब करना चाहते हो? 2028 में कांग्रेस सत्ता में आएगी, हम इस बिल को खत्म करेंगे। राजस्थान में यह परंपरा है, अगली बार हम आएंगे। राजस्थान में आपकी सरकार है फिर भी ऐसा बिल लाकर राजस्थान को क्यों जलाना चाह रहे हो।डोटासरा ने कहा कि इस बिल के जरिए आप समुदाय विशेष को इंगित करना चाहते हैं, आपकी मंशा क्या है? कानून में मंशा स्पष्ट करनी पडेगी, जो नहीं की गई है। इस बिल की धारा 5 में जिस तरह के प्रावधान है, उससे भ्रष्टाचार के दरवाजे खुल जाएंगे। कोर्ट में भी नहीं जा सकेंगे।

बूंदी के कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने तो बहस के दौरान यहां तक कह दिया कि, ''अगर राजस्थान में सांप्रदायिक दंगे होते हैं तो उसकी जिम्मेदार मौजूदा सरकार होगी।'' उनकी इस टिप्पणी के बाद सदन में माहौल गर्मा उठा, मंत्री अविनाश गहलोत और पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी समेत सत्ता पक्ष के तमाम विधायकों ने उनके बयान पर कड़ी नाराजगी जताई।

कोटपूतली में टैंकर से केमिकल खाली करते समय फैक्टरी में भीषण आग लगी

केशवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एरोमेटिक एग्रो एलाइड कम्पनी की घटना, नुकसान का पता नहीं लगा

दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

- बहरोड़, कोटपूतली, पावटा, नीमराणा व बानसूर से दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिनकी मदद से आग पर काबू पाया
- फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई है

कोटपूतली, (निसं)। जिले के केशवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एरोमेटिक एग्रो एलाइड कम्पनी में शुक्रवार दोपह केमिकल टैंक में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और प्लांट से उठती ऊंची लपटें व धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने से पहले तेज धमाके की आवाज भी सुनाई दी। आग बुझाने के लिये बहरोड़, कोटपूतली, पावटा, नीमराणा व बानसूर से दमकल की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंची, जिनकी मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

जानकारी के अनुसार हादसा टैंकर से केमिकल खाली करते समय रिसाव होने के कारण हुआ। इसी दौरान धमाके के साथ आग लग गई और तेज हवा के कारण लपटें तेजी से फैल गईं। आग केमिकल से भरे एक हिस्से में लगने के कारण कुछ ही देर में धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। सुरक्षा के मद्देनजर फैक्ट्री परिसर के आसपास मौजूद लोगों को दूर कर दिया गया। वहीं बचाव के तौर पर पड़ौसी कंपनी श्रीनाथ लाइफ साइंस में रखे केमिकल के ड्रमों पर भी पानी का छिड़काव किया गया, ताकि आग वहां तक नहीं पहुंचे। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। वहीं प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है। घटना में हुये नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है।

जिला कलैक्टर प्रियंका गोस्वामी ने बताया कि केशवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग की सहायता से आग पर नियंत्रण पाया गया। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई, एडीएम ओ.पी. सहारण, एएसपी नाजिम अली, एसडीएम रामावतार मीणा, तहसीलदार रामधन गुर्जर सहित विभिन्न थानों की पुलिस भी मौजूद रही। आग पर काबू पाने के बाद फायर ऑफिसर ने टीम के साथ फैक्ट्री के अंदर जाकर स्थिति का जायजा लिया।

सरसों के तेल से भरा टैंकर पलटा, केबिन में फंसा ड्राइवर

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना इलाके में शुक्रवार को सरसों के तेल से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर ड्राइवर घायल हो गया। टैंकर पलटने की सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण खाली बर्तन, बाल्टी और ड्रम लेकर मौके पर पहुंच गए और तेल लूटने की होड़ मच गई जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने खदेड़ा और ड्राइवर को हॉस्पिटल पहुंचाया।

घटना गोगुंदा थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे 27 पर कीर्तिराज होटल के पास शुक्रवार सुबह आठ बजे की है। जहाँ सरसों के तेल से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर ड्राइवर भाई ठाकुर (40) निवासी पालनपुर, गुजरात घायल हो गया। इस दौरान वह केबिन में बुरी तरह से फंस गया। घटना की सूचना मौके पर गोगुंदा थाना पुलिस के उपनिरीक्षक हितेश यादव जाब्ते के साथ पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने एक्शन लेते हुए तेल भर रहे लोगों को मौके से खदेड़कर स्थिति को काबू किया। इसी के साथ पुलिस ने केबिन में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला और हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस ने क्रेन की मदद से टैंकर को साइड में खड़ा करवाया। जानकारी के अनुसार टैंकर गुजरात के कांडला से सरसों का तेल लेकर मध्यप्रदेश के नीमच जा रहा था। इसी दौरान गोगुंदा हाईवे पर टैंकर अनियंत्रित हो गया। माना जा रहा है कि ड्राइवर ने ढलान पर टैंकर को न्यूट्रल कर दिया, जिससे टैंकर बेकाबू होकर चट्टान से टकराया गया।

जोधपुर में दो साल से फरार तस्कर गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। फलोदी पुलिस ने एमडीएमए तस्करी के एक मामले में दो साल से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 25.90 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया था। उसके खिलाफ चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा जिलों में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं।

फलोदी के पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह चारण और वृत्ताधिकारी लोहावट नगेंद्र कुमार के सुपरविजन में भोजासर थानाधिकारी जमील खान की टीम ने यह कार्रवाई की। मामला 2 मई 2024 का है, जब भोजासर पुलिस ने ऑपरेशन अनामिका के तहत मिली सूचना पर कार्रवाई की थी। उस समय चाडी निवासी भोमाराम पुत्र रणुराम की जेब से 25.90 ग्राम एमडीएमए बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया था। भोमाराम ने पुलिस पूछताछ में बताया था कि यह अवैध मादक पदार्थ अशोक ने उसे सप्लाई किया था। इसके बाद, सप्लायर अशोक की गिरफ्तारी के लिए भोजासर थानाधिकारी जमील खान के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए नागौर जिले के श्री बालाजी थाना क्षेत्र के सथेरण निवासी अशोक पुत्र फुलाराम को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद, अशोक को अनुसंधान के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ पहले भी चार अन्य मामले दर्ज हैं।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर
पी.एच.ई.डी. कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया, के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानीबाजार, बीकानेर (334001)
फोन नं. 0151-2226475 ई-मेल-pheddriibkn@gmail.com, cediv2.bik.phed@ralasthan.gov.in Latitude 28.0005250 Longitude 73.3249120
क्रमांक :- 7744-59 दिनांक :- 25/02/26

Notice Inviting Bid :- 226 to 232/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 09.03.2026 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 180.22 lacs.

NIT No.	226	227	228	229	230	231	232
UBN No.	PHE2526 WSOB 14883	PHE2526 WSOB 14884	PHE2526 WSOB 14885	PHE2526 WSOB 14886	PHE2526 WSOB 14888	PHE2526 WSOB 14890	PHE2526 WSOB 14892

(नरेश कुमार रैगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड-II बीकानेर
DIPR/C/4580/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624 E-mail.: eephedscr@gmail.com
कमांकः अ.अ./ जन स्वा./ सॉं/निविदा/2025-26/1749 दिनांकः- 26/02/2026

निविदा सुचना संख्या - 17/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Providing laying, Jointing and Testing DI K-7 pipe line under division Sanchore
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 01 रु. 35.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	26.02.2026 से 09.03.2026 को 13.00 बजे तक
निविदाएं खोलने की तिथी व समय	10.03.2026 को 15.00 बजे से
UBN No	PHE 2526WSOB14574

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।
(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर
DIPR/C/4605/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई, धौलपुर (राज.)
पताः- प्रथम तल, सान्याअवि परिसर, आर.ए.सी के पास बजरिया रोड़ धौलपुर, पिनकोड़-328001
टेलिफोन नम्बरः- 05642-299112 ई-मेलः icpsdholpur@gmail.com
क्रमांक-जि.बा.सं.इ./ धौलपुर / चाईल्ड हैल्पलाईन एवं हेल्प डेस्क/जोब बेस/ई-निविदा/2025-26/1917
दिनांकः- 27/02/2026

ई-निविदा सूचना सं. 01/2025-26

कार्यालय सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एंव बाल अधिकारिता विभाग धौलपुर के अधीन संचालित चाईल्ड हेल्प लाईन एवं चाईल्ड हेल्प डेस्ट, रेल्वे 1098 (24x7) सेवा के संचालन हेतु एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर मानव संसाधन (प्रोजेक्ट मेनेजमेंट यूनिट) उपलब्ध कराने हेतु ई-निविदा के माध्यम से पंजीकृत / रजिस्टर्ड संवेदक / बोलीदाताओं से निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र. सं.	जॉब बेसिस पदों का विवरण	अनुमानित वार्षिक लागत	बोली प्रतिभूति राशि (रूपये में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये में)	ई- निविदा प्रकिया शुल्क (रूपये में)
1	2	4	5	6	7
1	चाईल्ड हेल्प लाईन यूनिट 1098 (24x7) हेतु मानव संशाधन (प्रोजेक्ट कार्डिनेटर (1 पद), काउंसलर (1 पद), चाईल्ड हेल्प लाईन सुपरवाईजर (3 पद) एवं केस वर्कर (3 पद) एवं रेल्वे चाईल्ड हेल्प डेस्क हेतु सुपरवाईजर (3) पद) एवः केस वर्कर (3) पद) उपलब्ध कराने बाबत	38.00 लाख	76000/-	500/-	500/-

NIB NO. CEP2526A0101
UBN NO. CED2026520800101

1	डाक्यूमेंट डाउनलोड प्रारम्भ तिथि एवं समय	27 फरवरी 2026	सांय 4.00 बजे
2	बिड सबमिशन स्टार्ट तिथि एवं समय	27 फरवरी 2026	सांय 5.00 बजे
3	डाक्यूमेंट डाउनलोड की अंतिम तिथि एवं समय	10 मार्च 2026	सांय 5.00 बजे
4	कार्यालय में प्रतिभूति राशि प्रोसेसिंग फीस एवं टेंडर फीस जमा कराने की अंतिम तिथि एवं समय	11 मार्च 2026	दोप. 2.00 बजे
5	बिड समिशन की अंतिम तिथि एवं समय	10 मार्च 2026	सायं 5.00 बजे
6	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	11 मार्च 2026	सायं 5.00 बजे
7	वित्तीय बिड खोलने की तिथि एवं समय	Will be intimate later to the Technically. Qualified Bidders	

निविदा संबंधी विस्तृत सूचना दस्तावेज मय शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। निविदा https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है। तकनीकी निविदा उन्ही निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निविदा प्रतिभूति राशि का मूल डिमाण्ड ड्राफ्ट जो की Assitant Director, District Child Protection Unit & ch?d Emp. Department Dholpur के नाम एंव धौलपुर में देय हो कार्यालय में भौतिक रूप से जमा कराया जायेगा तथा निविदा प्रपत्र शुल्क ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500/- रूपये Assitant Director, District Child Protection Unit & child Emp. Department Dholpur के नाम से एवं RISL ई निविदा प्रक्रिया शुल्क राशि ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500/- रूपयें Managing Director, RISL, Jaipur (Payable at Jaipur) के नाम से हो निर्धारित तिथी एवं समय तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दी गई होगी। यह निविदा निर्धारित तिथि व समय को जो निविदादाता उपस्थित होंगे, के समक्ष खोली जावेगी।
किसी बोली को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति को सम्पूर्ण अधिकार होगा। उक्त निविदा के अन्तर्गत चाहा गया कार्य पूर्णतः जॉब बेसिस आधार पर है और यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया जाता है कि उक्त जॉब बेसिस कार्य हेतु संवेदक द्वारा उपलब्ध करवाये जाने वाले जॉब बेसिस वर्कर भविष्य में स्थायीकरण / राज्य कर्मचारियों के समकक्ष वित्तीय अथवा अन्य परिलाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी आधार पर विधिक अथवा प्रशासनिक रूप से अधिकृत नहीं होगें। यदि इस संदर्भ में जॉब बेसिस वर्करों द्वारा उक्तानुसार अंकित निर्देश व स्पष्टीकरण के विपरित कोई मांग अथवा विधिक दावा किया जाता है, तो उनके द्वारा किया जाने वाला ऐसा प्रयास अन्यथा प्रयोजनवश माना जाकर गैरकानूनी होगा और इसके लिए संबधित संवेदक/ फर्म/एजेंसी ही उत्तरदायी होगी, यह कार्यालय / विभांग किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं होगा। तकनीकी एंव वित्तीय निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होने/घोषित होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जावेगी।
सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण ईकाई
एवं बाल अधिकारिता विभाग धौलपुर
DIPR/C/4773/2026

सुसाइड नोट छोड़कर दो बेटियों के साथ महिला लापता

- सुसाइड नोट में लिखा कि मेरा पति और सास मिलकर मुझे रात में पीटते हैं, घंटों तक होश नहीं आता है
- नहर में कूदकर सुसाइड की आशंका पर एसडीएफआर और गोताखोरों की मदद से सर्च जारी

बीकानेर, (निसं)। इंदिरा गांधी नहर किनारे चप्पल-लूगड़ी, सुसाइड नोट और ज्वैलरी छोड़कर महिला अपनी दो बेटियों के साथ लापता हो गई। नहर में कूदकर सुसाइड की आशंका पर एसडीएफआर और गोताखोरों की मदद से सर्च किया जा रहा है। फिलहाल महिला का कोई सुराग नहीं लगा है। सुसाइड नोट में लिखा कि मेरा पति और सास मिलकर मुझे रात में पीटते हैं। घंटों तक होश नहीं आता। मैं अपनी बच्चियों को आत्महत्या करने के लिए साथ ले जा रही हूं। मेरी सास शराब की आदी है। मेरी बच्चियों का वारिस कौन होगा पुलिस से अपील है पति और सास के अलावा किसी और को झूठा दोषी नहीं ठहराया जाए। मैं बहुत परेशान हूं।

खाजूवाला डीएसपी अमरजीत चावला ने बताया कि सतासर के पास नहर किनारे महिला के चप्पल और लूगड़ी मिले हैं। गले के हार से दबा हुआ सुसाइड नोट मिला है। सूचना मिलते ही छतरगढ़ थानाधिकारी नवनीत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्र में जांच शुरू की। फिलहाल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम नहर में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है और युवती का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीण भी अपने स्तर पर महिला की तलाश में पुलिस की मदद कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सुसाइड नोट में ससुराल पक्ष पर मारपीट और परेशान करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस परिजनों पूछताछ के साथ ही सुसाइड नोट में लिखी जानकारी की भी जांच कर रही है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं सुसाइड की आशंका पर नहर में महिला की तलाश की गई।

जैसलमेर में मोहन भागवत ने तीन दिवसीय चादर महोत्सव की शुरूआत की

- मोहन भागवत ने चादर महोत्सव पर विशेष डाक टिकट का विमोचन किया

जैसलमेर, (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जैसलमेर के डेडानसर मैदान में तीन दिवसीय चादर महोत्सव की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने दादा गुरुदेव आचार्य जिनदत्त सूरी की स्मृति में पांच रुपये का विशेष डाक टिकट जारी किया। डाक टिकट के साथ-साथ एक स्मारक सिक्का और डॉ. विद्युत प्रभा द्वारा लिखित पुस्तक दादा गुरुदेव का भी विमोचन किया गया।

सर्वप्रथम जैन समाज द्वारा भागवत को माला एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर महाराज की निश्रा में आयोजित कार्यक्रम में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक एकात्मता, सामाजिक सद्भाव एवं समरसता में दादागुरु परंपरा का अहम योगदान है। आज सैकड़ों की संख्या में दादावाड़िया धार्मिक अनुष्ठानों, परंपरा, लेखन, आध्यात्म और संस्कृति की वाहक बनी हुई है। महोत्सव स्थल पहुंचने से पूर्व मोहन भागवत ने जैसलमेर किले में दादा जिनदत्त सूरि की पवित्र चादर का दर्शन किया। मंच से देशभर में चल रहे संघ के शताब्दी वर्ष आयोजन का भी जिक्र हुआ। जैन समाज के चादर महोत्सव की सफलता के लिए मोदी सरकार द्वारा चेन्नई से जैसलमेर स्पेशल रेल का फेरा स्वीकृत कर लगभग 2 हजार श्रद्धालुओं को आने-जाने में मदद की है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 7 मार्च को विश्वभर में एक साथ 1 करोड़ 8 लाख श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक दादागुरु इकतीसा पाठ का महासंकल्प है। आयोजन में संघ के अमृत देया सहित अनगिणित स्वयं सेवकों की उपस्थिति रही।

चादर महोत्सव समिति के चेयरमैन मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने भी सम्बोधन दिया। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि ने सम्बोधन में कहा कि दादा जिनदत्त सूरि ने समाज में एकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने आगे कहा कि देश के युवाओं को सही दिशा और सन्मार्ग की प्रेरणा देना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मंच पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरि, आचार्य मनोज्ञसागर सूरि, मंगल प्रभात लोढ़ा, जैसलमेर की पूर्व महारानी रासेश्वरी राज्ये लक्ष्मी, पद्मश्री डॉ. डी. आर. मेहता, तेजराज गोलेच्छा, प्रकाशचंद लोढ़ा और महेंद्र भंसाली मौजूद रहे।

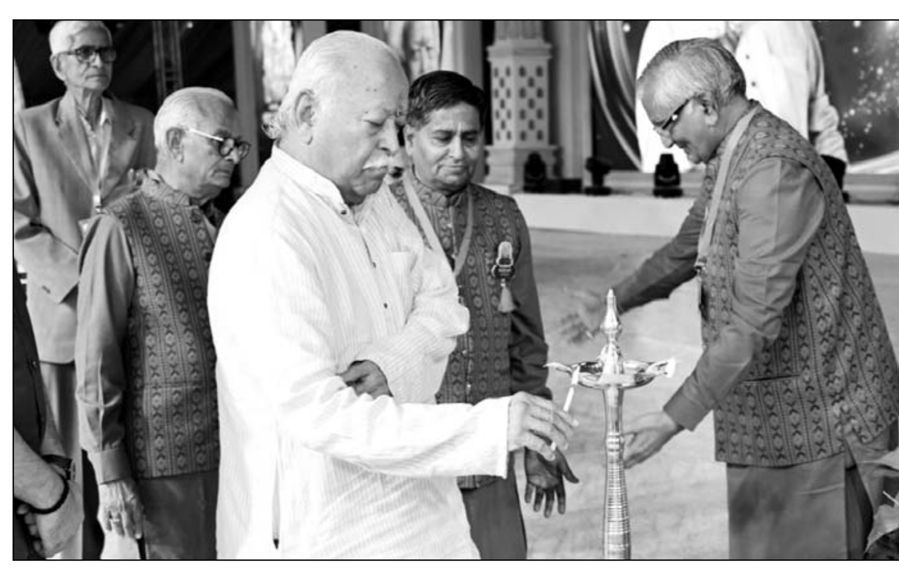
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत सहित अतिथियों ने कार्यक्रम की शुरुआत की।

दुकान से चांदी के जेवर चोरी

गजसिंहपुर, (निसं)। कस्बे की धान मंडी स्थित ज्वैलर्स की दुकान से चांदी के जेवर चोरी हो गए। यह वारदात महिला और पुरुष ने ग्राहक बनकर अंजाम दी। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी ग्राहक बनकर दुकान पर आए थे। उन्होंने चांदी की पाजेब सहित अन्य जेवर देखने शुरू किए। एक पाजेब पसंद करने का बहाना बनाकर उन्होंने दुकानदार से उसका मूल्य पूछा। दुकानदार जैसे ही कीमत पता करने के लिए काउंटर की ओर बढ़ा, महिला ने इस मौके का फायदा उठाया। महिला ने चुपचाप लिफाफे में रखे चांदी के जेवर उठा लिए। कुछ देर बाद दोनों दुकान से निकलकर फरार हो गए। जब दुकानदार को कुछ शक हुआ, तो उसने सीसीटीवी फुटेज देखी। फुटेज में महिला द्वारा जेवर उठाते हुए चोरी की पूरी घटना रिकॉर्ड मिली। दुकान मालिक ने चोरी का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी कर दी। दोनों आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग पाया है।

महिला की मौत पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

अनूपगढ़, (निसं)। घडसाना पंचायत समिति के गांव खानुवाली निवासी सुदेश कुमारी की 25 फरवरी को डिलीवरी के दौरान मौत हो गई थी। बच्चे की भी जान नहीं बचाई जा सकती थी।

मामले में परिजनों और ग्रामीणों ने डॉक्टर्स के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाया है। इसको लेकर उन्होंने घडसाना के एसडीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी निजी अस्पताल के डॉक्टर राजेश गौड़ और सरकारी अस्पताल के एक डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर द्वारा फर्जी रेफर कार्ड बनाया गया था। एसडीएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन की सूचना पर एडीएम अशोक सांगवा और डीएसपी प्रशांत कौशिक पीड़ित परिवार से बातचीत करने मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवार दोषियों के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज करने की मांग पर अड़ा है।

युवक का शव मिला

बीकानेर, (निसं)। सदर थाना पुलिस को मकान की पहली मंजिल पर एक व्यक्ति का शव मिला है, जिसके दो-तीन पुराना होने की आशंका जताई जा रही है। सादुल कॉलोनी में एक्स-रे वाली गली के पास विवेक सहल का मकान है। गुरुवार को पड़ोसियों को मकान से दुर्गंध आने लगी तो शक हुआ और सदर थाना पुलिस को फोन किया और पुलिस मौके पर पहुंची।

टोंक में मकान से 300 किलो नकली घी पकड़ा

- सरस, कृष्णा, लोटस, सहित विभिन्न ब्रांड के देसी घी के टीन जब्त किए

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस स्पेशल टीम एवं चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने संयुक्त कार्रवाई कर गुरुवार शाम को निवाई थाना क्षेत्र के एक मकान से विभिन्न ब्रांड के नकली घी का जखीरा पकड़ा है।

डीएसटी टीम ने बताया कि काली का बाग रोड निवाई में एक मकान पर छापामार कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में नकली घी पकड़ा बाद में जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर को बुलाया गया। इनमें सरस, कृष्णा, लोटस, सहित विभिन्न ब्रांड के देसी घी के टीन किए जब्त किए हैं, विभाग के अनुसार, 300 किलो नकली घी और 300 किलो पाम ऑयल जब्त किया गया है। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर ने बताया कि निवाई में मीठा लाल गुर्जर का मकान में घी का जखीरा मिला है, इसके साथ साथ सरस के पैकिंग मेटेरियल मिला है, जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कार्रवाई में लोटस के 14 टीन, सरस के 3 टीन, कृष्णा के आधा-आधा लीटर के 17 पैकेट, 1-1 लीटर के 17 पैकेट, पाम ऑयल के 10 टीन जप्त किये है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि यह घी बरवाड़ा से तैयार होकर यह सप्लाई होता था यहां सरस घी के रेपर भी मिले हैं, जो प्रारंभिक तौर पर यह नकली ही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी गुर्जर ने बताया कि इस मामले में नमूनों की जांच आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिला पुलिस स्पेशल टीम एवं चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने मकान में छापा मारकर नकली घी जब्त किया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIV. HINDAUN
File No. 4320-28 Date: 26/02/2026

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 13/2025-26) for "Construction and Development of Sports Stadium in Hindaun District Karauli" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 10.03.2026. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 126.05 lacs.
NIB NO.-PWD2526A5928
UBN NO. PWD2526WSOB24636
(Lalit Kumar Meena)
Executive Engineer
PWD Division Hindaun
DIPR/C/4614/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PHED DIVISION KARAULI
PH NO.-07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for transportation of water through tanker under Division Karauli are invited from interested bidders up to 09.03.2026 other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.
NIB CODE:-PHE2526A6919

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	169/2025-26	PHE2526WSOB14946	2	170/2025-26	PHE2526WSOB14947
01	Total work			02	
02	Total Estimate Cost			40.00 Lac	
03	Bid submission end date			09.03.2026 up to 12.00 PM	
04	Bid opening date			09.03.2026 at 04.00 PM	

(Vijay Kumar Meena) Executive Engineer
PHED Division Karauli
DIPR/C/4910/2026

Office of the G.K. Gowani Govt. College
Bhinmal, Dist.-Jalore (Raj)
E-mail:- gkggc66bhinmal@gmail.com Phone:-02969-220041
Letter N:- 206 Date:27-02-26

NOTICE INVITING BID

Bids for Verious Items is invited from interested bidders. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in and https://eproc.rajasthan.gov.in. The approximate value of the procurement is below-

S.N.	UBN	Bid Submit Date and Time	Amount
1.	ECD2526WSOB00529	27.02.2026 TO 10.03.2026 AT 10 AM	3.00 Lakh
2.	ECD2526WSOB00530	27.02.2026 TO 10.03.2026 AT 10 AM	1.20 Lakh
3.	ECD2526GLOB00531	27.02.2026 TO 10.03.2026 AT 10 AM	40.00 Lakh
4.	ECD2526GLOB00532	27.02.2026 TO 10.03.2026 AT 10 AM	24.00 Lakh

Principal
Govt. College Bhinmal
DIPR/C/4829/2026

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राज0 जयपुर (राईस) द्वारा संचालित
कार्यालय प्रधानाचार्य देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय देवलेन जिला करौली
ई-मेल-SHRAWANGARGSITAPUR@GMAIL.COM, Mob. 9166232666
क्रमांक-निविदा 2025-26/590 दिनांक- 27.02.2026

खुली निविदा सूचना संख्या- 09/2025-26

राजस्थान रेजिडेन्सियल एजुकेशन इन्सटीट्यूशनल सोसायटी (राईस) जयपुर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संचालित देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय, देवलेन जिला करौली में Rajasthan Transparency in Public Procurement Act 2012 तथा Rajasthan Transparency In Public Procurement Rule 2013 एवं मानव संसाधन की सेवाओं के उपापनों के संबंध में वित विभाग के आदेश कमांक एफ.2 (1) वित्त / एसपीएफसी/2017 जयपुर दिनांक 30.04.2018, 09.07.2021 एवं एफ2 (1)/एफडी/एसपीएफसी/2017 जयपुर दिनांक 14.11.2018 के तहत विविध मानव सेवा (चौकीदार, प्लम्बर व इलेक्ट्रिशियन, मैस कर्मी (हेड कुक, कुक), सफाईकर्मी, बागवान, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं प्रयोगशाला सेवक कार्य) की सेवाएं कार्यादेश जारी होने की दिनांक से एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर उपलब्ध करवाये जाने हेतु इच्छुक श्रम आपूर्ति कर्ताओं / स्वयं सहायता समूहों / संवेदकों से निम्नानुसार ई निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	जॉब बेसिस कार्य का नाम	स्वीकृत छात्रा संख्या	कार्मिकों की संख्या	अनुमानित राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रोसेसिंग राशि	अमानता राशि (2 प्रतिशत)
1	चौकीदार-4, प्लम्बर व इलेक्ट्रिशियन-1. मैस कर्मी (हेड कुक-1, कुक-4), सफाईकर्मी-3, बागवान-1. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी-3 एवं प्रयोगशाला सेवक-2	280	19	27 लाख	1000/-	500/-	54000/-
2	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डेटाशीट इत्यादि डाउनलोड करने की तिथि व समय					27.02.2026, 01 PM	
3	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि व समय					27.02.2026, 01 PM	
4	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डेटाशीट अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय					09.03.2026, 02 PM	
5	अमानता राशि, निविदा शुल्क, आर.आई.एस.एल. प्रकिया शुल्क एवं निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय					09.03.2026, 04 PM	
6	तकनीकि निविदा खोलने की तिथि व समय					10.03.2026, 11 AM	

ऑनलाइन बिडिंग के लिये निविदादाता का सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर होना आवश्यक है। निविदा दस्तावेज मय शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। तकनीकी निविदा उन्हीं निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निर्धारित दिनांक एवं समय तक निविदा प्रतिभूति राशि 54000/- रु. के डिमाण्ड ड्राफ्ट (Principal Devnarayan Govt. Girls Residential School Devien, Karauli के नाम) एवं निविदा प्रपत्र शुल्क राशि 1000/-रू के डिमाण्ड ड्राफ्ट / ई-ग्रास भुगतान चालान (Principal Devnarayan Govt. Girls Residential School Devlen, Karauli के नाम) तथा ई. निविदा प्रोसेसिंग प्रक्रिया शुल्क 500/-रू के डिमाण्ड ड्राफ्ट/ई-ग्रास भुगतान चालान Managing Director RISL jaipur (payable at jaipur) के नाम कार्यालय में बंद लिफाफे में डाक द्वारा अथवा व्यक्तिशः मूल जमा करवाये हो। तकनीकी/वित्तीय निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित हो जाने अथवा तकनीकी समस्या होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। उक्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्तारकर्ता को होगा। निविदा प्रपत्र में वांछित समस्त कॉलमो की पूर्ति अनिवार्य होगी। किसी भी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार उपापन समिति को होगा। निविदा प्रपत्र को वेबसाइट htpp://eproc.rajasthan.gov.in एवं htpp://sppp.rajsthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। इन निविदाओ में भाग लेने वाले संवेदकों को निविदा इलैक्ट्रोनिक फार्मेट में वेबसाइट htpp://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय एवं www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN NO. SOC2526SLOB00442
NIB-SOC2526A0411
प्रधानाचार्य
देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय
देवलेन, जिला करौली
DIPR/C/4735/2026

भट्टा बस्ती में जुमे की नमाज के दौरान ढही मस्जिद की दीवार, 15 नमाजी घायल हुए

छह लोगों की हालत गंभीर, घायलों को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के भट्टा बस्ती थाना इलाके में स्थित फिरदौस मस्जिद में शुक्रवार दोपहर जुमे की नमाज के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मस्जिद की एक दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से करीब पन्द्रह नमाजी घायल हो गए। हादसे के समय मस्जिद में सैकड़ों लोग मौजूद थे। दीवार गिरते ही मस्जिद परिसर में अफरा-तफरी मच गई और चीख-पुकार सुनाई देने लगी।

- **चीख-पुकार के बीच लोगों ने खुद शुरू किया रेस्क्यू, मलबे से लोगों को बाहर निकाला**
- **हादसे की सूचना पर भट्टा बस्ती पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया**

एडिशनल डीसीपी नॉर्थ बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 2:30 बजे जुमे की नमाज समाप्त होने के बाद कुछ नमाजी मस्जिद से बाहर निकल रहे थे, जबकि कुछ लोग वजूखाने के पास भीड़ कम होने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक दीवार का एक हिस्सा ढह गया और वहां खड़े लोग मलबे की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद नमाजियों और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और मलबा हटाकर घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को ई-रिक्शा, ट्राई साइकिल और अन्य वाहनों की मदद से तुरंत कांवटिया अस्पताल पहुंचाया गया। भीड़ अधिक होने के कारण राहत कार्य में कुछ देर तक मुश्किल भी आई, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी घायलों को जल्द अस्पताल पहुंचा दिया गया।

कांवटिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.एस. तंवर ने बताया कि कुल 15 घायलों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से 6 लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल रेफर किया गया, जबकि मामूली चोट वाले लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं गंभीर घायलों में रुस्तम (40), ईशान (34), खुर्शीद (25), सुहैल (25), इमाम जफर (20) और इकबाल (18) शामिल हैं।

एसएमएस अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. जगदीश मोदी ने बताया कि 11 घायलों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन मरीज आईसीयू में भर्ती हैं, जबकि आठ का इलाज मास कैजुअल्टी वार्ड में चल रहा है।

हादसे की सूचना मिलते ही भट्टा बस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार मस्जिद की दीवार का केवल एक हिस्सा गिरा है, जिससे बड़ा जानी नुकसान टल गया। प्रारंभिक जानकारी में दीवार के कमजोर होने और उस पर अचानक अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की तकनीकी जांच कर रही है और सुरक्षा के मद्देनजर मस्जिद के प्रभावित हिस्से की घेराबंदी कर दी गई है। साथ ही पुलिस ने पुरानी इमारत में सावधानी बरतने की अपील की।

इधर घटना की जानकारी मिलने पर विधायक अमीन कागजी, विधायक हाकम अली और असरार कुरैशी भी विधानसभा से सीधे एसएमएस अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

फिरदौस मस्जिद कमेटी से जुड़े लोगों का कहना है कि जुमे की नमाज के बाद अचानक बच्चे भागने लगे तो दीवार पर अतिरिक्त लोड पड़ गया व दीवार गिर गई। जहां दीवार गिरी है। उस जगह चप्पलें उतारी जाती हैं, लेकिन लोग नमाज पढ़कर निकल रहे थे तो उन पर दीवार गिर गई।

जयपुर शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी ने कहा कि ईश्वर का शुक्र है कि बड़ा हादसा नहीं हुआ। कुछ लोगों के चोट लगी, जिनका उपचार चल रहा है।

गौरतलब है कि जुमे की नमाज का इस्लाम में विशेष महत्व है। इसी के चलते जुमे की नमाज पर अन्य दिनों के मुकाबले भीड़ ज्यादा होती है।

भट्टा बस्ती इलाके में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद की दीवार ढहने से एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डेगाना में दरी पट्टियों की खरीद पर सदन में हंगामा

शिक्षा मंत्री ने विधानसभा में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को निलंबित करते हुए पूरे प्रकरण की जांच की घोषणा की

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कई मुद्दों पर तीखी बहस और हंगामा देखने को मिला। सबसे ज्यादा चर्चा डेगाना विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में दरी पट्टियों की खरीद को लेकर हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने तत्कालीन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को निलंबित करने के आदेश देते हुए पूरे प्रकरण की जांच कराने की घोषणा की। प्रश्नकाल के दौरान डेगाना से विधायक अजय सिंह किलक ने भेरूंडा क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों में दरी वितरण में अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां अधिक दरी की जरूरत थी, वहां कम दरियां खरीदी गईं और वितरण में भी गडबड़ी हुई।

किलक ने बताया कि वर्ष 2022-23 में विधायक कोष से 399 दरी पट्टियां वितरित करने का दावा किया गया था, लेकिन भेरूंडा सीबीईओ ब्लॉक में 171 दरियां दी जानी थीं, जबकि केवल 104 ही दी गईं। उन्होंने कहा कि करीब 5 लाख रुपए से अधिक कीमत की दरियां अब तक वितरित नहीं हुई हैं। इस संबंध में उन्होंने 17 दिसंबर 2022 का एक रिकॉर्ड पत्र भी सदन में पेश करने की बात कही, जिस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भेरूंडा के प्रधानाचार्य और स्टोर इंचार्ज के हस्ताक्षर हैं। विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि कई स्कूलों में जहां 200 से 300 छात्रों का नामांकन है, वहां केवल 10 15 फीट की एक दरी दी गई, जबकि कुछ ऐसे स्कूल भी हैं जहां नामांकन बहुत कम या शून्य है, वहां भी एक-एक दरी भेज दी गई। इस पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि दरी पट्टियों की खरीद में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं और इसमें भ्रष्टाचार की बू आ रही है। उन्होंने कहा कि यह मामला पिछली कांग्रेस सरकार के समय का है और उस दौरान सरकारी धन की लूट हुई है। मंत्री ने मामले की जांच के आदेश देते हुए तत्कालीन बीईओ को निलंबित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि करीब 35 लाख रुपए की दरियां खरीदी गई थीं। उस समय के विधायक की सिफारिश पर स्कूलों के लिए दरी पट्टियां देने की बात थी, लेकिन बाद में उनकी जगह फर्श खरीदे गए। रिकॉर्ड के अनुसार 288 फर्श स्कूलों तक पहुंचे, जबकि 171 फर्श का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। मदन दिलावर ने आरोप लगाया कि उस समय के विधायक विजयपाल मिर्धा के कार्यकाल में जिन शिक्षकों ने दरी लेने से मना किया, उनके तबादले तक करवा दिए गए थे। इस पर उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने सवाल उठाया कि यदि संबंधित व्यक्ति अब भाजपा में शामिल है तो क्या उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आई.ओ.आर.ए. इकोलोजिकल सोल्यूशन और कृषि विभाग के बीच सहमति बनी

जयपर (कासं)। कृषि विभाग और आईओआरए ईकोलोजिकल सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के मध्य राजस्थान में एग्रीकल्चरल लैंड मैनेजमेंट कार्बन प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए सहमति हुई। इस प्रकार की गतिविधियों में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में से एक है।

कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम 2023 के तहत् राजस्थान के किसानों को सुगमता से कार्बन फाइनेंस उपलब्ध कराने हेतु राज्य के चयनित ब्लॉकों में कार्बन उत्सर्जन को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जा रहा है। इनमें कोटपुतली-बहरोड़ का बानसुर ब्लॉक, दौसा का महुवा और टोंक का मालपुरा ब्लॉक शामिल है।

किसान पौधारोपण, सुक्ष्म सिंचाई, फार्म पौण्ड और सोलर पम्प जैसी कई कार्बन उत्सर्जन की गतिविधियां करता है। इन गतिविधियों से कृषकों को कुछ मात्रा में कार्बन फाइनेंस प्राप्त हो सकता है। इसे प्रदेश के तीन ब्लॉकों में प्रोबायो बेसिस पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है, जिसे जल्द ही पूरे राज्य में लागू किया जायेगा। जिससे कृषकों की आय में वृद्धि होगी।

कार्बन क्रेडिट जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए बनाया गया एक आर्थिक और पर्यावरणीय तंत्र है। इसका उद्देश्य वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों विशेष रूप से कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को नियंत्रित करना और कम करना है। दुनिया भर में औद्योगिकीकरण, परिवहन और ऊर्जा उत्पादन के कारण बड़ी मात्रा में कार्बन डाईआक्साइड वातावरण में उत्सर्जित होती है। यह गैस ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख कारण है। इसी समस्या के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्बन क्रेडिट प्रणाली शुरू की गई है इसके तहत् कम्पनियों और देशों को एक निश्चित सीमा तक कार्बन उत्सर्जन की अनुमति दी जाती है। यदि कोई संस्था निर्धारित सीमा से कम उत्सर्जन करती है तो उसे कार्बन क्रेडिट मिलते हैं जिन्हें वह अन्य कम्पनियों को बेच सकती है।

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने जान दी

जयपुर। करधनी थाना इलाके में स्थित कनकपुरा रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक युवक ने एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। लेकिन पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि युवक ने अचानक स्टेशन पर आ रही एक्सप्रेस ट्रेन के सामने छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्टेशन परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर करधनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से घटना के बारे में जानकारी भी जुटाई। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मृतक की पहचान और उसके परिजनों की जानकारी जुटाने के साथ ही पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

10 मार्च तक जारी रहेगी विधानसभा की कार्यवाही

- **संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस बार बजट सत्र में विधायकों को कोई गिफ्ट नहीं मिला, इसलिए सभी विधायकों को लैपटॉप या 5-7 लाख रुपए का कोई गिफ्ट दिलवाया जाए।**

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही अब 10 मार्च तक चलेगी। शुक्रवार को स्पीकर वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में हुई विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में आगामी दिनों का कार्यक्रम तय किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 7 और 8 मार्च को विधानसभा की छुट्टी रहेगी, जबकि 9 और 10 मार्च को महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा कर उन्हें पारित कराया जाएगा। 9 मार्च को सदन में राजस्थान पंचायतीराज संशोधन बिल-2026 और राजस्थान आयुर्वेद एवं योग चिकित्सा विश्वविद्यालय बिल-2026 पर चर्चा होगी और बहस के बाद इन्हें पारित कराया जाएगा। 10 मार्च को नगरपालिका संशोधन बिल-2026 और महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय बिल-2026 सदन में पेश किए जाएंगे और उन्हें पारित कराया जाएगा। बैठक के दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सभी विधायकों को 10 मार्च की शाम 6 बजे कॉफी टेबल बुक के विमोचन और डिनर के लिए आमंत्रित किया। यह कॉफी टेबल बुक स्पीकर के दो साल के कार्यकाल पर आधारित है, जिसका विमोचन राज्यपाल और मुख्यमंत्री करेंगे। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस बार बजट सत्र में विधायकों को कोई गिफ्ट नहीं मिला, इसलिए सभी विधायकों को लैपटॉप या 5-7 लाख रुपए का कोई गिफ्ट दिलवाया जाए।

सार-समाचार

450 विशेषज्ञों ने की बोन कैंसर पर चर्चा

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एवं इंडियन मस्क्यूलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईएमएसओएस 2026 - बीएमकॉन की शुरूआत शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हुई। इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के पहले दिन पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी और मेडिकल एवं रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विषय में वर्कशॉप आयोजित हुई। इनमें बोन कैंसर की सटीक पहचान और उपचार से जुड़े पहलुओं पर चर्चा हुई। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चैयरमैन डॉ प्रवीण गुप्ता ने बताया कि पहले दिन पैथोलॉजी और ओआरपी वर्कशॉप के साथ ही एमएसके ट्यूमर में एडजुवेंट थेरेपी सिंपोजियम (मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी में मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग, मैलिग्नेंट बोन और सॉफ्ट टिशू ट्यूमर, मैलिग्नेंट बोन और सॉफ्ट टिशू ट्यूमर विषयों पर दस सत्र आयोजित हुए। इन सत्रों में 40 से ज्यादा राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय विषेषज्ञों ने पेपर प्रजेंटेषन एवं सत्र में विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्ष किए। इन वर्कशॉप में देशभर से विषय विशेषज्ञों के साथ ही मेडिकल स्टूडेंट्स ने भी भाग लिया और ट्रेनिंग सेशन में कई नई नकनिकों के बारे में जानकारी ली। आईएमएसओएस के प्रेसिडेंट डॉ. आशीष गुलिया ने बताया कि इन तीन दिनों में विशेषज्ञों, सर्जन्स, ऑन्कोलॉजिस्ट्स एवं शोधकर्ताओं की ओर से हड्डी एवं सॉफ्ट टिश्यू कैंसर के नवीनतम उपचार, अनुसंधान, सर्जिकल तकनीकों पर गहन चर्चा की जा रही है। कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन इंटरनेशनल स्पीकर डॉ. रॉब पोलॉक (यूके), डॉ. फिलिप टी. फुनोविक्स (ऑस्ट्रिया), डॉ. विवेक अजीत सिंह (मलेशिया) और डॉ. गुरपाल सिंह (सिंगापुर) के साथ ही कई नेशनल स्पीकर के महत्वपूर्ण सेशन आयोजित होंगे।

सविता द्विवेदी की चित्र प्रदर्शनी आज से

जयपुर। उदयपुर की 87 वर्षीय आत्मदीक्षित चित्रकार सविता द्विवेदी जीजी के चित्रों की चार दिवसीय एकल प्रदर्शनी जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित होगी। हाल ही में उदयपुर में एकल प्रदर्शनी के बाद सविता द्विवेदी द्वारा सृजित विभिन्न विषयों पर आधारित चित्रों में प्रदेश के तीज त्यौहार, परंपराएं, लोक कहानियों के साथ जीवन के विभिन्न विषयों पर आधारित चित्रों से जयपुर के दर्शक रूबरू होंगे। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर इस प्रदर्शनी का उदघाटन 7 मार्च को शाम पांच बजे प्रदेश की लोक निर्माण, महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रोफेसर मंजू बाघमार द्वारा किया जायेगा। यह प्रदर्शनी आम जनता ओर कला प्रेमियों के अवलोकनार्थ दस मार्च तक नियमित सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक जयपुर के जवाहर कला केंद्र की सुकृति कला दीर्घा में लगायी जाएगी। ज्ञात रहे कि उदयपुर शहर की 87 वर्षीय सविता द्विवेदी, जिन्हें कला जगत में अब 'जीजी' के नाम से जाना जाता है। सविता द्विवेदी ने कोरोनाकाल के पहले लॉकडाउन से 83 वर्ष की उम्र में अपने जीवन में पहली बार पेन पेंसिल थाम कर चित्रकला की दुनिया में कदम रखा और अब उनकी कला का जादू लोगों के दिलों पर छा रहा है। अपनी उम्र के 83वें वर्ष से चित्रांकन शुरू कर अब तक लगभग 350 चित्रकृतियों बना चुकी है।

डाक अदालत का आयोजन 24 मार्च को

जयपुर। डाक से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए 24 मार्च सुबह 11 बजे मुख्य पोस्टमास्टर जनरल जयपुर, पोस्टमास्टर जनरल, अजमेर एवं जोधपुर कार्यालय में डाक अदालत का आयोजन होगा। डाक व रेल डाक सेवा में काउंटर सेवा, मनीआर्डर, मूल्य देय वस्तुएं, बचत बैंक, स्पीड पोस्ट, पार्सल एवं बीमाकृत वस्तुओं, डाक जीवन बीमा तथा विदेशी डाक सेवा से संबंधित शिकायत पूर्ण विवरण के साथ संबंधित पोस्टमास्टर जनरल को भेजे। शिकायत प्राप्ति की अंतिम तिथि 19 मार्च 2026 है। जयपुर क्षेत्र में निम्नलिखित जिले है। जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, करौली, सीकर एवं झुंझुनूं शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम

जयपुर। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाईज यूनियन जीएलओ शाखा महिला विंग, प्रधान कार्यालय जयपुर की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम एवं गेम्स का आयोजन किया गया। सहायक महामंत्री राजीव कुमार सारण ने बताया कि कार्यक्रम की थीम "गिव टू गेन" रही। मुकेश माथुर, महामंत्री एवं विशिष्ट अतिथि गीतिका पांडेय ने एआईआरएफ की भूतपूर्व अध्यक्षा स्व. मनीबेन कारा (पद्मश्री) के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में निष्ठा पुरी, डॉ. अंजू भारती, अंशुल सारस्वत, स्वाति चूलेट, डॉ. शैफाली अग्रवाल, सुदेश, नीतू सारण, सीमा जुनेजा, मीना पारवानी, विनीत मान (जोनल एजुकेटर), राजीव कुमार सारण (सहायक महामंत्री) एवं प्रेम नारायण (शाखा अध्यक्ष) उपस्थित थे।

देवनानी ने किया महिलाओं का सम्मान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को विधानसभा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित समारोह में राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया। उन्होंने प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने कहा कि नारी वह शक्ति है जिससे घर रोशन होता है, समाज मजबूत बनता है और राष्ट्र का गौरव बढ़ता है।

पतंजलि ट्रस्ट के प्रयासों से जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता

हरिद्वार / उत्तराखण्ड। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जनजातीय आदि ग्राम परियोजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड के 64 चयनित गांवों में जनजातीय समुदाय के स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वावलंबन एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए व्यापक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इस परियोजना का क्रियान्वयन पतंजलि दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट, हरिद्वार द्वारा किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में महिला पतंजलि योग समिति के सहयोग से ग्राम बनासखेड़ा में एक भव्य निःशुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय जनजातीय समुदाय के लोगों-विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों-ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग शिविर में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य पद्धितयों का अभ्यास कराया गया तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। योग प्रशिक्षकों ने बताया कि योग केवल रोगों से मुक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन को संतुलित, अनुशासित और ऊर्जावान बनाने का प्रभावी मार्ग है। इस अवसर पर योगऋषि स्वामी रामदेव महाराज ने अपने संदेश में कहा कि, योग भारत की प्राचीन एवं दिव्य जीवन पद्धित है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है। पतंजलि का संकल्प है कि योग का प्रकाश देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। आचार्य बालकृष्ण महाराज ने कहा कि जनजातीय समाज हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। ग्राम बनासखेड़ा में आयोजित यह योग शिविर जनजातीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन और स्वस्थ जीवनशैली के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तीन मंजिला कूलर फैक्ट्री में भीषण आग से अफरा-तफरी

- **दमकलकर्मियों ने समय रहते फैक्ट्री से 11 कमर्शियल सिलेंडर निकाल लिए। करीब 40 दमकलों ने 4 घंटे में आग पर काबू पाया।**
- **गनीमत रही कि समय रहते फैक्ट्री में सो रहे 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे जनहानि टल गई।**

जयपुर। बिंदायका इलाके में स्थित औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक प्लास्टिक कूलर बनाने वाली तीन मंजिला फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि उसका धुआं कई किलोमीटर दूर से ही नजर आने लगा। गनीमत रही कि समय रहते फैक्ट्री में सो रहे चार लोगों को जगाकर बाहर निकाल लिया गया, जिससे जनहानि टल गई। हालांकि, फैक्ट्री में रखा लाखों का माल जलकर खाक हो गया।

थानाधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि हादसा सुबह करीब आठ बजे हुआ, जब फैक्ट्री के भीतर करीब आधा दर्जन मजदूर सो रहे थे। आग की लपटें उठते देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया और सो रहे मजदूरों को समय रहते जगाकर बाहर निकाला। वहीं फैक्ट्री की तीसरी मंजिल पर 11 कमर्शियल गैस सिलेंडर रखे हुए थे। आग की लपटें सिलेंडरों तक पहुंचने से बड़े धमाके का खतरा बना हुआ था। जहां मौके पर मौजूद कांस्टेबल संदीप कुमार और अन्य साथियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उन सिलेंडरों को सुरक्षित बाहर निकाला। सिविल डिफेंस के कर्मचारियों ने भी मोर्चा संभाला और अन्य ज्वलनशील पदार्थों को हटाया ताकि आग और ज्यादा न फैले। सूचना मिलते ही बिंदायका, बगरू, झोटवाड़ा और मानसरोवर से दमकल की करीब 40 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए जयपुर से विशेष वाहन टीटीएल (टर्नटेबल लैडर) भी बुलाया गया, जिसकी मदद से ऊंचाई पर पहुंचकर पानी की बौछारें की गईं। सिविल डिफेंस के कर्मियों ने जान जोखिम में डालकर सभी 11 सिलेंडरों को सुरक्षित बाहर निकाला। थानाधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फैक्ट्री में भारी मात्रा में कमर्शियल सिलेंडर मिलने और सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी को लेकर जांच की जा रही है। एएफओ भंवर सिंह ने बताया कि फैक्ट्री के अंदर पहुंचना चुनौतीपूर्ण था। जिसके बाद दमकलकर्मियों ने जेसीबी की मदद से फैक्ट्री का पिछला हिस्सा तोड़कर रास्ता बनाया। करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत और निजी पानी के टैंकरों के सहयोग से आग पर काबू पाया जा सका। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया था। वहीं राहत कार्य के दौरान एक चौंकाने वाली बात सामने आई। फैक्ट्री में आग बुझाने के लिए लगाए गए कई फायर फाइटिंग उपकरण एक्सपायरी डेट के मिले।

फर्नीचर फैक्ट्री में भीषण आग से जला लाखों रु. का सामान

- **कालवाड़ रोड पर हाथोज स्थित नारायण सिटी की घटना**
- **तीन इलाकों की पुलिस ने संभाला मोर्चा, 20 से अधिक दमकलों ने बुझाई आग**

जयपुर। हाथोज इलाके में स्थित नारायण सिटी में गुरुवार देर रात एक फर्नीचर फैक्ट्री में अचानक से आग लग गई। जिसके बाद देर रात नारायण सिटी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल विभाग की 20 गाड़ियों की सहायता से आग पर काबू पाया। लेकिन जब तक फैक्ट्री में रखा सारा फर्नीचर आग की भेंट चढ़ गया।

पुलिस ने बताया कि हाथोज में स्थित नारायण सिटी, राधा-रानी वाटर पार्क के पास एक फर्नीचर की फैक्ट्री में अचानक से आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया। इस आग में फैक्ट्री में काम करने वाले करीब आधा दर्जन मजदूर फैक्ट्री के अंदर ही फंस गए। मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने समय रहते सभी मजदूरों, 13 से अधिक बच्चे व महिलाओं को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बताया जा रहा है कि आग लगने की सूचना पर मौके पर पहुंची खोरा बिसल थाना, कालवाड़ और करधनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आग के विकराल रुप को देखते हुए तुरंत फायर बिग्रेड को सूचना दी। जिसके बाद 20 दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन इससे पहले ही स्थानीय लोगों ने पानी डाल कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। जैसे ही आग पर पानी डाला गया तो आग ओर भडक गई। फर्नीचर फैक्ट्री के अंदर ज्वलनशील सामान और केमिकल रखा हुआ था। पानी डालते ही आग आग ओर फेल गई। लेकिन स्थानीय लोगों ने प्रशासन की मदद से फैक्ट्री के बाहर गेट पर रखा सारा फर्नीचर और गैस सिलेंडर को हटा दिया। जिसके चलते बड़ा हादसा होने से टल गया।

थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने फर्नीचर फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूर अंदर ही फंस गए। जिन्हे स्थानीय लोगों की मदद से फैक्ट्री का टीनशेड तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस फैक्ट्री का संचालन रिहायशी इलाके में बिना नाम और बोर्ड से किया जा रहा था। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

National Cereal Day: A Crunchy Celebration Of A Breakfast Classic

National Cereal Day (7 March) celebrates one of the most loved and convenient breakfast staples across generations. From comforting childhood favourites to high-fibre, protein-rich bowls, cereals have evolved to suit changing tastes and health needs. Easy to prepare and endlessly customisable with fruits, nuts or milk alternatives, cereal remains a go-to choice for busy mornings. The day also highlights mindful choices, reading labels, watching sugar content and opting for whole grains. Whether enjoyed for breakfast, as a snack or even dessert, cereal continues to hold a special place on our tables.

#IDENTITY

Who Am I?

I built bungalows, raised farmhouses, invested in ventures big and small, yet now, I find myself bound within four simple walls

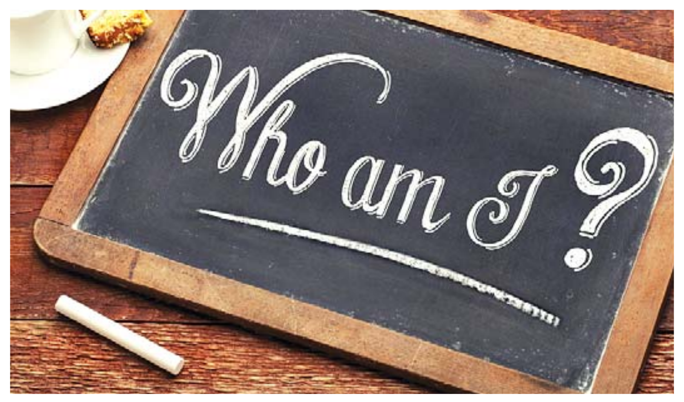

After retirement,
with no job,
no routine,
and a quiet house echoing
with silence…
I finally began to discover
my true self.

Who am I?

I built bungalows,
raised farmhouses,
invested in ventures
big and small,
yet now,
I find myself bound within
four simple walls.

From bicycle to moped,
bike to car,
I chased speed and style -
but now, I walk slowly,
alone, inside my room.

Nature smiled and asked,
"Who are you, dear friend?"
And I replied,
"I am... just me."

I've seen states, countries,
continents,
but today,
my journeys stretch
only from the drawing
room to the kitchen.

I learned about cultures and
traditions,
but now,
I simply long to understand
my own family.

Nature smiled again,
"Who are you, dear friend?"
And I said,
"I am... just me."

Once I celebrated birthdays,
engagements, weddings in
grand style -
but today, look forward to
having slept well and
feel hungry

Nature asked once more,
"Who are you, dear friend?"
And I answered,
"I am... just me."

Gold, silver, diamonds,
pearls-
sleep quietly in lockers.

Suits and blazers-
hang untouched in
wardrobes.

But now,
I live in soft cotton,
simple and free.

I once mastered English,
French, Hindi-
but now, I find comfort
in talking in my mother
tongue.

I travelled endlessly for work,
and now,
I reflect on those profits
and losses-
measured in memories.

I ran businesses,
nurtured a family,
built many connections,

but now,
my dearest companion
is the kind neighbour next
door.

I once followed every rule,
strived in education -
but now I finally see
what truly matters.

After all of life's highs and
lows,
in a quiet moment,
my soul whispered back to
me.

Enough now…
Get ready,
O Traveller…
It's time to prepare for the
final journey…

Nature smiled gently,
"Who are you, dear friend?"
And I replied:

"O Nature,
You are me…
And I am you.
Once I soared in
the skies,
Now I touch the earth
with grace.
Forgive me…
Give me one more chance to
live…
Not as a money-making
machine,
But as a true human being -
With values,
With family,
With love."

To all 'Seniors' out
there; wishing you love,
strength, and peace.

Members of the Sikh community pray at a gurdwara in Rosario de la Frontera, in the Argentine province of Salta.

Sikh women cook food at the Gurudwara Nanaksar in Rosario de la Frontera, in the Argentine province of Salta.

Argentina Turned Out To Be A Nightmare

In a letter dated February 13, 1911, the Argentine consul in Calcutta wrote to Foreign Secretary Henry McMahon, requesting that Argentina be added to the list of countries Indians were permitted to emigrate to. Promoting his country as a promising destination, the consul wrote, "It is because, with the aid of a kindly climate, and a fertile soil, the seed sown in our fields by the labourer gives a return of a thousand to one, and because domestic happiness and prosperity flourish under the aegis of an honest, wise and progressive government, which requires from its immigrants nothing except honesty and diligence."

● Bulbul Joshi

#OUT OF HOMELAND

In August 1912, Spanish co-workers attacked Sikh laborers working for the Argentine Hardwoods and Lands Company in Jujuy; one worker was shot, and the community faced ongoing hostility. Despite some possessing letters of recommendation from British officials in Punjab, Indian immigrants encountered discriminatory immigration policies designed to limit their entry. The story of this unhappy immigration saga begins much before in history. Immigration does happen to look for better life opportunities, that is true, but these Punjabi labourers were half hoodwinked, and half victims of Argentina's after thought. But Sikhs are a hardy and hard-working people, this is one of the best examples of their resilience, and commitment to life with hard work thrown in.

In the early 1900s, Argentina was among the wealthiest countries in the western hemisphere. Its economy was booming and, fuelled by foreign investment, its vast, fertile lands had made it a major exporter of livestock and agricultural produce. New industries sprang up, creating a demand for labour that European migrants alone could not meet.

Noticing how Indian workers were employed across the Caribbean, the authorities in Buenos Aires approached their representative in India to explore the possibility of encouraging migration from the subcontinent.

In a letter dated February 13, 1911, the Argentine consul in Calcutta wrote to Foreign Secretary Henry McMahon, requesting that Argentina be added to the list of countries Indians were permitted to emigrate to.

Vaisakhi in Salta, Argentina.

Sikhs in Argentina.

Promoting his country as a promising destination, the consul wrote, "It is because, with the aid of a kindly climate, and a fertile soil, the seed sown in our fields by the labourer gives a return of a thousand to one, and because domestic happiness and prosperity flourish under the aegis of an honest, wise and progressive government, which requires from its immigrants nothing except honesty and diligence."

With the letter, the consul enclosed a pamphlet outlining the 'laws and decrees' applicable to immigrants and investors.

The response in Calcutta was one of surprise. An internal memo noted that under the Indian Emigration Act of 1908, the very law cited by the diplomat, a colonial committee was needed to assess a destination's annual labour demand and the facilities it offered.

"But the Committee considered the case of British colonies only," the memo observed, adding that "it might be questioned by some whether the settlement of Indians in a foreign country is equally desirable." To deal with this unusual case, the memo said, approval from the Secretary of State in London would also be necessary.

The memo went further: "It may be added that the Government of India do not regard with favour any proposals for the extension of emigration to foreign countries. The objection is not so much on the score of obtaining good laws as of getting them well administered in the interests of the Indian immigrant." Suriname, where 'coolies' were said to be treated well, was listed as the only 'foreign' country suitable for Indian migration.

Calcutta informed the consul that the matter would have to be taken up between the British and Argentine governments, though this was hardly the end of the issue.

Dashed dreams

Despite official discouragement, word spread in Punjab of the abundant opportunities supposedly awaiting agricultural and industrial labourers in Argentina. Much like in the 21st century, families sold land and pooled resources to send young men on the long journey to South America.

But these emigrants arrived with little idea of the difficulties ahead. Whatever enthusiasm the consul in Calcutta had expressed, Argentina was neither ready nor particularly willing to receive Indian workers.

Soon, British authorities began receiving reports of Sikhs ending up destitute in the country. Many turned up at the British consulate seeking help with employment, shelter or a passage back home.

One such group approached the consul in June 1912. "It is worthy of note that these men became reduced to destitution in consequence of the refusal of the Argentine government to recognise their claims to free board and travel accorded in the country to all labourers in search of work," the consul wrote to the Indian foreign department. "The men appealed to the Consulate, but the difficulty of grappling with a large body of men branded as undesirables by the withdrawal of advantages offered in such alluring terms to all working hands irrespective of creed or nationality may be readily imagined."

The consulate, with support from the Salvation Army, created an Indian Relief Fund for these migrants who found themselves shunned by the authorities. In this instance, the consul secured jobs for the group with an Anglo-German sugar cultivation firm, later reporting 'satisfactory accounts' of their conduct. Hearing of another group of 60 Sikhs on their way to Argentina, he prepared to find them work as well, but urged the Indian government to discourage any further migration.

Those who did manage to navigate Argentina's discriminatory bureaucracy faced hostility from some European settlers. In August 1912, Sikh labourers working for the Argentine Hardwoods and Lands Company in Jujuy were attacked by Spanish co-workers. One Sikh was shot but survived. The attackers were arrested, and assurances given to the British consul, but racism remained a persistent challenge for Asians in the country.

Land of fortune

As complaints multiplied, the foreign department in India asked Punjab's authorities why Argentina had suddenly become a popular destination. In response, Punjab officials blamed a letter, purportedly written by one Carlos Pellegrini from Buenos Aires and published in The Tribune. The letter laid out, in "great detail", the supposed advantages of migration and encouraged Indians to come.

"Indians should come to Argentine Republic," Pellegrini wrote. "It is of no use of clerks who have been accustomed to comforts. Argentine Republic is known as peons' paradise. It is the farm labourers, agriculturalists and ordinary labourers that Argentina wants." He claimed the country could easily absorb another 100 million people and that there "would be plenty of land and food for all."

He insisted migrants could safely buy land and make a fortune. He also suggested there were many South Asians already in the country: "There is a considerable number of Cingalese jewellers here, who are doing good business. There are also a few Indian bazaars (opened by Sindhis of Hyderabad, Sind). These men, like the Marwarees, are very rich and doing good business in their own way by selling goods from three to four times their cost price including the duty and freight." A memo from a bureaucrat in the India Office in London noted that it "could not prohibit free immigration to Argentina or anywhere else." "We can warn intending immigrants," it said, "and this we have already done..." But as long as letters like Pellegrini's were published, it would be 'impossible' to restrain migration. Argentina did want immigrants, the memo said, but European ones, "not Asiatics, who are 'unwelcome guests.'"

Colonial records indicate that 750 Sikh men attempted to migrate to Argentina in the first half of 1912. In March, CR Watkins, protector of emigrants in Bombay, interviewed 301 men, all of whom were petty farmers from Ferozepur district hoping to make the journey.

"These men usually produce certificates of identity signed by or for the Deputy Commissioner, Ferozepur," Watkins wrote in a note. "...from enquiries (they) appear to be going at their own risk on the advice of their friends who have already gone; they usually have a sum of money, considerably in excess of the about required for their passage tickets and are willing to risk being prevented from landing in Buenos Aires."

Further investigation revealed that a recruiter from Lahore named Wali Mohammed as helping arrange the passage of the migrants. Many of them carried recommendation letters from British officials in Punjab, stating that they would make 'useful workers.' These officials said that they issued such letters only after checking with the Argentine consul in Calcutta, who, consistent with his earlier approach, assured them that Indian workers would be welcomed.

The Punjab authorities eventually stopped issuing these letters and tried to discourage further migration, but many men persisted. Some even attempted to reach Buenos Aires via Hong Kong and Shanghai. Argentina, however, remained unwelcoming.

Over the next few years, as grim reports returned to Punjab and disappointed migrants found their way home, the country lost its allure.

Those who stayed behind eventually assimilated into Argentine society while preserving their religious traditions. Today, the Sikh community in the country numbers around 300 and maintains a gurdwara in the province of Salta. Argentina's political instability and uneven economic fortunes have kept it from becoming a major destination for Indians seeking better prospects.

rajeshsharma1049@gmail.com

Gurudwara, Rosario de la Frontera, Argentina.

Sikh workers in Argentina.

#TRADITIONS

Some Weird Traditions

The Strange Side of History: Odd Facts You Probably Didn't Learn in School

History isn't just about wars, treaties, and royal successions, it's also filled with strange customs, bizarre traditions, and little-known facts that reveal just how different (and sometimes downright wild) life used to be. From the macabre to the artistic to the extravagant, here's a look at some of the most unusual and captivating historical facts you may have never heard before.

1. Victorian-Era Post-Mortem Photography: Smiling with the Dead

In the 17th through 19th centuries, especially during the Victorian era, it was common practice to take photographs with deceased loved ones. Known as post-mortem photography, these images were a way to memorialize the dead during a time when death was both more visible and more frequent due to disease and limited medical care.

The deceased were often posed to appear alive, sometimes seated with family members or propped up with the help of stands and wires. Eyes were painted onto closed eyelids, and in some cases, families dressed them in their best clothes. Though it may seem eerie today, these photos were cherished keepsakes, reminders of loved ones lost too soon.

2. Fox-Tossing: Europe's Forgotten Blood Sport

In 17th and 18th century Europe, the aristocracy indulged in a strange and brutal sport known as fox-tossing. In this event, live foxes (and occasionally other animals) were released into an enclosed arena, and participants, usually in pairs, would use slings to launch the animals into the air.

The goal was to toss the fox as high as possible, often resulting in injuries or death to the animals. Royal courts in Germany and Austria hosted lavish fox-tossing tournaments, turning cruelty into entertainment. Today, the sport is rightfully condemned, but it stands as a reminder of how much our understanding of animal rights has evolved.

3. Execution by Elephant: Justice in Asia's Past

In parts of South and Southeast Asia, particularly in India and Sri Lanka, elephants were once used as instruments of execution. These highly intelligent animals were trained to crush, dismember, or otherwise kill prisoners in public displays of power and justice.

Known as 'Gunga Rao' executions in some regions, these acts were not only a form of punishment but also a demonstration of the ruler's control over both man and beast. Sometimes, the executions were quick; other times, they were drawn out for maximum fear and spectacle. The practice lasted for centuries before colonial influence brought it to an end in the 19th century.

4. Augustus: The Richest Man in History

When it comes to wealth, few in modern times can hold a candle to Gaius Octavius, better known as Augustus Caesar, the first Emperor of Rome. At the height of his power, Augustus controlled an empire that made up 20-25% of the world's GDP, and much of that wealth was personally attributed to him.

According to some economic historians, his net worth in today's terms would exceed $4 trillion, making him arguably the wealthiest human to have ever lived. His fortune came not from personal business ventures, but from owning vast portions of Roman land and directly controlling the state's wealth.

5. When the Olympics Had Art Competitions

Today, the Olympic Games are all about physical prowess, but from 1912 to 1948, they also included competitions in the Fine Arts. That's right, painting, sculpture, architecture, literature, and music were once Olympic events.

The idea came from Pierre de Coubertin, founder of the modern Olympics, who believed in celebrating both body and mind. Medals were awarded for works that were inspired by sport, and some entries were judged alongside athletic events. Ultimately, the art contests were dropped due to concerns over professionalism and judging criteria, but for nearly four decades, artists stood on the same podiums as athletes.

History's Bizarre but True Moments

From photographing the dead to launching foxes into the air, from artistic Olympians to elephant-led executions, history is full of stories that defy belief, but are 100% real. These strange facts remind us that the past wasn't just different, it was often far more peculiar than we imagine. And sometimes, the oddest corners of history are the ones that teach us the most about human nature, culture, and change.

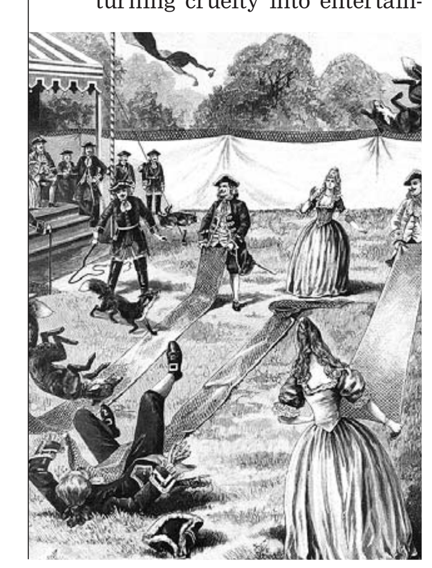

THE WALL

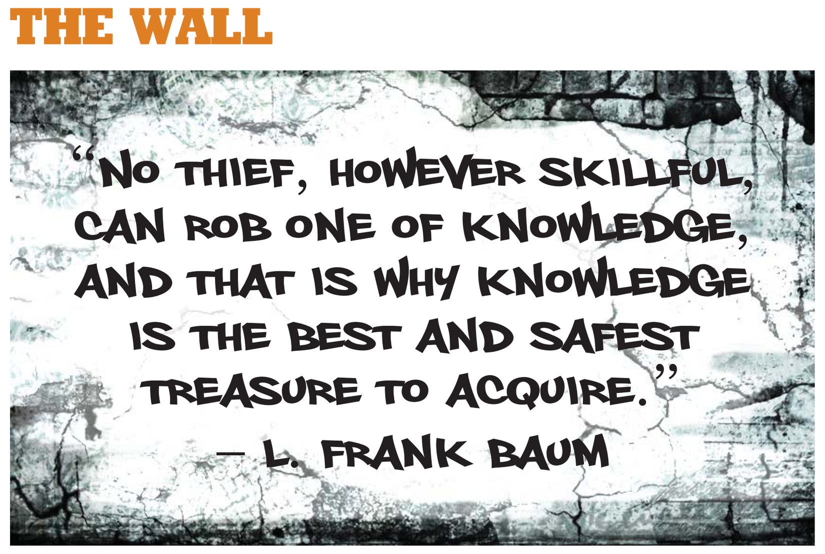

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

भरतपुर के इन्द्रा नगर में जलभराव के कारण कई मकानों में आई दरारें

लोगों को मकान गिरने का डर सता रहा है, आसपास के सभी नाले ब्लॉक हुए

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर नगर निगम के पूर्व मेयर अभिजीत के वार्ड इन्द्रा नगर के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। हीरादास कुंडा का पानी अब इंद्रा नगर कॉलोनी की तरफ बढ़ने लगा है, जिससे लोगों के मकानों में दरारें आने लगी हैं। फर्श चटकने लगे हैं। ऐसे लोगों को अब मकान गिरने का डर सता रहा है। स्थानीय निवासी कई बार अधिकारियों से इसकी शिकायत कर चुके हैं। उसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई है, जिसके बाद अब लोग आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं। साथ ही नगर निगम और बीडीए के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

स्थानीय निवासी कुंवर सिंह ने बताया कि इंद्रा नगर कॉलोनी में 25 से 30 साल पहले मकान बने थे। कॉलोनी के पास हीरादास का कुंडा है। कुंडा ओवरफ्लो हो गया है, जिसका पानी नालियों से कॉलोनी की तरफ आ रहा है। पानी मकानों तक आ गया है, जिसके कारण कॉलोनी के मकानों में दरारें आने लगी है।

भरतपुर के इन्द्रा नगर के लोग जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं।

स्थानीय लोग कई बार प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। अब जल्द से जल्द कुंडा के पानी को निकाला जाए, साथ ही नालियों की सफाई की जाए। जिससे कॉलोनी के लोगों के मकान सुरक्षित रह सके।

- **स्थानीय निवासी समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं, उसके बाद भी उनकी सुनवाई नहीं हुई है, जिसके बाद अब लोग आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे है**

लोगों ने बताया कि जलभराव के कारण मकानों में दरारें आ गई हैं। साथ ही मच्छरों का आतंक मचा हुआ है। लोग मलेरिया की बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं। प्रशासन हमारी सुनवाई नहीं करता। कुंडा में सेवर की तरफ से पानी आ रहा है। आसपास के नाले बंद पड़े हुए हैं। भरतपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी और नगर निगम कोई सुनवायी नहीं करती।

भारतीय सेना का गौरव सेनानी समारोह कल चूरू में

- **आयोजन का उद्देश्य जिले की सभी आठ तहसीलों से आने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं का सम्मान करना तथा उनसे संवाद स्थापित करना है**

जयपुर/चूरू। सप्त शक्ति कमान की रणबांकुरा डिवीजन द्वारा आठ मार्च को चूरू के साई स्पोर्ट्स स्टेडियम में गौरव सेनानी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य जिले की सभी आठ तहसीलों से आने वाले पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं का सम्मान करना तथा उनसे संवाद स्थापित करना है। इस रैली में 6000 से अधिक पूर्व सैनिकों के अभूतपूर्व संख्या में भाग लेने की संभावना है। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के लिए विभिन्न कल्याणकारी सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह तथा भारतीय सेना एवं नागरिक प्रशासन के अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति भारतीय सेना द्वारा अपने पूर्व सैनिक समुदाय की गरिमा और कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी।

वर्तमान के जिओ-पॉलिटिकल परिस्थितियाँ अत्यंत अनिश्चित और परिवर्तनशील हैं। विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि राष्ट्र की सुरक्षा के सभी आयामों में हम पूर्ण रूप से तैयार रहें। ऐसे परिदृश्यों में हमारे पूर्व सैनिक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राष्ट्र की सुरक्षा के द्वितीय एवं तृतीय सुरक्षा पंक्ति के रूप में दृढ़ता से खड़े रहते हैं। उनका अनुभव, क्षेत्रीय विशेषज्ञता और अटूट राष्ट्रभक्ति उन्हें राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर एक सशक्त शक्ति बनाती है। यह रैली पूर्व सैनिकों को पुनः राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण व्यक्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

पूर्व सैनिक रैली के माध्यम से भारतीय सेना अपने पूर्व सैनिकों के देशभक्ति पूर्ण योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक व्यापक कल्याणकारी व्यवस्था उपलब्ध कराएगी। इस दौरान स्पर्श पेंशन सेवाएँ, रिकॉर्ड कार्यालयों तथा सीडीए द्वारा सहायता और पेंशन तथा बैंकिंग संबंधी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। नागरिक प्रशासन के स्टॉल राजस्व एवं विधिक मामलों से संबंधित शिकायतों के समाधान, आधार सेवाएँ तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट आर्गेनाईजेशन, कॉर्पोरेट क्षेत्र और बैंकों के प्रतिनिधि पूर्व सैनिकों को सम्मानजनक पुनः रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहयोग करेंगे। रैली के दौरान एक व्यापक चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ परामर्श तथा विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पूर्व सैनिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से ई-स्कूटर, वॉकर, श्रवण यंत्र, मरीजों के लिए बेड तथा व्हीलचेयर जैसी सहायक सामग्री भी प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर आधुनिक सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन तथा एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, जो भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं, जज़्बे और युद्धक क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा। इस समारोह के दौरान पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं को राष्ट्र के प्रति उनके निःस्वार्थ योगदान के लिए सम्मानित भी किया जाएगा। गौरव सेनानी समारोह भारतीय सेना और उसके पूर्व सैनिकों के बीच अटूट संबंध को पुनः सुदृढ़ करेगा तथा उनके सम्मान, गरिमा और कल्याण के प्रति सेना की अड़िग प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करेगा।

प्रदेश में नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू करने की तैयारी

- **नए शिक्षा सत्र में बच्चों और शिक्षकों के अवकाश में भी कटौती की संभावना जताई**
- **शिक्षकों और बच्चों को 45 दिनों की जगह इस बार 36 दिन का ही अवकाश मिलेगा**

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू करने की तैयारी कर ली है। पिछले साल नया शिक्षा सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। नए शिक्षा सत्र में बच्चों और शिक्षकों के अवकाश में भी कटौती की संभावना जताई जा रही है। नए शिक्षा सत्र में ग्रीष्मावकाश 17 मई से 20 जून तक किए जाने की संभावना है। 21 जून को रविवार है। ऐसे में शिक्षकों और बच्चों को 45 दिनों की जगह इस बार 36 दिन का ही अवकाश मिलेगा। पिछले साल 17 मई से 30 जून तक ग्रीष्मावकाश निर्धारित किया गया था। नए शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए शिविरा पंचांग के प्रस्ताव शिक्षा निदेशालय की ओर से राज्य सरकार को भिजवा दिए गए हैं। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद शिक्षा निदेशालय की ओर से शिविरा पंचांग जारी किया जाएगा।

उधर, शिक्षक संगठनों का कहना है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश 45 से घटाकर 36 दिन किया जाना नियमों के विपरीत है। स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को 45 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश, 12 दिन मध्यावधि अवकाश और 14 दिन शीतकालीन अवकाश मिलता है। इसीलिए शिक्षकों को एक वर्ष में केवल 15 उपार्जित अवकाश दिए जाते हैं, जबकि अन्य कार्मिकों को 30 उपार्जित अवकाश मिलते हैं। 1 अप्रैल 2026 से राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में नया सत्र शुरू होने जा रहा है। इस संबंध में निदेशालय माध्यमिक ने सभी शिक्षक संघों को बुलाया है। 6 मार्च दोपहर 12.30 बजे शिक्षा संकुल जयपुर के सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई है। जिसमें प्रवेशोत्सव, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यालय व विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर चर्चा की जाएगी।

अलवर : उमरैण की 16 ग्राम पंचायतों पर 1.13 करोड़ का बिजली बिल बकाया

- **बकाया वसूली के लिए बिजली विभाग ने सख्ती शुरू की, पंचायतों में हलचल मची**

अलवर, (निसं)। उमरैण सहायक अभियंता कार्यालय के अधीन आने वाली पंचायत समिति क्षेत्र की 16 ग्राम पंचायतों पर करीब 1 करोड़ 13 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया है। बकाया वसूली के लिए बिजली विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है, जिससे पंचायतों में हलचल मच गई है।

एईएन कमलेश कुमार शर्मा ने बताया कि क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में पिछले कई सालों से बिजली बिल का भुगतान लंबित है। राज्य सरकार के निर्देश पर ग्राम विकास अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को नोटिस जारी कर जल्द बकाया राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर एकल बिंदू थ्री-फेज कनेक्शन और जल जीवन मिशन के तहत संचालित बोरवेल मोटरों पर बिजली बिल का बड़ा बकाया चल रहा है। विभाग ने चेतावनी दी है कि 20 से 25 मार्च तक भुगतान नहीं होने पर संबंधित गांवों की पानी सप्लाई की बिजली काट दी जाएगी और ट्रांसफार्मर भी उतार लिए जाएंगे।

विभाग के अनुसार तय समय में भुगतान नहीं होने पर ट्रांसफार्मर उतारकर विभागीय ऑफिस में जमा कराए जाएंगे और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद गांवों में पानी की किल्लत होने की स्थिति में जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों और ग्राम विकास अधिकारियों की मानी जाएगी। एईएन ने बताया कि सरकार हर साल ग्राम पंचायतों को बिजली बिल भुगतान के लिए बजट उपलब्ध कराती है। इसके बावजूद कई पंचायतों ने समय पर राशि जमा नहीं करवाई, जिससे बकाया लगातार बढ़ता गया।

अभियान के तहत जेईएन पूर्ण जांगिड़ ने बताया कि अब तक दो ग्राम पंचायतों ने करीब 10 लाख रुपए जमा करा दिए हैं। माधोगढ़ ग्राम पंचायत के सरपंच पेमाराम सैनी ने करीब 6 लाख रुपए और ढहलावास ग्राम पंचायत के सरपंच कमलेश गुर्जर ने करीब 4 लाख रुपए का भुगतान किया है। उन्होंने बताया कि बाकी पंचायतों से भी जल्द भुगतान कराने के लिए अभियान जारी है। तय समय तक बकाया जमा नहीं होने पर संबंधित पंचायतों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

हमले का आरोपी हिस्ट्रीशीटर व एक अन्य बदमाश गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए भीमगंजमंडी थाने का हिस्ट्रीशीटर मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी व आरोपी शुभम शर्मा उर्फ कन्नु बच्चा को गिरफ्तार किया है।

मामले में सामने आया कि फरियादी ने हमलावर मनोज के कलर का टीका लगा दिया था जिसको लेकर विवाद हो गया और हमलावर मनोज उर्फ जलेबी ने अपने साथियों के साथ मिलकर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया था। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 4 मार्च को परिवादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई, रिपोर्ट में कहा 3 मार्च को मुझे छोटी बाई का चौराहा डडवाड़ा में मनोज जलेबी मिल गया। धूलण्डी होने से मैंने कलर का टीका लगा दिया, जिससे मनोज जलेबी ने मेरे थप्पड़ मार दिया। रिपोर्ट में कहा कि उस समय तो मामला शांत हो गया, पर थोड़ी देर बाद दुकान पर सामान लेने गया तो मनोज जलेबी व उसके अन्य साथी मेरे को मारने आये और मनोज जलेबी व उसके साथियों ने रोक कर मारपीट की व उस पर तलवार से हमला किया। शहर एसपी ने कहा कि परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। घटना में हमलावरों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ. पूनम के सुपरविजन में भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने प्रकरण को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करते हुए डडवाडा निवासी मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी एवं शास्त्री कॉलोनी निवासी शुभम शर्मा को गिरफ्तार किया। शहर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में अभियुक्त ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि धूलण्डी पर्व पर अभियुक्त मनोज कुशवाह उर्फ जलेबी के कलर का टीका लगाने से अचानक कहासुनी हो गई जिससे अकस्मात झगड़ा हो गया।

टोल नाका हटाने की मांग को लेकर धरना जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर-श्रीगंगानगर स्टेट हाइवे पर स्थित 18 बीबी टोल नाके को हटाने की मांग को लेकर टोल संघर्ष समिति का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी है। गुरुवार को प्रशासन और संघर्ष समिति के बीच हुई वार्ता में सहमति नहीं बन पाई, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने हाइवे पर चक्काजाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रुक गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि टोल प्लाजा का निर्धारित समय पूरा हो चुका है, इसके बावजूद वसूली जारी है, इसलिए टोल बूथ को हटाने की मांग की जा रही है। मौके पर पुलिस का भारी जाब्ता तैनात है और वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। गुरुवार को प्रशासन और संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई, लेकिन इसमें कोई सहमति नहीं बन सकी।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। देर रात तक भी लोग सड़क पर ही धरने पर बैठे रहे। आंदोलन को ट्रक यूनियन ने भी समर्थन दिया है। यूनियन के सदस्य भी धरनास्थल पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े रहे और टोल नाके को हटाने की मांग का समर्थन किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रीकरणपुर सर्कल से पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया है।

उदयपुर में तीज मेले में दो गुटों हुआ विवाद, तलवारें चली

एक बच्चा तलवार की चपेट में आ गया और घायल हो गया

- **'मेला आयोजकों ने मेले के आयोजन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जिसके लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी'**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के झाड़ोल थाना क्षेत्र की मगवास पंचायत में तीज पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित मेले में गुरुवार शाम दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक गुट का युवक भागकर एक दुकान में घुसा जिसके पीछे दूसरे गुट का एक युवक तलवार लेकर दौड़ा और तलवार लहराने लगा। पास में खड़ा एक बच्चा तलवार की चपेट में आ गया और घायल हो गया। घटना गुरुवार शाम दह बजे की है, जिसके बाद मेला तुरंत बंद करवा दिया गया। घायल बच्चे को तत्काल उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। उसके पांच टांके आए हैं और हालत खतरे से बाहर है जिसे शुक्रवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

थानाधिकारी फेलीराम मीणा ने बताया कि जानकारी के अनुसार कमलनाथ रोड स्थित शंकरलाल पटेल की कपड़े की दुकान है। वह अपने 5 वर्षीय बेटे कार्तिक को साथ में लेकर दुकान पर बैठा हुआ था। उसी दुकान पर हमारा एक जवान भी बैठा था। इसी दौरान मेले में दो गुटों में आपस में झगड़ा हो गया। झगड़ते हुए उनमें से एक गुट का युवक दौड़ते हुए शंकरलाल की दुकान के अंदर घुस गया। तभी दूसरे पक्ष का युवक तलवार लेकर उसके पीछे दौड़ा और तलवार लहराने लगा। तभी पास में खड़ा शंकरलाल का बच्चा चपेट में आ गया। वहां मौजूद हमारे पुलिसकर्मी ने हमलावर को पकडने की कोशिश की लेकिन बदमाश भाग गया। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस को अभी तक घटना की रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन परिजनों से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा मेला आयोजकों ने मेले के आयोजन के लिए पूर्व अनुमति नहीं ली थी, जिसके लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इंटेक के विशेषज्ञों ने करौली की गिरवर सिंह विशाल सिंह हवेली का निरीक्षण किया

- **विशेषज्ञों ने इसे वास्तुशिल्प की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय संरचना बताते हुए इमारत के विभिन्न हिस्सों का सूक्ष्म अध्ययन किया**
- **इमारत के भीतरी भाग में दीवारों पर बने कलात्मक चित्र देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं**

जयपुर/करौली। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) के नई दिल्ली मुख्यालय से आए कंजर्वेशन आर्किटेक्ट और संरचनात्मक इंजीनियरों की टीम ने करौली की ऐतिहासिक धरोहर गिरवर सिंह-विशाल सिंह हवेली का स्थल निरीक्षण कर इसकी स्थापत्य एवं ऐतिहासिक विशेषताओं का अध्ययन किया।

इंटेक चैप्टर करौली के कन्वीनर और राजपरिवार के वर्तमान प्रमुख कृष्णचंद्र पाल के आग्रह पर इंटेक के स्ट्रक्चरल इंजीनियर बच्चू सिंह, कंजर्वेशन आर्किटेक्ट प्रभा चौधरी तथा स्थानीय विशेषज्ञ राव शिवराज पाल सिंह के तीन सदस्यीय दल ने हिंडौन दरवाजा के पास स्थित लगभग 300 वर्ष पुरानी इस ऐतिहासिक इमारत का गहन अवलोकन किया। विशेषज्ञों ने इसे वास्तुशिल्प की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण और अद्वितीय संरचना बताते हुए इमारत के विभिन्न हिस्सों का सूक्ष्म अध्ययन किया।

उल्लेखनीय है कि दो शताब्दी से अधिक पहले तत्कालीन करौली नरेश द्वारा निर्मित इस विशाल हवेली में लाल पत्थर के नक्काशीदार जालीदार झरोखे, कलात्मक शिल्पकारी युक्त छतरी, जिसमें पंचमुखी महादेव की संगमरमर की प्रतिमा नादिया के साथ स्थापित है तथा छतरी के चारों कोनों पर लाल पत्थर से निर्मित चार शेर इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। परिसर में भैरोंजी का मंदिर और कुछ प्राचीन भग्न प्रतिमाएँ भी विद्यमान हैं।

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज के नई दिल्ली मुख्यालय से आई इंजीनियरों की टीम ने करौली की गिरवर सिंह-विशाल सिंह हवेली का स्थल निरीक्षण किया।

इमारत के भीतरी भाग में दीवारों पर बने कलात्मक चित्र देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। विशेषज्ञ दल ने भवन की संरचनात्मक स्थिति का भी परीक्षण किया। उन्होंने बताया कि भवन संरचनात्मक रूप से कमजोर नहीं है, बल्कि नियमित देखरेख और उपयोग के अभाव में इसकी वर्तमान स्थिति खराब हुई है। भवन की मजबूती, क्षतिग्रस्त भागों के पुनरुद्धार तथा संरक्षण से संबंधित अपनी विस्तृत रिपोर्ट इंटैक दिल्ली मुख्यालय द्वारा शीघ्र ही जिला प्रशासन और राज्य सरकार को सौंपी जायेगी।

निरीक्षण के पश्चात विशेषज्ञों ने चैप्टर कन्वीनर कृष्णचंद्र पाल, पूर्व विधायक रोहिणी कुमारी तथा करौली चैप्टर के अन्य सदस्यों के साथ बैठक कर इमारत की धार्मिक, ऐतिहासिक और संरचनात्मक विशेषताओं व संभावित उपयोग पर चर्चा की। दल का मत था कि ऐतिहासिक और कलात्मक दृष्टि से समृद्ध ऐसे भवनों का संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान टीम ने गंगापुर मार्ग स्थित प्राचीन माँच की बावड़ी, हिंडौन गेट तथा शहर के परकोटे के कुछ हिस्सों का भी निरीक्षण किया और इन धरोहरों की वर्तमान दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि स्थानीय चैप्टर को जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष इन तथ्यों को रखते हुए इनके संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

चैप्टर के को-कन्वीनर राव शिवराज पाल सिंह ने विशेषज्ञों को करौली की अन्य रियासतकालीन ऐतिहासिक इमारतों की स्थिति से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पूर्व में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी स्थानीय चैप्टर के निवेदन पर धरोहर संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया था व करोड़ों रुपए की लागत से कई धरोहरों का जीर्णोद्धार कार्य करवाया था।

गौरतलब है कि देखरेख के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रही इस ऐतिहासिक इमारत को गिराकर पार्किंग बनाने के प्रशासनिक निर्णय का पूर्व विधायक रोहिणी देवी सहित अनेक विरासत प्रेमियों ने विरोध किया था, जिसके बाद जिला कलैक्टर ने भवन को गिराने की कार्रवाई स्थगित कर दी थी। इस अवसर पर इंटैक के सचिव गोविन्द सिंह सेंगर, पुष्पेन्द्र बंसल, राजेन्द्र दीवान तथा कृष्णावतार सिंह सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

अंबेडकर की मूर्ति खंडित की

अलवर, (निसं)। अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बड़ौदामेव थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा छोटा गांव में गुरुवार रात करीब 12 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित कर दिया। प्रारंभिक जांच में दो नाबालिगों पर शक है। वहीं दलित समाज में घटना के बाद से आक्रोश है। मौके पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब 12 बजे मूर्ति को तोड़ने की आवाज सुनाई दी तो आसपास के लोग आए। तब दो युवक भागते हुए दिखे। पता चला कि अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया गया है। उसके बाद पुलिस को बुलाया गया। अब सुबह से ग्रामीणों का विरोध जारी है। शुक्रवार सुबह लक्ष्मणगढ़ एसडीएम अर्चना भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने थाना अधिकारी मोहन सिंह गुर्जर के साथ ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। ग्रामीणों की मांग है कि खंडित मूर्ति को हटाकर उसकी जगह नई मूर्ति स्थापित की जाए। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि क्षतिग्रस्त मूर्ति को हटाकर उसी प्रकार की नई मूर्ति प्रशासन की ओर से लगवाई जाएगी।

सरपंच जयसिंह जाटव ने बताया कि दो नाबालिगों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित किया है। जिससे दलित समाज की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

कोटा में युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

- **धुलंडी के दिन शराब पीने की बात को लेकर हुये झगड़े में युवक की हत्या कर दी थी**

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के बुढादीत थाना इलाके में धुलंडी के दिन झगड़े में हुए युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए बुढादीत पुलिस टीम ने कार्रवाई कर हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बुढादीत थाना इलाके में 4 मार्च को हुए राकेश हत्याकांड के मामले का खुलासा करने के लिये पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश सरावग के सुपरविजन में बुढादीत थानाधिकारी दीप्ती रानी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। मामले में जुटी पुलिस टीम को हत्या के आरोपी सोनू गुर्जर के बारे में जानकारी मिली कि आरोपी कोटा बडोद होते हुए सुल्तानपुर की ओर जा रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी देदीयाहेड़ी निवासी सोनू गुर्जर (34) को उम्मेदपुरा नहर के पास कोटा रोड़ से डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी सोनू गुर्जर से पूछताछ के दौरान सामने आया कि मृतक व उसके बीच शराब पीने की बात को लेकर झगड़ा हुआ था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 4 मार्च धुलंडी के दिन फरियादी ने बुढादीत थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि उसका भाई राकेश धुलंडी पर रंग लगाकर घूम रहा था, बाद में पता चला कि उसका भाई राकेश पाली की पुलिया के पास पड़ा हुआ है, जाकर देखा तो उसका भाई खून से लथपथ पड़ा हुआ था। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि इलाके में स्थित शराब के ठेके के पास उसके भाई राकेश के साथ सोनू गुर्जर ने मारपीट की है जिससे उसके भाई का मौके पर काफी खून बह गया और उसके भाई राकेश की मौत हो गई है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई के लिये टीम का गठन किया गया, मौके पर एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाकर घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण कराया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले का खुलासा करने के लिये गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए देदीयाहेड़ी निवासी सोनू गुर्जर (34) को गिरफ्तार किया।

‘कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाये’

दौसा। भारतीय जनता पार्टी जिला दौसा की कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर की कार्यशाला में आज प्रदेश सह प्रभारी मनीष पारीक, दौसा संगठन प्रभारी सोमकांत शर्मा, सह प्रभारी रमेश सालेचा एवं भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने

■ **पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला कार्यशाला सम्पन्न**

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा सभी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।जिससे भाजपा कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को घर घर जाकर पहुँचा सके। पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ.रतन तिवाडी ने 1947 जनसंग से लेकर 2026 आज तक भाजपा संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भाजपा जिला संगठन प्रभारी सोमकांत शर्मा ने व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण, संगठन निर्माण से राष्ट्र निर्माण के बारे में विस्तार से बताया। प्रदेश सह प्रभारी मनीष पारीक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा सभी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण शिविर की कार्यशाला में भाग लेना चाहिए। जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल ने बताया कि इस अवसर दौसा जिला संगठन सहप्रभारी रमेश सालेचा, पूर्व ज़िलाध्यक्ष घनश्याम बालाहेडी, टीकम सिंह गुर्जर, प्रदेश प्रवक्ता रवि पालीवाल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य सिकंदर वाधवन, महावीर गुर्जर, जिला महामंत्री विपिन जैन, हरकेश मटलाना, लेखराज कसाना, सोमेश विजय सहित ज़िले के सभी मंडल अध्यक्ष जिला पदाधिकारी सहित अधिक संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी जिला दौसा के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ प्रदेश सह प्रभारी मनीष पारीक ने किया।

पार्क की बिगड़ रही है दशा

सांभरझील (निसं)। पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान पांच बत्ती चौराहा स्थित जिस सार्वजनिक नेहरू गार्डन को पूर्णतया डवलप कर जो लुक दिया गया था, लेकिन देखरेख के अभाव में विगत 2 दशकों से इसकी शोभा निरंतर बिगड़ती जा रही है।

आने वाले चेयरमैन इसकी शोभा को बरकरार रखने में पूरी तरह विफल साबित हुए। कारण बताए जा रहा है कि यह नेहरू गार्डन भी कथित भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया क्योंकि इन 2 दशकों में इस पर पर लाखों रुपए पानी की तरह बहाए गए लेकिन रूप सुधर सका और न ही अंदर की फुलवारी को बरकरार रख सके। बता दे की चार दिवारी की मरम्मत और रंग रोशन पर काफी पैसा खर्च हुआ और काम में भी लीपापोती होने से उसकी कई दफा परत तक उखड़ गई। दीवारों पर ऐतिहासिक स्थलों व महापुरुषों की चित्रकारी भी आज तक पूरी नहीं हो सकी।

पार्क में हरी दूब 80 प्रतिशत से अधिक नष्ट हो चुकी है। पार्क में सीमेंट की टूटी बेंच का मलबा पड़ा है। जिस स्थान पर बच्चे सुबह शाम खेलने आते हैं वहां पर कई दिनों से कचरे का ढेर पड़ा है। 20 सालों में पार्क के मध्य में सौंदर्य के लिए लगाया फवारा शो पीस बन चुका है।

8 मार्च को दिल्ली रामलीला मैदान में पहुंचने का आव्हान

सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों को दौराकर यूजीसी एक्ट को लेकर दिल्ली में 8 मार्च को आयोजित रैली में शामिल होने का आव्हान किया।

दौसा। सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को ग्रामीण क्षेत्रों को दौराकर यूजीसी एक्ट को लेकर दिल्ली में 8 मार्च को आयोजित रैली में शामिल होने का आव्हान किया।

■ **ब्राह्मण महासघ जिला सचिव कमलेश जोशी अचलपुरा ने बताया यूजीसी काले कानून के विरोध में 8 मार्च को दिल्ली रामलीला मैदान में ज्यादा से संख्या में पहुंचने की अपील की**

ब्राह्मण महासंघ जिला सचिव कमलेश जोशी अचलपुरा ने बताया यूजीसी काले कानून के विरोध में 8 मार्च को दिल्ली रामलीला मैदान मे ज्यादा से संख्या में पहुचने के लिए के लिए आहवान किया।

उन्होंने बताया कि यूजीसी जैसै काले कानून के विरोध मे पूरे देश व प्रदेश भर मे विरोध प्रदर्शन किये जा रहे है। सवर्ण समाज सडको पर उतर कर विरोध प्रदर्शन कर रहे, जिससे देश में गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। सरकार को यूजीसी जैसै काले कानून पर सुधार करने की जरूरत है जिससे देश मे माहौल खराब नही हो।

इस दौरान राजेन्द्र शर्मा, टप्पू अचलपुरा ने कहा कि जब तक यूजीसी जैसै काले वापिस नही किये जाते तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। घासी सिंह राजपूत उपसरपंच ने बताया कि यूजीसी जैसै काले कानून बहुत ही घातक है जो सवर्ण समाज के बच्चो के भविष्य के साथ खिलवाड है। उन्होने बताया कि आज तकरीबन एक दर्जन से अधिक ठाामीण क्षेत्रों को सघन दौराकर सवर्ण समाज से 8 मार्च को रामलीला मैदान में आयोजित रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आव्हान किया।

इस दौरान जितेन्द्र राजपुत, सुनील राजपुत, संदीप राजपुत, रमेश राजपुत, अर्जून सिंह राजपुत, दिनेश जोशी, कैलाश राजपुत आदि अनेक लोग मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम महमूद खान (Mahmood Khan) से बदलकर महमूद खान (Mahamood Khan) रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम महमूद खान (Mahamood Khan) पुत्र फत्तू खान के नाम से जाना जावे। निवासी-वार्ड नं.24ए मदीना कॉलोनी, नगर पालिका के पीछे, चौमूं, जयपुर, राजस्थान

मैंने अपना नाम सोनिया से बदलकर सुची गांधी रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम सुची गांधी पत्नी श्री कमल माहेश्वरी निवासी शांति नगर, दुर्गापुरा, रेलवे स्टेशन, जयपुर-302018 राजस्थान के नाम से जाना जाये।

मेरा नाम पुरुषोत्तम दास अग्रवाल से बदलकर पुरुषोत्तम अग्रवाल रख लिया है आज से मुझे इसी नाम से जाना जाए मेरी जन्म तिथि 11.0 8. 1958 की जगह 13.08. 1958 पढ़ा जावे पता ए 25/26 सुभाष नगर शॉपिंग सेंटर जयपुर राजस्थान

मेरी दसवीं की मार्कशीट में त्रुटिवस मेरा नाम कु. अंकिता पाण्डेय दर्ज हो गया है जबकि मेरे आधारकार्ड एवं समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम अंकिता पाण्डेय दर्ज है जो सही है अतः भविष्य में मुझे अंकिता पाण्डेय नाम से जाना जाए। पताः- 39 सरस्वती विहार, नांगल जैसा बोहरा, झोटवाड़ा, जयपुर

मैंने मेरा नाम अनिशा खान (Anisha Khan) से बदलकर अनिशा (Anisha) रख लिया है आगे से मुझे अनिशा के नाम से जाना जावे पता ए-160 संजय नगर भट्टा बस्ती के सामने, शास्त्री नगर, जयपुर

मै शैलेन्द्र सिंह तोमर पुत्र श्री अनंत सिंह निवासी 147 आदर्श पुरम पटरी रोड पोस्ट गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश हूँ। मेरे पुत्री कशिश तोमर के अंकसुचि में मेरी पत्नी का नाम संगीता तोमर दर्ज है, जो गलत है। सिविल दस्तावेजों के अनुसार मेरी पत्नी का वास्तविक नाम संगीता देवी है, जिनकी जन्मतिथि 30 जनवरी 1984 है।

मै बबीता बाई W/o आर्मी नंबर 15208670M हवलदार हरिसिंह कुम्भहार निवास स्थान मकान नंबर 743 वार्ड नं.- 10, ग्राम पोस्ट- अरनिया कलॉ, तहसील- काला पिपल, जिला- शाजापुर मध्य प्रदेश पिन नंबर 465333 मेरे पति के सर्विस रिकॉर्ड में मेरा (Babita Kumbhar) बबीता कुम्भहार गलत नाम दर्द है मेरे डॉक्यूमेंट, आधार कार्ड और पैन कार्ड में मेरा नाम बबीता बाई Babeeta Bai) है जो की सही और सत्य है। शपथ पत्र एवं नोटेरी दिनांक 27.02.2026 जिला न्यायालय जयपुर।

I have changed my name from Gourav Jain to Gaurav Jain. Therefore I will be known or distinguished in public by new name of Gaurav Jain, 1262 Acharyion Ka Rasta Kishanpole Bazar, Jaipur, Rajasthan-302003

I have changed my name from Darshana Rakesh Kumar Soni to Darshana Soni for all purpose in future. R/o A-27, Vivekanand Colony Naya Kheda Ambabari Jaipur.

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भरतपुर में फार्मेसी शिक्षा के जनक प्रो.श्रॉफ का जन्मदिवस मनाया

भरतपुर (निस)। श्री हरिदत्त कॉलेज ऑफ फार्मेसी में रेड रिबिन क्लब के तत्वाधान में फार्मेसी शिक्षा के जनक कहे जाने वाले प्रो. महादेव लाल श्रॉफ का जन्मदिवस निदेशक डॉ. आलोक शर्मा के मुख्य आतिथ्य में धूमधाम से मनाया।

■ **भारत में फार्मेसी को एक अकादमिक और पेशेवर विषय के रूप में स्थापित करने में प्रो. महादेव लाल श्रॉफ की भूमिका उल्लेखनीय रही**

इस अवसर पर डॉ. आलोक शर्मा ने बताया कि प्रोफेसर महादेव लाल श्रॉफ को ‘‘भारतीय फार्मेसी शिक्षा का जनक‘‘ माना जाता है। उन्होंने भारत में फार्मेसी को एक अकादमिक और पेशेवर विषय के रूप में स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाई।

उनका जन्म 6 मार्च को हुआ था, जिसे राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसके उपलक्ष्य में छात्र-छात्राओं के साथ केक काटकर जन्मदिवस मनाया। इस उपलक्ष्य में फार्मेसी के एच. ओ. डी. विनोद छारिया ने अपने विचार रखे और फार्मेसी के भविष्य पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगोली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फार्मेसी व आयुर्वेद विभाग के छात्र-छात्राओं के बीच में हुई दोहो, श्लोकों व चौपाइयों की अन्ताक्षरी रही।

इस अवसर पर प्राचार्य यशवन्त, डी सी सैनी, रविकान्त पाराशर, प्रमोद कुमार गुप्ता, नगेन्द्र सिंह, सन्दीप खण्डेलवाल, नन्दकिशोर अठावाल, करन कुमार, कृष्णवीर सिंह, पी.डी. शर्मा, त्रिलोक, ललित, राजपाल सिंह, सुनील लोधा, बनवारी धनगर, प्रतीक उपमन, विनोद अवस्थी, पूनम चौधरी, नेहा ओमर आदि गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। संचालन विनोद छारिया ने किया।

BBMS
Animal Husbandry College
A-10, New Ramgarh Road, Jaipur-2
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर (RAJUVAS)से संबद्धता प्राप्त
AHDP एनीमल हसबेंड्री डिप्लोमा में 12वीं पास जीव विज्ञान/कृषि से काउंसलिंग के पश्चात रिक्त रही स्टेट कोटे की सीटों पर प्रवेश प्राप्त करें।
ओरिजनल प्रमाण पत्र सहित दिनांक 12.03.2026 तक 10वीं, 12वीं मार्कशीट मूलनिवास, जाति, टी.सी., सी.सी. फोटो सहित आवेदन करें:- 8619105633

बीसलपुर पेयजल परियोजनाओं से गांवों को जोड़ने के काम में गति लाएं : कलेक्टर

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को ग्राम पंचायत पलेई में रात्रि चौपाल आयोजित की गई। रात्रि चौपाल में बीसलपुर पेयजल परियोजना से गांवों को जोड़ने, पलेई की ओर जाने वाली सड़क की मरम्मत, ग्राम पंचायत का रिकार्ड नगर पालिका निवाई को सुपुर्द करने, गौशाला बनवाने जैसी समस्याएं सामने आई, जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं का हल तत्काल एवं गुणवत्तापूर्ण करें। उन्होंने उपखंड अधिकारी प्रीति मीना को विभागों से समस्याओं के निस्तारण की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने संवेदनशीलता से ग्रामीणों की सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सुना, उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी राज्य सरकार की मंशानुसार आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान करें और पात्र लोगों को सरकार की फ्लैगशीप योजनाओं का लाभ प्रदान करें। उन्होंने बीसलपुर पेयजल परियोजना से पलेई गांव को जोड़े जाने की प्रगति को लेकर जलदाय विभाग के अभियंताओं से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए घर घर नल कलेक्शन के काम में गति लायें। साथ ही ग्राम पंचायत में खराब हैंडपंपो को शीघ्र दुरस्त कर रिपोर्ट एसडीएम को प्रस्तुत करें।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका किशनगढबास, खैरथल-तिजारा

क्रमांक:- 5401 दिनांक-04/03/2026

लोक सूचना
प्रारूप-10
नियम 6 (7) देखिए

आवेदक/खातेदार श्रीमती सरोज अग्रवाल पत्नि श्री प्रेम प्रकाश निवासी सेक्टर 01, रेवाड़ी तह0 व जिला रेवाड़ी राज्य आवेदक मरो प्रेम प्रकाश पुत्र श्री रामपत मल निवासी सेक्टर 01, रेवाड़ी तह0 व जिला रेवाड़ी राज्य हरियाणा, श्री नरेश कुमार पुत्र श्री जय दयाल निवासी साउथ सिटी 01, गुड़गाव तह0 व जिला गुड़गाव राज्य हरियाणा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिये आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात :-

जिले सहित तहसील का नाम-खैरथल, खैरथल-तिजारा, ग्राम का नाम-नूरनगर हल्का पटवार, खसरा नं.-877/858, 831/658, 830/658, 875/828, 879/827, 678, 873/829, क्षेत्र-2.8452 है (28452 वर्गमीटर)

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनो के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर-भीतर कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मोहर के अधीन आज को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी नगरपालिका किशनगढबास

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 17/2026

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि महन्त नरेशपुरी ने पंजीकृत प्रन्यास श्री बालाजी महाराज घाटा मेंहदीपुर ट्रस्ट, घाटा मेहन्दीपुर तहसील सिकराय जिला दौसा जिसका पंजीयन कमांक 243 जयपुर 1966 के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रपत्र 8 प्रस्तुत किया जिसमें उनके द्वारा प्रन्यास विधान में संशोधन कर संशोधित विधान व श्री जगदीश प्रसाद गोस्वामी, श्री जसवन्त कुमार गुप्ता, श्री नरेन्द्र कुमार पुरोहित, श्री ज्ञानचन्द जैन, श्री जुगल किशोर गुप्ता व श्री संजय बत्रा को नवीन प्रबंध समिति का सदस्य मनोनीत कर उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 5.3.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 10.4.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1555

चूंकि प्रार्थी श्री DR. PREM SURANA, 08 GAURAV NAGAR NEAR CM HOUSE CIVIL LINES JAIPUR 302006 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास POOJA SEVA SHIKSHA SAMITI JAIPUR, B 22 GANESH MARG BAPU NAGAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1554

चूंकि प्रार्थी श्री DR. PREM SURANA, 08 GAURAV NAGAR NEAR CM HOUSE CIVIL LINES JAIPUR 302006 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास UNIVERSITY OF TECHNOLOGY, FATEHPURA ROAD POST KUMAHARIYAWAS VATIKA JAIPUR RAJASTHAN 303903 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1666

चूंकि प्रार्थी श्री BHANUMATI, B-19, MATHUR VAISHYA NAGAR, NEAR SITABADI RAM MANDIR, TONK ROAD JAIPUR-302029 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास VISHVA NAMDEV SAMAJ SANGATHAN, B-19, MATHUR VAISHYA NAGAR, NEAR SITABADI RAM MANDIR, TONK ROAD JAIPUR - 302029 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 26.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 01.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1729

चूंकि प्रार्थी श्री शिव शंकर मंघनानी, 51/137, प्रताप नगर, सेक्टर-5 के पीछे, पूताप प्लाजा, सांगानेर, जयपुर 302033 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर समिति, F-17, RAJPUTANA TOWER B, KHATIPURA, JASWANT NAGAR, NEAR MARUDHAR HOSPITAL, JAIPUR 302012 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 04.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 13.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1433

चूंकि प्रार्थी श्री GIRIRAJ KUMAR SHARMA, 15/3, KISAN MARG, MANSINGHPURA, TONK ROAD, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास शिव सेवा मण्डल समिति 90/42, PATEL MARG, MANSAROVAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1706

चूंकि प्रार्थी श्री SIDDHARTH GUPTA, FLAT NO 603, GOLD TAMARA K.G. INFRA, CP-24, NEAR D-MART, VIVEKANAND NAGAR, ENGINEERING COLLEGE, KOTA, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास ओएसिस एजुकेशनल सोसायटी 91, JAI JAWAN COLONY II, OPPOSITE SANGHI FARM, TONK ROAD, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1689

चूंकि प्रार्थी श्री PRADEEP JOHARI, BEETLES INTERNATIONAL SCHOOL, SUMEL ROAD, PURANI CHUNGI, AGRA ROAD, JAIPUR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास मोती राज एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी C-10, BAL MARG, TILAK NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1719

चूंकि प्रार्थी श्री RAM BABOO GUPTA, 5/3 खंडेलवाल टावर विद्याधर नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री मधुकर स्मृति सेवा प्रन्यास B-19, NEW COLONY, JAIPUR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 05.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 14.05.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हरीश खत्री पुत्र रामलाल खत्री का प्लॉट नं. 13 ग्रीन वाटिका विहार Ist नीमड़ी रोड़ वाटिका जयपुर मे है जिसके मूल दस्तावेज मेरे से खो गये है जिसकी FIR भी करवा दी गई अगर किसी व्यक्ति को मिले तो मुझे सूचित करें अन्यथा मेरे द्वारा जारी करने वाली सोसाइटी बाबा आर एन गौड गृह निर्माण सहकारी समिति को डुप्लीकेट पट्टा जारी करने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया है सूचित रहे अगर किसी को कोई आपत्ति हो तो मुझे या सोसाइटी को 7 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें । **हरीश खत्री:- 8209185343**

खोया पाया

मेरे भूखण्ड सं. B1/306 जे.डी.ए. की ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड़ जयपुर का जे. डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र क्रमांक JDA/ZONE-13/2018/D-693 दिनांक 06.02.2018 कही गुम हो गया किसी व्यक्ति को मिले तो सम्पर्क अब्दुल वहीद कुरैशी 9314784899

नोटिस बनाम हर खास व आम

103/5.3.2026

न्यायालय अपर जिला एवम सैंशन न्यायाधीश क्रम संख्या 3, हिण्डौन सिटी जिला करौली राज.।

पीठीसीन अधिकारी श्री सुमरथ लाल मीना पप्पू लाल वगैरहा बनाम हरखास व आम प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भा.उ. अधि. नोटिस बनाम हर खास व आम

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीगण पप्पूलाल, राजूलाल, चेतराम पि. स्व. परसादी लालमधु पत्नि नरेश, ललित पुत्र नरेश जाति कोली निवासी सुखदेवपुरा हिण्डौन सिटी जिला करौली राज. ने इस न्यायालय में अपने पिता व ससुर व बाबा मृतक परसादीलाल पुत्र दुल्लीराम जाति कोली निवासी सुखदेवपुरा हिण्डौन सिटी जिला करौली राज. की मृत्यु दिनांक 29-11-2015 को मृत्यु हो जाने पर मृतक परसादी लाल के नाम एसबीआई बैंक हिण्डौन सिटी व बी बो बी बैंक शाखा हिण्डौन में जमा राशि एवम एफ डी आर की राशि 1180726.36 रूपया मय ब्याज लाभ परिलाभ को प्राप्त करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र करने हेतु आवेदन पेश किया है। लिहाजा जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या उज्र हो तो वह स्वंय असालतन या वकालतन इस न्यायालय में दिनांक 28.3.2026 को उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा एक पक्षी सुना जाकर मुकदमा का निस्तारण कर दिया जावेगा। यह नोटिस आज दिनांक 05.3.26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया। आज्ञा से - रीडर

न्यायालय अपर जिला एवम् सैशन न्यायाधीश, क्रम संख्या 2 हिण्डौन (मुहर) सिटी जिला करौली राज.।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के अध्याय-5 में किराए के पुनरीक्षण एवं बेदखली बाबत प्रार्थना पत्र न्यायालय किराया अधिकरण क्रम 2 जयपुर (राज.)

राजबिहारी विरूद्ध नर्गिस राठौड

अर्जी संख्या 390/2025

नाम नर्गिस राठौड पुत्री कोमल राठौड निवासनी 8-ए-1 जिंक पार्क मोती मगरी स्कीम, गिर्वा, शास्त्री सर्किल, उदयपुर हालनिवासी फ्लेट संख्या टी-1, थर्ड फ्लोर, प्लाट संख्या ई-26, न्यू लाईट कालोनी, टोंक रोड, जयपुर

प्रार्थी ने आपके विरुद्ध किराये के पुनरीक्षण/बेदखली के लिए राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत एक अर्जी प्रस्तुत की है जो पंजीयन कर ली गई है। आपको इस न्यायालय मे तारीख 19/3/26 (माह को 10.30 ए.एम. बजे उक्त अर्जी का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए चेतावनी दी जाती है। आप न्यायालय मे स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसको सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस अर्जी से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो के उत्तर दे सके या जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके।

आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप उक्त दिन या इससे पूर्व 30/45 दिन के भीतर अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य नोटिस की तामील होने की तारीख से दाखिल करें और उक्त तारीख पर या तामील होने के 30/45 दिन के भीतर ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति मे है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई को दावा का प्रतिदावा आधारित है। साथ ही यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति मे न हो, अपनी प्रतिरक्षा, मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते हो, आप ऐसे दस्तावेज उल्लिखित समय के मय उपाबद्ध की जाने वाली सूची मे प्रविष्ट करें।

आपको यह भी निर्देशित किया जाता है कि आप अपने प्रतिरक्षा के और जवाब के साथ उन सभी साक्षीगण के एवं स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत करें जो आपकी प्रतिरक्षा का समर्थन करते है तथा उन दस्तावेजो का और उस साक्ष्य का ब्यौरेवार वर्णन शपथ पत्र मे किया जावें। साथ ही जिन दस्तावेजो को न्यायालय मे प्रदर्शित कराना हो उन पर लाल स्याही से प्रदर्श डालकर प्रस्तुत करें और शपथ पत्र पर ए से बी, सी से डी हस्ताक्षर इत्यादि या लिखावट आदि जिसको भी प्रमाणित कराना है, का उल्लेख भी किया जावें।

आपको पुनः आगाह किया जाता है कि उक्त नोटिस की तामील होने के 30/45 दिन के भीतर आप अपना प्रतिरक्षा उपरोक्त प्रवास मे न्यायालय मे अंकित करें या उक्त तारीख पेशी पर प्रस्तुत कर दें। अन्यथा आपकी प्रतिरक्षा राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत समाप्त हो जायेगी।

आपको यह भी आगाह किया जाता है कि तारीख पेशी से पूर्व यदि आप द्वारा प्रतिरक्षा हेतु जवाब अर्जी शपथ पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते है तो न्यायालय मे प्रस्तुत करने से पूर्व प्रार्थी के अधिवक्ता श्री विष्णु शंकर भी को को उक्त प्रतिरक्षा की और जवाब दावा शपथ पत्रों की, दस्तावेजों व अन्य साक्ष्यों की प्रति उपलब्ध करा दें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मे उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति मे किया जाएगा।

नोटिस आज दिनांक 27.2.26 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मोहर अदालत — अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवम् महानगर मजिस्ट्रेट और किराया अधिकरण नम्बर 2 जयपुर प्रथम

विजय गृह निर्माण सहकारी समिति लि.

3. ग्रीन एवेन्यू, गजसिंहपुरा, जयपुर

सूचना

समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30.03.2026 को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक 3, ग्रीन एवेन्यू, गोपालपुरा बाईपास, गजसिंहपुरा पर आम रास्ता आयोजित की जानी है जिसमें (1) आडिटर नियुक्ति (2) आडिटरिपोर्ट 2021 से 2025 की अनुपालना रिपोर्ट एवं अन्य पर विचार किया जायेगा।

(अध्यक्ष) विजय गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर रजि. नं 2425/एल

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या लक्ष्मी कुमारी मीना पत्नी श्री राकेश कुमार मीना निवासी प्लाट नम्बर 104, माँ हिंगलाज नगर, गांधी पथ रोड़ वेस्ट लालरपुरा, नियर रोज स्वीट कैटरर्स, जयपुर, राजस्थान द्वारा श्री प्रवीण कुमार जैन पुत्र श्री एस बी जैन व श्री यश जैन, श्री दक्ष जैन पुत्रान् श्री प्रवीण जैन निवासीयान् फ्लैट नं. 1102, 11वा फ्लोर, इपीरीयल हाइटस, वैशाली एस्टेट, जिला जयपुर राजस्थान से उनके संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-327, योजना श्री कृष्णा वन, ग्राम श्रीरामपुरा वास, श्रीरामगोपालपुरा उर्फ भोज्यावास, तहसील सांगानेर, जयपुर राजस्थान मे स्थित सम्पत्ति जिसका कुल क्षेत्रफल 261.96 वर्गगज है मे से नोर्थ पार्ट जिसका कुल क्षेत्रफल 130.98 वर्गगज है को खरीद करने हेतु एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहती है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त सम्पत्ति के खरीद / बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी।

जयपुर (रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट
दिनांक-6.3.2026 मो.नं. 9829256466, डांगरथल हाउस, नाना जी का बाग, मोती डूंगरी रोड, फतेह टीबा मार्ग, जयपुर-302004

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या अंकिता मीना पत्नी श्री रिंकु कुमार मीना निवासी वार्ड नं.05 मीनो को मोहल्ला, वीपीओ डाबला, तह. नीम का थाना, सीकर, राजस्थान द्वारा श्री प्रवीण कुमार जैन पुत्र श्री एस बी जैन व श्री यश जैन, श्री दक्ष जैन पुत्रान् श्री प्रवीण जैन निवासीयान् फ्लैट नं. 1102, 11वा फ्लोर, इपीरीयल हाइटस, वैशाली एस्टेट, जिला जयपुर राजस्थान से उनके संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की सम्पत्ति प्लाट नम्बर ए-327, योजना श्री कृष्णा वन, ग्राम श्रीरामपुरा वास, श्रीरामगोपालपुरा उर्फ भोज्यावास, तहसील सांगानेर, जयपुर राजस्थान मे स्थित सम्पत्ति जिसका कुल क्षेत्रफल 261.96 वर्गगज है मे से साउथ पार्ट जिसका कुल क्षेत्रफल 130.98 वर्गगज है को खरीद करने हेतु एच.डी.एफ.सी. बैंक लि. से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहती है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त सम्पत्ति के खरीद / बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी

जयपुर (रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट
दिनांक-6.3.2026 मो.नं. 9829256466, डांगरथल हाउस, नाना जी का बाग, मोती डूंगरी रोड, फतेह टीबा मार्ग, जयपुर-302004

आम सूचना मै जयकिशन मिश्रा पुत्र श्री रामचन्द्र मिश्रा निवासी प्लॉट न. 1, लालकोठी, मुख्यालय के पिछे, पुरानी सब्जी मण्डी के पास, जयपुर राजस्थान मेरी माताजी श्रीमती कान्ता मिश्रा के नाम से एक प्लॉट नम्बर 1, लालकोठी, मुख्यालय के पिछे, पुरानी सब्जी मण्डी के पास, जयपुर राजस्थान में स्थित था यह कि मेरी माताजी का स्वर्गवास हो चुका है एवं रजिस्टर्ड वसीयत के अनुसार उक्त प्लॉट का में एक मात्र मालिक व स्वामी काबिज हूं। यह कि अब उक्त प्लॉट को मैने रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा किशन लाल पुत्र श्री गोपी राम निवासी रामपुरा, अराई, अजमेर राजस्थान को विक्रय कर दिया है। एवं उक्त प्लॉट का मालिकाना हक व अधिकार किशन लाल का है। कुछलोगो द्वारा उक्त प्लॉट के फर्जी सोसायटी पट्टे बनाकर बेचान करने की फिराक में है यह कि कोई भी व्यक्ति संस्था उक्त प्लॉट को क्य विक्रय करने के सम्बन्धी संव्यवहार करते है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी सूचित रहे।

जयकिशन मिश्रा, मो. 7426861193

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

आवश्यक सूचना

आवास संख्या 1 ख 5, सी.ई.बी. योजना, अलवर जो कि मूलतः श्री जगदीश प्रसाद विजय पुत्र श्री मूलचन्द विजय को आवंटन पत्रांक 15817 दिनांक 23.12.1975 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 3648 दिनांक 29.01.1991 को श्री जगदीश प्रसाद विजय के पक्ष में जारी कर दिया गया था। इनके बेचान उपरान्त मण्डल द्वारा आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 45 दिनांक 11.05.2000 को डा. मनमोहन लाल शर्मा पुत्र श्री जीवन दास शर्मा के पक्ष में जारी कर दिया गया। डा. मनमोहन लाल शर्मा द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 23.10.2000 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। डा. मनमोहन लाल शर्मा द्वारा उक्त आवास जर्ये पंजीकृत दानपत्र (गिफ्टडीड) दिनांक 28.08.2002 को श्रीमती मीनाक्षी शर्मा पति श्री मनोज कुमार शर्मा के पक्ष में कर दिया गया। मण्डल द्वारा आवास का नाम लीज हस्तांतरण कार्यालय आदेश क्रमांक 832 दिनांक 15.09.2025 को श्रीमती मीनाक्षी शर्मा के नाम जारी कर दिया गया। श्रीमती मीनाक्षी शर्मा द्वारा उक्त आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 22.12.2025 को श्री कल्याण सहाय गुप्ता पुत्र श्री रामप्रताप एवं श्री बृजेश गुप्ता पुत्र श्री कल्याण सहाय गुप्ता को संयुक्त रूप से कर दिया गया। श्री कल्याण सहाय गुप्ता व श्री बृजेश गुप्ता द्वारा उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार संयुक्त नाम से लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु आवश्यक प्रपत्र एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 1 ख 5, सी. ई. बी. योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उक्त एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री कल्याण सहाय गुप्ता पुत्र श्री रामप्रताप एवं श्री बृजेश गुप्ता पुत्र श्री कल्याण सहाय गुप्ता के पक्ष में संयुक्त नाम से आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय ADJ No.2 Jaipur Metro-1

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरुद्ध श्रीमती अंजली कटियार

वाद-बाबत वसुली वाद सं.30/2024

बनाम : -1)श्रीमती अंजली कटियार पत्नि कृष्ण कॉन्त कटियार , पता:- फ्लैट नं. 222 प्लॉट नं. 41/42 श्याम कुंज विश्व नगर, न्यू सांगानेर जयपुर राज.302019

वादी ने आपके विरुद्ध वाद बाबत वसूली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में दिनांक 16.03.2026 को दिन में 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सभी प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा,या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर ,चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हों, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 10 माह 02 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

(मुहर) अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश कम-02,जयपुर महानगर -प्रथम

कार्यालय नगर परिषद् कोटपूतली (कोटपूतली-बहरोड़)

Email id : kotputliulb.jaipur@yahoo.com

क्रमांक न.प.कोट/स्टोर/2026/476 दिनांकः- 26.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 2026-27:-04

नगरपरिषद कोटपूतली की ओर से निमंलिखित कार्य के लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदा website www.sppp.raj.in/eproc.rajasthan.gov.in से download कर देखी / प्राप्त की जा सकती है RTPP एक्ट की नियम और शर्त लागु होंगी जिसके **NIB Code** व **UBN No.** इस प्रकार है

S.NO	WORK S.NO.	SPPP UBN	NIB NO.
1.	01	DLB2526WSOB36573	DLB2526B2319

राज.संवाद/सी/25/21839 — आयुक्त नगरपरिषद् कोटपूतली

कार्यालय नगर परिषद् कोटपूतली (कोटपूतली-बहरोड़)

Email id : kotputliulb.jaipur@yahoo.com

क्रमांक न.प.कोट/स्टोर/2026/460 दिनांकः- 26.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 2026-27:-01

नगरपरिषद कोटपूतली की ओर से निमंलिखित कार्य के लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है निविदा website www.sppp.raj.in/eproc.rajasthan.gov.in से download कर देखी / प्राप्त की जा सकती है RTPP एक्ट की नियम और शर्त लागु होंगी जिसके **NIB Code** व **UBN No.** इस प्रकार है

S.NO	WORK S.NO.	SPPP UBN	NIB NO.
1.	01	DLB2526GSOB36556	DLB2526B2315
2.	02	DLB2526GSOB36558	DLB2526B2315
3.	03	DLB2526SSOB36563	DLB2526B2315
4.	04	DLB2526WSOB36552	DLB2526B2315
5.	05	DLB2526WSOB36559	DLB2526B2315

राज.संवाद/सी/25/21842 — आयुक्त, नगरपरिषद् कोटपूतली

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(सामुदायिक भवन, तारा नगर डी, खिरणी फाटक रोड, जयपुर)

क्रमांक :- जसअ/2025/523 दिनांक: 27.02.2026

निविदा सूचना सं.- 16 से 19/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयंपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (झोटवाडा जोन) से सम्बन्धित विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जा रही है। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण दिनांक 27.02.2026 09.00 A.M. से नगर निगम, जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http;//sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है व अपलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का **Unique Bid Number (UBN) JMC2526WSOB02898 to JMC2526WSOB02901** है।

राज.संवाद/सी/25/21843 — अधिशाषी अभियंता (वैशाली नगर जोन) नगर निगम, जयपुर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल पोकरण जिला जैसलमेर (राज.)

क्रमांक/न.पा.पो./भूमि/26/5782

आपत्ति-आमंत्रण सूचना

दिनांक :- 05/03/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदकों द्वारा अपने भूखण्ड से संबंधित चेनल दस्तावेज मय ब्लू प्रिंट नक्शा मय शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगर पालिका में आवासीय से वाणिज्यिक में भु उपयोग परिवर्तन हेतु आवेदन पेश किया है उस पर किसी को उजर/एतराज हो तो आपत्ति सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस के अंदर म्याद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में अपनी आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावें। बाद म्याद आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे :-

क्र. सं	आवेदक का नाम मय पिता/पति का नाम	स्थान	क्षेत्रफल	उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	चाहा गया भू-उपयोग परिवर्तन
1.	रश्मि / नवीन कुमार	2909/945 भूखण्ड सं 08 विष्णु नगर	2250 वर्गफिट	भूखण्ड स 13	जैसलमेर - सडक	भूखण्ड सं 9	भूखण्ड सं 7	आवासीय से वाणिज्यिक
2	रविन्द्रपालसिंह/गोपालसिंह	ठा. स्व. श्री विरेन्द्रसिंह कॉलोनी भूखण्ड सं 175	2400 वर्गफिट	रामदेवरा जाने वाली डामर सडक	भूखण्ड सं 193	भूखण्ड स 174	भूखण्ड सं 176	आवासीय से वाणिज्यिक
3.	इचरज कंवर / गोपालसिंह	ठा. स्व. श्री विरेन्द्रसिह कॉलोनी भूखण्ड सं 176	2400 वर्गफिट	रामदेवरा जाने वाली डामर सडक	भूखण्ड सं. 194	भूखण्ड स 175	भूखण्ड सं 177	आवासीय से वाणिज्यिक
4.	लोकेन्द्रपालसिंह / गोपालसिंह	ठा. स्व. श्री विरेन्द्रसिंह कॉलोनी भूखण्ड सं 177	2400 वर्गफिट	रामदेवरा जाने वाली डामर सडक	भूखण्ड सं. 195	भूखण्ड स 176	भूखण्ड सं 178	आवासीय से वाणिज्यिक
5.	अनिल कुमार गुप्ता / सुरजीत कुमार	भूखण्ड स 96 जोधनगर	1875 वर्गफिट	30 फिट का रास्ता	भूखण्ड सं 110	भूखण्ड स 95	भूखण्ड सं 97	आवासीय से वाणिज्यिक

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण

सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

अतिरिक्त जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भरतपुर (निस)। जिलाध्यक्ष एन.एस.यू.आई हरजीत सिंह सांखला के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर अति. जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा व मुख्यमंत्री ओ.एस.डी. को भी ज्ञापन सौंपा, प्रदेश सरकारी विद्यालयों के

- **लगातार भवन छत गिरने से नौनिहाल विद्यार्थियों का जीवन किसी अनहोनी दुर्घटना की संभावना से भरा रहता है**

लगातार भवन छत गिरने से नौनिहाल विद्यार्थियों का जीवन किसी अनहोनी दुर्घटना की संभावना से भरा रहता है।

अभी झालावाड दुखांतिका के सदमें से प्रदेश उभरा नहीं था तब तक आपके गृह जिले भरतपुर में गत शनिवार को सेवर ब्लॉक के नगला भगत में इंग्लिश मीडियम के सरकारी विद्यालय की छत भरभराकर गिर पडी, गनीमत रही कि समय रहते बच्चों को बाहर निकाल लिया गया और जनहानि होने से बच गयी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। मुख्यमंत्री आज स्थिति यह हो गई है कि माता-पिता अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजने से कतराने लगे हैं। किसी न किसी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। आदरणीय मुख्यमंत्री हम आपसे मांग करते हैं कि भरतपुर जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में नवीन बिल्डिंग बनवाई जायें। साथ ही इन हादसा में जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्यवाही की जाये। भरतपुर जिले में विद्यालयों का विशेष सर्वे कराकर नई बिल्डिंग बनवाकर नौनिहाल बच्चों का जीवन संभारने का कार्य करें।

एनएसयूआई मांग करती है कि भरतपुर शहर के जितने भी विद्यालय, कॉलेज हैं जिनका सर्वे कराकर जांच करवाई जाये तथा उच्चाधिकारियों की कमेटी बिठाई जाये।

जिलाध्यक्ष एन.एस.यू.आई हरजीत सिंह सांखला के नेतृत्व में छात्रों ने अति. जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंप कर सरकार की ओर से जर्जर भवनों की मरम्मत कराने की मांग की।

कृषि में डिजिटल नवाचार पर जोर

भरतपुर (निस)। भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर में कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन विषय पर आयोजित पोस्ट बजट वेबिनार का सीधा प्रसारण किया गया।

इस अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीने राष्ट्र को संबोधित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहानभी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नेस्वस्थ जीवन के लिए जैविक आहार (ऑर्गेनिक डाइट)को अपनाने पर विशेष बल दिया। वेबिनार के दौरान कृषि क्षेत्र में डिजिटल नवाचारों और ग्रामीण विकास से जुडे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से 'भारत विस्तार', नारियल प्रोत्साहन योजना, राष्ट्रीय काजू एवं कोको विकास कार्यक्रम, तथा ड्राई फ्रूट्स एवं चंदन के विकास की भावी रणनीतियाँ प्रमुख रहीं।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. वी.वी. सिंहने बताया कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न उद्यिमता विकास कार्यक्रमों तथा मूल्य संवर्धन गतिविधियोंके माध्यम से किसान उत्पादक संगठनों को विशेष लाभ मिल सकता है। कार्यक्रम में डॉ. पी.डी. मीणा, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, पादप संरक्षण इकाई, डॉ. आर.एस. जाट, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन इकाई, सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त आसपास के विभिन्न गांवों से जुडे किसानों ने भी वेबिनार में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालनडॉ. राज कुमार योगी, वरिष्ठ वैज्ञानिकने किया।

विराटनगर क्षेत्र की बेटी दीप्ति वर्मा का भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन

पावटा/जयपुर । विराटनगर तहसील के गांव तेवड़ी की होनहार बेटी दीप्ति वर्मा पुत्री दौलतराम बुनकर ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में 876वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र, समाज और परिवार का नाम रोशन किया है। दीप्ति की इस उपलब्धि से पूरे इलाके में खुशी और गर्व का माहौल है। दीप्ति वर्मा के पिता दौलतराम बुनकर शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्य के पद से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनकी माता माया देवी गृहिणी हैं। साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली दीप्ति ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से यूपीएससी को पास कर बड़ी सफलता प्राप्त की है। दीप्ति वर्मा का परिवार वर्तमान जयपुर के न्यू लोहा मंडी में रहता है।

- **दीप्ति वर्मा ने यूपीएससी में हासिल की 876वीं रैंक**
- **बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही दीप्ति ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत की**

दीप्ति वर्मा के माता-पिता ने बताया जा रहा है कि दीप्ति वर्मा चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही दीप्ति ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत की। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी दिल्ली में रहकर की और कड़ी मेहनत के बाद यह महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया। वर्तमान में दीप्ति वर्मा अपने परिवार के साथ जयपुर में निवास कर रही हैं। उनकी सफलता की खबर मिलते ही गांव तेवड़ी, पूरे विराटनगर क्षेत्र और जयुपर में खुशी की लहर दौड़ गई। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलदीप धनकड़, जयपुर के मेहता स्कूल के निदेशक रामबाबू मेहता, जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों, समाज के लोगों और शुभचिंतकों ने दीप्ति व उनके परिवार को बधाई देते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरव की बात बताया। दीप्ति वर्मा ने अपनी इस बड़ी उपलब्धि का श्रेय जगतगुरु संत रामपाल महाराज के अनमोल ज्ञान और आशीर्वाद को देते हुए कहा कि उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग से ही उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि दीप्ति वर्मा की सफलता से ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को भी बड़ी प्रेरणा मिलेगी और वे भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने सपनों को साकार करेंगी। दीप्ति की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे विराटनगर क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है।

दीप्ति वर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम तेवड़ी के सरकारी विद्यालय से शुरु की। इसके बाद 12वीं कक्षा जयपुर के हरमाड़ा के मेहता पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल से उत्तीर्ण की। इसके बाद स्नातक जयपुर के महारानी कॉलेज से उत्तीर्ण की और यूपीएस की तैयारी दिल्ली से की। दीप्ति वर्मा ने एक छात्रा रहते हुये यूपीएससी की तैयारी की और सफलता प्राप्त की और अपने परिवार व समाज का नाम रोशन किया।

विराटनगर तहसील के गांव तेवड़ी की होनहार बेटी दीप्ति वर्मा ।

रामाश्रय वार्ड शुरु

टोंक । मुख्यालय स्थित सआदत जिला हॉस्पिटल में शुक्रवार को रामाश्रय वार्ड का आगाज हुआ, इस दौरान वार्ड में 60 साल से अधिक उम्र के मरीजों को एक ही छत के नीचे ओपीडी, स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स के परामर्श, फ्री जांच और दवा मिलेगी। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने बुजुर्ग मरीजों को समर्पित रामाश्रय वार्ड का शुभारंभ किया।

इस दौरान चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि कैंप के जरिए 60 साल से अधिक उम्र के सभी नागरिकों को एक ही स्थान पर स्पेशलिस्ट डॉक्टर जांच करेंगे, परामर्श देंगे, फ्री दवा मुहैया कराएंगे। उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने तय किया है कि बुजुर्गों को हॉस्पिटल में सुगम इलाज मिले।

सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि सम्मान, भरोसा और मानसिक सुकून भी मिले। चौहान ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य बुजुर्गों को बेहतर हेल्थ सेवाएं मुहैया कराना है, रामाश्रय वार्ड सिर्फ स्वास्थ्य योजना नहीं, बल्कि बुजुर्गों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। इस अवसर पर पीएमओ हनुमान प्रसाद बैरवा,जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, शम्भू शर्मा, कमलेश यादव, सोनू परिडवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

गृह रक्षा स्वयंसेवकों की भर्ती 26 से

दौसा। राज्य गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र अलवर के अंतर्गत दौसा जिले के अभ्यर्थियों की गृह रक्षा स्वयंसेवकों के लिए भर्ती प्रक्रिया 26 मार्च से 31 मार्च तक पुलिस परेड ठाउंड, पुलिस लाइन अलवर में आयोजित की जाएगी।

गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र दौसा के कमाण्डेन्ट डॉ. अमन रूस्तगी ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया गृह रक्षा निदेशालय द्वारा गठित चयन समिति (बोर्ड) के माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। चयन समिति में केन्द्र व गण के समादेष्टा, गृह रक्षा महानिदेशक के प्रतिनिधि तथा जिला पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। उन्होंने बताया कि दौसा जिले के 87 रिक्त पदों के विरुद्ध 22,205 अभ्यर्थी शामिल होंगे। कमाण्डेन्ट ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को मोबाइल पर एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से सूचना भेजी जाएगी।

इसके बाद अभ्यर्थी दिए गए लिंक या विभागीय वेबसाइट ://---/ पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। नामांकन प्रक्रिया के लिए अलग-अलग जिलों के अभ्यर्थियों को अलग-अलग तिथियों पर बुलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर आवश्यक मूल दस्तावेज जैसे जिले का मूल निवास प्रमाण-पत्र, आयु प्रमाण-पत्र, शैक्षिणक योग्यता प्रमाण-पत्र, विशेष योग्यता प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, चिकित्सा प्रमाण-पत्र, विवाह प्रमाण-पत्र, पुलिस सत्यापन प्रमाण-पत्र तथा प्रवेश पत्र के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

नामांकन स्थल पर प्रवेश के बाद किसी भी अभ्यर्थी को ठाउंड से बाहर जाकर दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अधिक जानकारी के लिए गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के दूरभाष नंबर 0144-2338579 (जिला अलवर) एवं 01427-220990 (जिला दौसा) पर संपर्क किया जा सकता है।

लंबित मामलों की समीक्षा, त्वरित निस्तारण के निर्देश

दौसा। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को उपखण्ड अधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।

जिला कलक्टर ने सभी तहसीलदारों को चरागाह भूमि से जुड़े अतिक्रमण प्रकरणों में दर्ज मामलों में संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी करने तथा नियमानुसार अतिक्रमण हटाकर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए।

उन्होंने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त सहायता से जुड़े प्रकरण पर प्रस्ताव एवं तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने, तात्कालिक मरम्मत कार्यों के बिल संबंधित कार्यकारी एजेंसी से प्राप्त कर उपखण्ड स्तरीय समिति से प्रमाणित कर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करते हुए भुगतान के लिए भेजने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा जिला कलक्टर ने निर्धारित मानकों के अनुसार अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण, रात्रि विश्राम एवं चौपाल कार्यक्रमों की समीक्षा की।

उन्होंने प्रतिदिन की जनसुनवाई में प्राप्त विशिष्ट प्रकरणों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से भेजने तथा उपखण्ड स्तर पर ई-फाइल प्रणाली और जनआधार नामांकन एवं अद्यतन के लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने विभिन्न आयोग तथा मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई कर रिपोर्ट भेजने को कहा। साथ ही जनलेखा समिति द्वारा लिए गए महालेखाकार निरीक्षण प्रतिवेदनों के बकाया आक्षेपों की पालना रिपोर्ट शीघ्र भिजवाने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, नगर विकास न्यास सचिव मूलचंद लूणिया, दौसा उपखंड अधिकारी संजू मीणा, तहसीलदार गजानंद मीणा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिले के अन्य उपखण्ड अधिकारी और तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम जुडे हुए थे।

आप रन, पार्टनरशिप और स्ट्राइक रेट नाप सकते हैं, लेकिन असली काम इंटेंट का है। भारत का बैटिंग में पोजिटिव अप्रोच और बॉलिंग में शांत स्वभाव पसंद आया। नॉकआउट मैचों में यही माइंडसेट काम आता है। - **सचिन तेंदुलकर**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, भारत की जीत को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नवजोत सिंह सिद्धू

भारत के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद आमिर की जमकर लताड़ा है। आमिर ने भविष्यवाणी की थी कि टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल तक नहीं पहुंच पाएगी, लेकिन जब भारत ने बेहतरीन जीत दर्ज कर फाइनल का टिकट कटाया तो सिद्धू ने पाकिस्तानी खिलाड़ी को ढोंगी बाबा कह डाला। सिद्धू ने कहा कि, हमारे आसपास के लोगों को झूठी भविष्यवाणियां करने की बहुत आदत है। लग गया तो ती, नहीं तो तुक्का। फिर भी ये लोग खुद को बहुत बड़ा ज्ञानी बाबा समझते हैं। सच तो ये है कि ऐसे लोग सिर्फ ढोंगी बाबा हैं।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस गेल और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी टी-20 प्रारूप में अपनी प्रभुत्व के कारण इस शीर्षक के प्रबल दावेदार माने जाते हैं।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

फाइनल कल
भारत व न्यूजीलैंड के बीच शाम 7 बजे

न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया की प्लेइंग 11, वरुण चक्रवर्ती का कटेगा पत्ता!

नई दिल्ली, 6 मार्च। रविवार, 8 मार्च को भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलना है। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया था। इस दौरान संजू सैमसन ने बेहतरीन पारी खेली जिस कारण वो बेहतरीन फॉर्म में है। जसप्रीत बुमराह से लेकर शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या ने भी अपना-अपना योगदान बखूबी निभाया है। भारतीय क्रिकेट टीम लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। वहीं अब रविवार, 8 मार्च को भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलना है।

इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया था। इस दौरान संजू सैमसन ने बेहतरीन पारी खेली जिस कारण वो बेहतरीन फॉर्म में है। जसप्रीत बुमराह से लेकर शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या ने भी अपना-अपना योगदान बखूबी निभाया है। अब भारत को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनकर इतिहास रचना है तो उसे 8 मार्च को न्यूजीलैंड की चुनौती से पार पाना होगा। लेकिन खिताबी भिड़ंत से पहले टीम इंडिया की कई सारी खामियां दुनिया के सामने उजागर हुई हैं, जिनके कारण से भारत को प्लेइंग इलेवन में बदलाव करना पड़ सकता है।

वरुण चक्रवर्ती का कटेगा पत्ता! - टीम इंडिया के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती आलोचकों के निशाने पर हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 4 ओवरों में 64 रन लुटा दिए थे। पिछले चारों मैचों में उन्होंने विकेट तो लिया है लेकिन जकर रन भी खर्च किए हैं। वाशिंगटन सुंदर को स्पिन गेंदबाजी विकल्प और चक्रवर्ती के रिप्लेसमेंट के तौर पर देखा जा सकता है। लेकिन टीम इंडिया मैनेजमेंट शायदही उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर करेगा। बता दें कि, वरुण अभी टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

दूसरी ओर मैनेजमेंट ने लगातार अभिषेक शर्मा पर भी भरोसा दिखाया है और फाइनल में भी उन्हें अवश्य ही मौका मिलेगा। दूसरी ओर संजू सैमसन और ईशान किशन भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ बने हुए हैं। मिडिल ऑर्डर में सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे ने लगातार छोटी लेकिन अहम पारी खेली हैं। गेंदबाजी लाइन अप में भी किसी बदलाव की उम्मीद कम है। बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पंड्या तीन तेज गेंदबाजी विकल्प होंगे, वहीं अक्षर पटेल स्पिन का भार संभालते हुए नजर आ सकते हैं।

फाइनल में भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन - संजू सैमसन, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

टी-20 वर्ल्डकप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए ये खिलाड़ी नॉमिनेट, संजू सैमसन का नाम भी शामिल

नई दिल्ली, 6 मार्च। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का समापन होने वाला है। जिसका फाइनल मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। हालांकि, इस मुकाबले से पहले पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 8 खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड के लिए शॉर्ट लिस्ट कर लिया गया है। इस लिस्ट में भारतीय ओपनर संजू सैमसन का भी नाम शामिल है। जिन्होंने अपने आखिरी दो मैच में धमाकेदार पारी खेली है। उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान का नाम भी है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स ने अपनी टीम को टी20 वर्ल्ड कप में आठ में से 6 मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई। इशमें जैक्स को चार बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पॉप स्टार रिकी मार्टिन करेंगे परफॉर्म

नई दिल्ली, 6 मार्च। वर्ल्ड कप के समापन समारोह में विदेशी कलाकार अपनी प्रस्तुति देते हुए दिखेंगे। इसी कड़ी में प्यूर्टो के रिको के पॉप स्टार रिकी मार्टिन भी क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करते हुए दिखाई देने वाले हैं। वे फाइनल मैच की शुरुआत में अपनी परफॉर्मेंस का जादू बिखेरेंगे। 8 मार्च, रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं वर्ल्ड कप के समापन समारोह में विदेशी कलाकार अपनी प्रस्तुति देते हुए दिखेंगे। इसी कड़ी में प्यूर्टो के रिको के पॉप स्टार रिकी मार्टिन भी क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करते हुए दिखाई देने वाले हैं। वे फाइनल मैच की शुरुआत में अपनी परफॉर्मेंस का जादू बिखेरेंगे।आईसीसी ने मार्टिन के नाम का ऐलान करते हुए खुशी जताई है। बता दें कि, क्लोजिंग सेरेमनी की शुरूआत शाम 5.30 बजे होगी। अहमदाबाद में एक बेहतरीन मुकाबला होने की उम्मीद है लेकिन चौकों और छक्कों की बारिश से पहले मार्टिन अपनी प्रस्तुति देंगे और दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। वहीं आईसीसी ने रिकी मार्टिन के नाम का ऐलान करते हुए एक पोस्ट शेयर किया जिसमें लिखा है कि, टी20 वर्ल्ड कप 2026 का जश्न और भी बड़ा हो गया है। हमें ये घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वर्ल्ड आइकन और सुपरस्टार रिकी मार्टिन वर्ल्डकप के फाइनल में अपनी प्रस्तुति देंगे। वे फाइनल में मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगे।

आईसीसी ने किया मैच अधिकारियों का ऐलान, दिग्गजों के कंधों पर होगी खिताबी जंग की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 6 मार्च। आईसीसी ने अहमदाबाद में होने वाले भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ मैदानी अंपायर होंगे, जबकि जिम्बाब्वे के एंडी पाइक्रॉफ्ट मैच रेफरी की भूमिका निभाएंगे। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल के लिए अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच ऑफिशियल्स की घोषणा कर दी गई है। इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ इस महत्वपूर्ण मैच में ऑन-फील्ड अंपायर होंगे। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार, इलिंगवर्थ लगातार दूसरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में अंपायरिंग करेंगे। इससे पहले उन्होंने 2024 संस्करण के फाइनल में क्रिस गैफेनी के साथ अंपायरिंग की थी।

यह नियुक्ति आईसीसी के प्रमुख आयोजनों में इलिंगवर्थ के शानदार प्रदर्शन को जारी रखती है। हाल के वर्षों में, उन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में भी अंपायरिंग की है। व्हार्फ ने इससे पहले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में अंपायरिंग की है और पिछले साल उन्हें अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ अंपायर्स में शामिल किया गया था।

इस सप्ताह की शुरुआत में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका पर न्यूजीलैंड की शानदार सेमीफाइनल जीत के दौरान इलिंगवर्थ और व्हार्फ एक साथ अंपायर थे। मैदान पर मौजूद अधिकारियों का सहयोग करते हुए, दक्षिण अफ्रीका के अल्लाहुद्दीन पालेकर को तीसरा अंपायर नियुक्त किया गया है। 48 वर्षीय पालेकर को मार्च 2025 में व्हार्फ के साथ अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ अंपायर्स में शामिल किया गया था और उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान छह मैचों में अंपायरिंग की है। दक्षिण अफ्रीका के ही एड्रियन होल्डस्टॉक चौथे अंपायर के रूप में सहायता करेंगे, जबकि एंडी पाइक्रॉफ्ट अहमदाबाद में मैच रेफरी की भूमिका निभाएंगे।

भारत चौथी बार फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम

नई दिल्ली, 6 मार्च। भारत ने इंग्लैंड को हराकर चौथी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली। टीम इंडिया 4 वर्ल्ड टी-20 फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 7 रन से मात दी। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में इस बार 88 छक्के भी पूरे कर लिए। टीम ने एक एडिशन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बना दिया। वहीं संजू सैमसन ने 89 रन की पारी खेलते हुए टी-20 वर्ल्ड कप में किसी भारतीय द्वारा सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में विराट कोहली की बराबरी कर ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे मैत्री क्रिकेट मैचों का उद्घाटन

कुल पांच टीमें ले रही है भाग, विधानसभा बजट सत्र के दौरान मैत्री मैच खेलने की है परम्परा

जयपुर, 6 मार्च। मुख्यमंत्री-राजस्थान भजन लाल शर्मा सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित क्रिकेट अकादमी पर पाँच टीमों के बीच तीन दिन तक खेले जाने वाले मैत्री क्रिकेट मैचों का उद्घाटन शनिवार शाम पाँच बजे करेंगे। विगत काफ़ी वर्षों से विधानसभा बजट सत्र के दौरान है मैत्री मैच खेलने की परंपरा है। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद डा. नीरज के. पवन ने इस आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें कुल पाँच टीमें माननीय विधायकगण (भाजपा), विधायकगण (कांग्रेस), आईएएस अधिकारीगण, मीडिया प्रतिनिधिगण (इलेक्ट्रॉनिक) एवं मीडिया प्रतिनिधिगण (प्रिंट) भाग ले रहे है। उन्होंने बताया कि 9 मार्च तक चलेंगे वाले इस आयोजन में कुल चार मैच होंगे, जिसमें पहले और दूसरे दिन जहां एक मैच होगा, वही आख़िरी दिन फाइनल मैच सहित दो मैच खेले जायेंगे। इसका आयोजन राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा किया जा रहा है।इस अवसर पर मंत्रीगण, विधायकगण, वरिष्ठ अधिकारीगण और मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे।

डी गुकेश ने ईरान के खिलाफ ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, 6 मार्च। प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 के सातवें राउंड में भारत के वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने ईरान के परहम मगसूदलू के खिलाफ ड्रॉ खेला। गुकेश प्राग में अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने तीन मैच हारे और चार ड्रॉ खेले हैं। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के लिए यह टूर्नामेंट काफी कठिन रहा है। सातवें राउंड के बाद गुकेश ने फैंस से माफी मांगी और खराब प्रदर्शन को इसकी वजह बताया। मैच के बाद ग्रैंडमास्टर केटी त्सात्सालाशविली से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे रोज आने वाले फैंस की सराहना करते हैं, लेकिन कुछ दिनों वे अकेले रहना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आमतौर पर वे मैच के बाद ऑटोग्राफ और फोटो देते हैं, लेकिन यहां उनका मूड ठीक नहीं रहा, इसके लिए वे माफी चाहते हैं। हालांकि फैंस का समर्थन उनके लिए बहुत मायने रखता है। अपने फॉर्म पर गुकेश ने माना कि वे अच्छा नहीं खेल पाए और मिले मौकों का फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए खराब टूर्नामेंट रहा।

राजस्थान यूथ ने सबा क्लब हराया तथा सुराना एकेडमी ने राजीव गांधी क्लब को हराया

जयंत ताम्बी का दोहरा शतक, गौरव पूनिया की हैट्रिक

जयपुर, 6 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी स्मृति ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने सबा क्लब को 321 रनो के विशाल अंतर से हराया तथा सुराना एकेडमी ने राजीव गांधी क्लब को 4 विकेट से हराया।

राजस्थान यूथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जयंत ताम्बी के शानदार दोहरे शतक 230 रन (125 गेंद, 18 चौक व 18 छक्के), भावित कुमावत के 72 रन, अभय शर्मा के 18 रन, शुभम पटवाल के 27 रनो से 47 ओवर में 7 विकेट पर 416 रन बनाए। सबा क्लब के लिए सुमित भगेरिया ने 61 पर 3, मिहित अग्रवाल ने 71 पर 3 विकेट लिए। जवाबी पारी में सबा क्लब की टीम राजस्थान यूथ के गेदबाजों के सामने 18.3 ओवर में मात्र 95 रनों पर सिमट गई। कैफ गुडएज ने 16 पर 3, गौरव पुनिया ने 1 पर 3, शुभम पटवाल ने 23 पर 2 व हिमांशु राणा ने एक विकेट लिया।

के एल सैनी स्टेडियम पर राजीव गांधी क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आर्यन जैन के 20 रन, शिफॉन खान के 27 रन, जवाबी पारी रक्षित लुनावत के 51 रन, विजय शर्मा के 47 रनो से 43.3 ओवर में 254 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए आदित्य झाला ने 53 पर 2, आदित्य वाधवा ने 55 पर 2, प्रशांत यादव ने 45 पर 2 व आर्यमन शर्मा ने 8 पर 2 विकेट लिए। सुराना एकेडमी ने आर्यमन कटारिया के 52 रन, प्रशांत यादव के 94 रन व दियांशु गौड़ के 46 रनो से 45.1 6 विकेट पर 255 रन बनाकर मैच जीत लिया। राजीव गांधी क्लब के लिए अथर्व सिंह 45 पर 3, मनय कटारिया ने 52 पर 2 विकेट लिए।

एएफसी महिला एशियाई कप : भारतीय महिला फुटबॉल टीम की अग्निपरीक्षा, दो बार की चैम्पियन जापान से होगी टक्कर

नई दिल्ली, 6 मार्च। वियतनाम के खिलाफ पिछले ग्रुप मैच में दमदार प्रदर्शन से भारतीय महिला फुटबॉल टीम का द्वआत्मविश्वास जरूर बढ़ा होगा लेकिन शनिवार को यहां एएफसी महिला एशियाई कप के दूसरे मैच में जापान की मजबूत टीम से होने वाला मुकाबला उसके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। भारत ने ग्रुप सी के शुरूआती मैच में बुधवार को वियतनाम के खिलाफ हूटर से ठीक तीन मिनट पहले 'इंजुरी टाइम' में गोल गंवा दिया जिससे उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा और उसने अहम अंक गंवा दिया। वियतनाम 2023 फीफा विश्व कप में खेला था और उनके खिलाफ मैच में पदार्पण कर रही सैनफिडा नोंग्रम के बराबरी गोल से टीम का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन दुनिया की आठवें नंबर और दो बार की चैंपियन टीम जापान पूरी तरह से अलग टीम होगी और भारत से कहीं बेहतर होगी। अब कोच अमेलिया वाल्वरडे का काम अपनी टीम को मजबूत बनाए रखना और रक्षात्मक मजबूती पर काम करना होगा। इसके साथ ही उन्हें जवाबी हमले पर भी ध्यान देना होगा। फीफा विश्व कप 2011 की विजेता टीम जापान ने अपने पिछले मैच में चीनी ताइपे के पेनल्टी क्षेत्र में 87 बार प्रवेश किया था जिससे शनिवार को कप्तान स्वीटी देवी की अगुआई वाला भारतीय डिफेंस काफी व्यस्त रहेगा। भारतीय टीम जापान के गोल की संख्या पर भी लगाम लगाने की कोशिश करेगी। वियतनाम और चीनी ताइपे शनिवार को एक और मैच में आमने-सामने होंगे। तीनों ग्रुप में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीम और तीसरे नंबर की दो बेहतर टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली चार टीम ब्राजील में होने वाले 2027 फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। वहीं क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीम विश्व कप के लिए एएफसी को दिए गए दो बचे हुए स्थानों के लिए प्लेऑफ खेलेंगी। प्लेऑफ हारने वाली दो टीम के पास प्लेऑफ टूर्नामेंट के जरिए ब्राजील के लिए क्वालीफाई करने का एक और मौका होगा।

इंडो-मलेशिया बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज में भारत का शानदार प्रदर्शन

पुरुष व महिला दोनों वर्गों में जीता स्वर्ण

जयपुर, 6 मार्च। सेलांगोर (मलेशिया) में 27 फरवरी से 4 मार्च 2026 तक आयोजित इंडो-मलेशिया बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज 2025-26 में भारतीय पुरुष एवं महिला टीमों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को सभी टेस्ट मैचों में पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राजस्थान से हेमलता बाकोलिया (जयपुर) भारतीय महिला टीम की सदस्य रहीं, जबकि गणेश शर्मा (टोंक) एवं चिराग सोलंकी (बीकानेर) भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करने वाले इन खिलाड़ियों को राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के संरक्षक स्वामी बालमुकुंद आचार्य (विधायक, हवामहल), अध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा, महासचिव शौकत अली मंसूरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा सहित संघ के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

स्पोर्ट्स कार्निवल 2026 का भव्य आगाज

जयपुर, 6 मार्च। जयपुर रीजनल चैप्टर के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय स्पोर्ट्स कार्निवल 2026 का आगाज़ शुक्रवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में जोश और उत्साह के साथ हुआ। पहले दिन, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस और टेबल टेनिस के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। क्रिकेट के खेले गए तीन मैचों में तालुका फाइटर ने मंगल टाइटंस को, प्रिमार्क सुपर किंग ने तालुका फाइटर को, जबकि एल्फेन रॉयल्स ने वर्सेटाइल वाइकिंग्स को मात देकर मुकाबले अपने नाम किए। तीनों मैचों में खिलाड़ियों की बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी देखने को मिली। टेनिस प्रतियोगिता में सिंगल्स वर्ग में अंशुमान शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में युगांश देवरथ को 6-2 से हराकर खिताब जीता। इससे पहले अंशुमान शर्मा ने शालीन को 6-2 से हराया, जबकि युगांश देवरथ ने अभिनव चतुर्वेदी को 6-0 और केसरी नंदन शर्मा को 6-2 से मात दी थी। सिंगल्स में युगांश वर्ग में देवरथ उपविजेता रहे।

कानोता पोलो को हराकर फाइनल में पहुंची कृष्णा पोलो

एचएमएस गोल्ड वार्स कप टूर्नामेंट

जयपुर, 6 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर एसएमएस गोल्ड वास (आउट ऑफ हैट) कप टूर्नामेंट का सेमीफाइनल मुकाबला टीम कानोता पोलो और कृष्णा पोलो के बीच खेला गया। इस मुकाबले में टीम कृष्णा पोलो ने कानोता पोलो को 7-5 के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बना ली। विजेता टीम कृष्णा पोलो से विशाल सिंह राठौड़ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 गोल दागे।

वहीं, आरके सिद्धांत सिंह और अश्विनी शर्मा ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम से यशोवर्धन सिंह गुलर भी खेले। दूसरी ओर टीम कानोता पोलो से प्रताप सिंह कानोता और एलन शॉन माइकल ने 2-2 गोल किए।विक्रमादित्य सिंह बरकाना ने टीम के लिए 1 गोल किया। टीम से लक्ष्यराज सिंह भी खेले। शनिवार, 7 मार्च को टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला

टीम आरपीसी और जयपुर के बीच शाम 5 बजे से राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर होगा। वहीं, टूर्नामेंट का फाइनल रविवार, 8 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में होगा।

कार्यालय नगरपालिका,मारवाड़ जंक्शन (पाली)

क्रमांक / नपामाजं. / विद्युत / 2025-26 / 751 दिनांकः 18.02.2026

ई-निविदा सूचनाः

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन के विकास शाखा की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेब पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर निम्नानुसार है :-
DLB2526WSOB35264
राज.संवाद / सी / 25 / 21773 अधिशाषी अधिकारी

ADPC, Karauli (Rajasthan)
Add. - Keshavpura Puliya, Mandrayal Road, Karauli, E-Mail: adpcsamsakarauli@gmail.com
File No. :- {Ref. No.} 1892 Date :- 27/02/2026
NOTICE INVITING e-BID (NIB : 25 /2025-26)
Request for proposal invited for Supply, Installation, Testing, Commissioning of Digital Library in 12 Govt. Schools from 27.02.2026 to 06:00 PM of dated 09.03.2026. Other details may be seen in the Bidding Document at State Public Procurement Portal website www.sppp.rajasthan.gov.in and e-proc portal. Estimated cost:79.56 Lacs
UBN NO. RSE2526GLRC0750 Additional District Project Coordinator Karauli (Rajasthan)
Raj.Samwad/C/25/21801

Municipal Board Of Bagru (Jaipur)
क्रमांकः- न.पा.ब. / 2025-26 / 918 दिनांक :- 01.03.2026
:: E- Notice Inviting Bid ::
Bid for Municipal Board Of Bagru For Works (01) Date 01.03.2026 invited form interested bidders Date 10.03.2026 Upto 11:00 AM And Works (03) Date 01.03.2026 invited form interested bidders Date 11.03.2026 Upto 11:00 AM Other particulars of the bid may be invited on the procurement portal, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state.
UBN CODE :- DLB2526WSOB36828, DLB2526WSOB36829, DLB2526WSOB36830.
Raj.Samwad/C/25/21881 Executive officer

कार्यालय नगर पालिका मारवाड़ जंक्शन(पाली)
पंचायत समिति के सामने मारवाड़ जंक्शन-306001
क्रमांक / नपामाजं. / विकास / 2025-26 / 755 दिनांकः 20.02.2026
: ई-निविदा सूचना :
एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन के विकास शाखा की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेब पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर निम्नानुसार है :-
DLB2526WSRC35499
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 25 / 21774 नगर पालिका,मारवाड़ जंक्शन

कार्यालय नगर पालिका, खेजरोली-जयपुर (राज.)
क्रमांक / न.पा.खेज. / निर्माण शाखा / 2025 / 165 दिनांकः- 27.02.2026
निविदा आमंत्रण सूचना
नगर पालिका कार्यालय खेजरोली द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु दर संविदा के माध्यम से कार्य करवाने हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंन्ट प्रकिया द्वारा ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं। निविदा सूचना एवं शर्तें http://sppp.rajasthan.gov.in पर NIB Code DLB2526B2295 तथा UBN NO : DLB2526WSRC36469 पर डाउनलोड कर देखा जा सकता है।
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 25 / 21788 नगरपालिका खेजरोली

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.)- 345001
क्रमांकः- नपजै / एसबीएम / 2025-26 / 608 दिनांक :- 27.02.2026
-:: निविदा सूचना संख्या 06/2025-26 ::-
NIB Code DLB2526B2329
नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से मान्यता प्राप्त अनुभवी फर्मो / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से "Installation of twin bins at various place in Jaisalmer" के कार्य की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन ई-निविदा से संबंधित कार्य की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.in पर देखी जा सकती है।
उक्त कार्य के UBN No. :- DLB2526GLOB36613 है।
आयुक्त
राज.संवाद / सी / 25 / 21837 नगर परिषद् जैसलमेर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति देई, जिला-बून्दी (राजस्थान)
क्रमांक :- 868 - 877 दिनांक :- 27/02/2026
ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रण सूचना
कृषि उपज मण्डी समिति देई में कम्प्यूटर कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर विद मशीन हेतु बजट 12.00 लाख एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु बजट 30.00 लाख की सीमा में सेवा प्रदाताओं पंजीकृत संवेदकों / सहकारी संस्थाओं / स्वयंसेवी संस्थाओं / भूतपूर्व सैनिक सहकारी संस्थाओं आदि से मानव संसाधन राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत सेवाओं के उपापन के संबंध में ई-प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑन लाईन निविदाएं दिनांक 11.03.2026 को सांय 4.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। सफल बोलीदाता की तकनीकी बिड दिनांक 12.03.2026 को दोपहर 2.00 बजे खोली जायेगी। निविदाओं से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.agriculture.rajasthan.gov.in/dam/ पर भी देखा जा सकता है।
1. कम्प्यूटर मेन विद मशीन - DAM2526SLOB01338
2. सुरक्षा व्यवस्था - DAM2526WSOB01337
राज.संवाद/सी/25/21828 प्रशासक सचिव

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)
क्रमांक-निर्माण शाखा / निविदा / 2026 / 8024-26 दिनांक : 25.02.2026
निविदा सूचना
नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 23.02.2026 से दिनांक 06.03.2026 तक सांय 06 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 09.03.2026 को सांय 05 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी. डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।
निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB code- DLB2526B2024
UBN:- DLB2526WSOB35536, DLB2526WSOB35537, DLB2526WSOB35538, DLB2526WSOB35540, DLB2526WSOB35541, DLB2526WSOB35542, DLB2526WSOB35543, DLB2526WSOB35544, DLB2526WSOB35545, DLB2526WSOB35546, DLB2526WSOB35547, DLB2526WSOB35548, DLB2526WSOB35549, DLB2526WSOB35550, DLB2526WSOB35552, DLB2526WSOB35554
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 25 / 21802 नगरपालिका रतनगढ़

RAJMATA VIJYARAJE SINDHIYA KRISHI UPAJ MANDI SAMITI (G) JODHPUR
E-mail Id : www.krishimandi@yahoo.in, kums.jodhpgr@rajasthan.gov.in, Tel. :- 0291-2571999 Fax :- 0291-2570754
No. :- K.U.M.S. (G) JOD/2025-26/5212 Date :- 27/02/2026
E-Tender No. 17/2025-26
As per departmental approval, the undersigned invites technical & financial bid for the work of supply, installation and commissioning of equipment of testing laboratory at premises of R.V.S. K.U.M.S.(G) jodhpur. UBN: DAM2526GLOB01335

Sr. No.	Detail of work	Estimated cost	Earnest Money	Cost of bid document	Fee of RISL	Bid download start date & Time	Bid submission last date & Time	Technical bid opening date & time
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	The work of supply, installation and commissioning of equipment of testing laboratory at R.V.S. K.U.M.S. (G) jodhpur	40.00 Lacs	Rs. 80000	Rs. 1180 (1000 + GST 18%)	Rs. 500	28.02.2026 10.00 AM	11-03-2026 up to 05.00 PM	12-03-2026 at 11.00 AM

1. Rules and conditions related to bid can be seen & download on portal http://sppp.rajasthan.gov.in and department website www.livelihoods.rajasthan.gov.in.
2. Demand draft of bid document charges Rs. 1180/- in favour of R.V.S. KUMS(G) Jodhpur, demand draft of bid processing fee Rs. 500/- in favour of MD, RISL payable at Jaipur and demand draft of earnest money Rs. 80000/- in favour of R.V.S. KUMS(G) Jodhpur must be submitted up to 10-03-2026 (up to 05.00 PM) in office of R.V.S. KUMS(G) Jodhpur positively. In absence of such technical part will not be opened, for which concerned bidder will fully responsible.

Raj.Samwad/C/25/21827 Secretary

'आर्मी डे परेड ने देशभक्ति व सैन्य गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाया'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सेना दिवस परेड -2026 संकलन पुस्तक व लघु फिल्म का विमोचन किया

जयपुर, 06 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 78वें सेना दिवस पर आयोजित हुई ऐतिहासिक आर्मी डे परेड ने भारतीय सेना और जनमानस के बीच सेतु बांधने का काम किया तथा इस परेड ने राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और सैन्य गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार आर्मी डे परेड का छावनी क्षेत्र के बाहर आम नागरिकों के बीच जयपुर में सम्पन्न होना हम सब के लिए गौरव की बात है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन भागीदारी ही किसी भी राष्ट्रीय उत्सव की असली शक्ति होती है। आर्मी डे परेड को आम लोगों ने अपने स्नेह और उत्साह से सफल बनाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 78वें सेना दिवस पर "आर्मी डे परेड संकलन" पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान सप्तशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भी उपस्थित रहे।

कार्यालय में सेना दिवस परेड-2026 संकलन पुस्तक एवं लघु फिल्म के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी 2026 की तारीख राजस्थान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हो गई है। भव्य और व्यापक आर्मी डे परेड आयोजित कर हमने राजस्थान में नई परंपरा की शुरुआत की है।

शर्मा ने कहा कि जनभागीदारी ही किसी भी राष्ट्रीय उत्सव की असली शक्ति होती है। आर्मी डे परेड को आम लोगों ने अपने स्नेह और उत्साह से सफल बनाया। उन्होंने इस परेड की सफलता को विभिन्न विभागों के समन्वय का परिणाम बताया। उन्होंने भारतीय सेना के सभी सैनिकों और अधिकारियों का अभिनंदन किया और कहा कि सेना का अनुशासन व समर्पण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा उनके कठिन परिश्रम ने इस परेड को उत्कृष्ट बनाया।

शर्मा ने सेना दिवस परेड-2026 की संकलन पुस्तक एवं लघु फिल्म का विमोचन किया। इस दौरान कार्यक्रम में लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, सप्तशक्ति कमान के सेना कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी सहित, सेना के अधिकारी भी उपस्थित थे।

ईरान ने बहरीन, कतर व यूएई पर हमले तेज किए

तेहरान/तेल अवीव, 06 मार्च। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष ने पश्चिम एशिया के अधिकांश इलाके को अपनी चपेट में ले लिया है। ईरान खाड़ी के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों और उससे संबंधित इलाकों को लगातार निशाना बना रहा है। गुरुवार देर रात बहरीन की राजधानी मनामा में फाइनेंशियल हार्बर टावर्स को निशाना बनाया गया। वहीं बहरीन, कतर, सऊदी अरब और जॉर्डन

- अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त हमले के बाद ईरान ने बदले की कार्यवाही में कई पड़ौसी देशों को निशाना बनाया

में एयर डिफेंस सिस्टम लगातार उसके हमलों को इंटरसेप्ट कर रहे हैं। मौजूदा हालात के मद्देनजर कई देशों ने सुरक्षा अलर्ट जारी कर लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सेंट्रल अल-खारज गवर्नरेट के पूर्व में एक क्रूज मिसाइल को इंटरसेप्ट कर दिया। बाद में मंत्रालय ने यह भी जानकारी दी कि रियाद क्षेत्र के पूर्व में तीन ड्रोन को भी मार गिराया गया।

उधर कतर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसकी एयर डिफेंस फोर्स ने दोहा स्थित अल उदीद एयर बेस को निशाना बनाकर किए गए एक ड्रोन हमले को विफल कर दिया। यह एयर बेस अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाना माना जाता है। दोहा में सुबह करीब 4 बजे धमाकों की जोरदार आवाजें सुनीं गयीं, जो ईरान से आए ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के दौरान हुई थीं। पिछले पांच दिनों में सैन्य बेस को निशाना बनाकर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई।

सुखोई-30 फाइटर जैट क्रैश, दोनों पायलट की मौत

वायु सेना की टीम को हादसा स्थल तक पहुंचने में चार घंटे का समय लगा

कार्बी आंगलोंग (असम), 06 मार्च। असम के कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी इलाके में गुरुवार देर शाम को सुखोई-30 एमकेआई फाइटर एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से दोनों पायलटों की मौत हो गई।

दोनों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और को-पायलट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर के रूप में हुई है। लेफ्टिनेंट पूर्वेश भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग नेविगेटर थे। हादसे की आधिकारिक जानकारी आईएएफ ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए दी है। दुर्घटना स्थल से दोनों वायु सैन्य कर्मियों के शव मिल गए हैं।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की एक्स पोस्ट में भारतीय वायु सेना ने

- जोरहट से टेकऑफ करने के कुछ देर बाद ही प्लेन कार्बी आंगलोंग जिले के दुर्गम पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया।

स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुर्वेश दुरागकर के निधन की जानकारी दी गई है। कहा गया है कि दोनों को सुखोई-30 दुर्घटना में घातक चोटें आईं।

हादसा गुरुवार रात लगभग 7 बजे के आसपास हुआ। विमान से संपर्क टूटने के बाद जोरहाट वायुसेना की टीम ने दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। हादसास्थल पर वायु सेना की टीम को पहुंचने में लगभग चार घंटे का समय लगा। हालांकि, हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है।

बताया गया है कि जोरहाट से टेक-ऑफ करने के कुछ ही देर बाद प्लेन कार्बी आंगलोंग जिले के दुर्गम पहाड़ी इलाके में क्रैश हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने तुरंत सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

सूत्रों ने बताया कि एयरक्राफ्ट सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट था, जिसने शाम को जोरहाट से उड़ान भरी थी। क्रैश साइट इनसानी आबादी से दूर एक जंगली और पहाड़ी इलाके में है, जिससे वहां के लोगों के लिए तुरंत पहुंचना मुश्किल था।

राजनाथ सिंह व राहुल गांधी ने लड़ाकू विमान हादसे के पायलटों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 06 मार्च। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कई नेताओं ने असम के कार्बी आंगलोंग जिले में हुए लड़ाकू विमान हादसे में वायु सेना के दो पायलटों की शहादत पर दुख व्यक्त किया।

राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सुखोई-30 विमान हादसे में दोनों पायलटों स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुर्गाकर के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। देश के लिए उनकी हिम्मत और सेवा को हमेशा गर्व और आभार के साथ याद

- रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों पायलटों को उनकी हिम्मत और सेवा के लिए हमेशा आभार व गर्व के साथ याद किया जायेगा।

किया जाएगा। दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

राहुल गांधी ने अपनी शोक संवेदना में कहा कि भारतीय वायुसेना के वीर जवान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश का विमान दुर्घटना में शहीद होने का समाचार अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक है। इन वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि असम में हुई विमान दुर्घटना में दोनों वीर जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक-संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की।

'मैं कांग्रेस का राज्यसभा का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घर की छत पर इसी पार्टी का झंडा फहराया करता था।

बाद में वे कांग्रेस में शामिल हुए और फिर के. राजू, एक पूर्व आईएएस अधिकारी से मिले, जो सभी उभरते हुए दलितों के गॉडफादर हैं और राहुल गांधी के चारों ओर दलितों की एक दुनिया बनाने की कोशिश कर रहे हैं, "दलितों के लिए, दलितों द्वारा, दलितों के साथ।"

के. राजू ने उन्हें राहुल गांधी से मिलवाया और उन्हें राज्यसभा भेजने के लिए मनाया।

राहुल गांधी ने हरियाणा के किसी वरिष्ठ नेता से सलाह किए बिना ही अपनी सहमति दे दी।

करमवीर बौद ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा को फोन किया और उन्हें सूचित किया कि "मैं करमवीर बौद हूं और मैं राज्यसभा का उम्मीदवार हूं, कल नामांकन दाखिल करने के लिए आइए।" हुड्डा जी हैरान रह गए और सामान्य होने में समय लिया।

इसी तरह रणदीप सिंह सुरजेवाला, शैलजा और हरियाणा के अन्य पार्टी नेताओं के साथ भी हुआ।

नेता असमंजस में रहे, विधायक नहीं जानते थे कि वे कौन हैं, लेकिन राहुल गांधी खुश हैं कि उन्हें एक दलित मिल गया जो उनके एजेंडा के अनुरूप है।

इस एजेंडा के प्रति वे बेहद जूनूनी हैं और किसी भी कीमत पर इसे लागू करना चाहते हैं।

के. राजू वे व्यक्ति हैं जो कांग्रेस में

- हरियाणा में राज्यसभा चुनाव का नतीजा इस सवाल का जवाब ढूंढने में शायद कुछ मदद करेगा।

दलितों के नरेटिव को नियंत्रित करना चाहते हैं। वे पार्टी में स्थापित दलित नेताओं, जैसे उदय भान और अशोक तंवर को प्रोत्साहित नहीं करना चाहते। वे एक नए व्यक्ति को चाहते थे, जिसे वह नियंत्रित कर सकें।

ठीक है यह भी, लेकिन क्या राहुल गांधी कोई विचार नहीं करते, या क्या उनका विश्वास इतना अंधा है कि वे हर निर्णय को के.सी. वेणुगोपाल, के. राजू या "जय जगत" जैसों को सौंपते रहते हैं?

जय जगत अपनी ताकत दिखा रहा है और यह संकेत देना चाहता है कि वह पार्टी में निर्णयों को नियंत्रित कर रहा है और वह बॉस है क्योंकि बॉस उसके साथ है।

जय जगत ने तमिलनाडु की राज्यसभा सीट भी हासिल कर ली है, जो एक ईसाई दलित को मिली है, जो जय जगत से है और के. राजू द्वारा समर्थित है।

भाजपा ने कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार को हराने के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार खड़ा किया है, जो बुनियादी तौर पर भाजपा से है, उसके पास ढेर सारा पैसा है और वह कांग्रेस के विधायकों को खरीदने के लिए तैयार है।

क्या राहुल गांधी जीवन से कोई सबक नहीं सीखते? या क्या वे बस इस कारण से परवाह नहीं करते, क्योंकि वे इतने विशेषाधिकार प्राप्त हैं? हरियाणा का घटनाक्रम रोमांचक रहेगा, क्योंकि यहां पैसे, सत्ता, निराशा और गुस्से का खेल होगा।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खेड़ा ने कहा कि जब रूस भारत को तेल देने के लिए तैयार था, तब मोदी सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया, लेकिन अमेरिका की अनुमति मिलने के बाद ही सरकार सक्रिय हुई। अमेरिका ने भारत को छूट दी है, जबकि छूट वहीं दी जाती है, जहां प्रतिबंध लागू होते हैं।

कोटा का डॉक्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिविल सेवा के लिए चयनित किया गया था, जहां वे वर्तमान में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

स्व-अनुशासन और दृढ़ता में विश्वास रखने वाले अनुज ने अपनी तैयारी के लिए ऑनलाइन कोचिंग पर भरोसा किया और दिल्ली के "एंश्योर" आईएएस से इंटरव्यू गाइडेंस प्राप्त की।

साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले अनुज के पिता कोटा में न्यूक्लियर पावर प्लांट में काम करते हैं, जबकि उनकी मां गृहिणी हैं।

कुल 958 उम्मीदवारों ने आईएएस, आईएफएस, आईपीएस और अन्य सेवाओं के लिए क्वालीफाई किया है। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवार यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइटों पर रोल नंबर के आधार पर परिणाम देख सकते हैं और डाउनलोड कर सकते हैं।

यूपीएससी ने एक बयान में कहा, "अंक, परिणाम की घोषणा के 15 दिनों के भीतर वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।"

लिखित सीएसई परीक्षा अगस्त 2025 में आयोजित की गई थी, जबकि व्यक्तित्व परीक्षण (पर्सनैलिटी टेस्ट) दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच हुआ था।

अनुज के अलावा प्रदेश के दस अन्य अभ्यार्थियों का भी चयन हुआ है। ये हैं, बहरोड़ के तरुण यादव (49 वीं रैंक), बालोतरा के गौरव चोपड़ा (83 वीं रैंक), बूंदी के सौरभ शर्मा (146 वीं रैंक), तिजारा के निशांत यादव (237 वीं रैंक), बालोतरा के जितेन्द्र प्रजापति (287 वीं रैंक), पोकरण के प्रवीण दान रत्नू (499 वीं रैक), सीकर के संजय कुमार (502 वीं रैक), जयपुर के संभव पाटनी (608 वीं रैंक), तिजारा के बादल यादव (665 वीं रैंक), दौसा के आशीष शर्मा (722 वीं रैक)।

'अमेरिका ने दया की, भारत को रुस से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साद अल काबी ने यह भी कहा कि अगर संघर्ष तुरंत समाप्त हो भी जाता है तो कतर को अपनी सामान्य आपूर्ति व्यवस्था को बहाल करने में "हफ्तों से महीनों" तक का समय लगेगा।

भारत में सभी तेल रिफाइनरियों से कहा गया है कि वे "यह सुनिश्चित करें कि उनके पास उपलब्ध प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग रसोई गैस उत्पादन के लिए किया जाए।" सामान्यतः भारत की अधिकांश एलपीजी मध्य पूर्व से ही आती है, जो प्रोपेन और ब्यूटेन का मिश्रण होता है।

भारत ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भागदौड़ कर रहा है, क्योंकि होर्मुज़ जलसंधि के माध्यम से टैंकर ट्रैफिक ठप हो गया है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल शिपिंग मार्गों में से एक है।

यूएस ट्रेज़री सचिव ने कहा कि वह भारतीय रिफाइनरियों को पहले से समुद्र में मौजूद रूसी माल खरीदने के लिए एक शॉर्ट-टर्म छूट देगा। ट्रेज़री सचिव स्कॉट बेसैंट ने कहा, "वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए, ट्रेजरी विभाग भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए अस्थायी तौर पर 30 दिन की छूट दे रहा है।"

"उन्होंने कहा जानबूझकर यह शॉर्ट-टर्म छूट दी गई है क्योंकि इससे रूस को कोई लाभ नहीं होगा। क्योंकि यह केवल समुद्र में पहले से फंसे हुए तेल की खरीद फरोख्त की अनुमति देता है।

बेसेंट ने इस छूट को एक अस्थायी उपाय के रूप में वर्णित किया, जबकि वॉशिंगटन भारत को अधिक अमेरिकी कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहा है।

उन्होंने "यह अस्थायी उपाय ईरान द्वारा वैश्विक ऊर्जा को बंधक बनाने के प्रयास के कारण उत्पन्न दबाव को कम करेगा," उन्होंने कहा।

गल्फ क्षेत्र में यूएस-इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के आर्थिक प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है।

होर्मुज़ जलसंधि मार्ग भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कच्चे तेल और एलएनजी दोनों के लिए खाड़ी उत्पादकों पर भारी निर्भर है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत और एलएनजी की जरूरत का 45 से 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत के तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत सामान्यतः होर्मुज़ से गुजरता है, जहां टैंकर ट्रैफिक अब ठप हो चुका है।

चूंकि भारत द्वारा खरीदी जा रही कच्चे तेल की शिपमेंट पहले से ही बाजार में मौजूद हैं, दिल्ली को मौजूदा कीमतों पर भुगतान करना होगा, बजाय इसके कि वह रूस से पहले की तरह रियायती दरों पर सौदा कर सके।

यह भारत के लिए बुरी खबर है क्योंकि तेल अब 2022 के बाद अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि की ओर बढ़ रहा है, व्यापारियों के अनुसार। गोल्डमैन साक्स ने चेतावनी दी है कि कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा सकती हैं, जबकि जेपी मॉर्गन ने कहा है कि कीमत 120 तक पहुंच सकती है।

भारत पहले ही रूसी कच्चे तेल के दो शिपमेंट्स को खरीद चुका है, जो पास के समुद्र में चल रहे थे।

प्रत्येक टैंकर में लगभग 700,000 बैरल तेल है। एक तीसरा रूसी टैंकर भी अपना रास्ता बदल चुका है और माना जाता है कि वह भारतीय बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है।

रॉयटर्स के अनुसार, कुल मिलाकर, लगभग 9.5 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल वर्तमान में भारत के पास स्थित जहाजों पर है।

वैश्विक स्तर पर, समुद्र में फंसे हुए रूसी तेल की मात्रा कहीं अधिक है। व्यापार खुफिया कंपनी केपलर के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में दुनिया भर में लगभग 130 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल टैंकरों पर मौजूद है।

चीनी खरीदारों से प्रतिस्पर्धा, जो उसी तेल के लिए बोली लगा रहे हैं, भारत के लिए एक और चुनौती प्रस्तुत करता है।

इस बीच, घरेलू ईंधन आपूर्ति की सुरक्षा के लिए, भारत ने तेल रिफाइनरियों से एलपीजी का उत्पादन अधिकतम करने और इसे तीन राज्य-स्वामित्व वाली ईंधन खुदरा कंपनियों: इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को आपूर्ति करने का आदेश दिया है।

अधिकारियों ने यह भी रिफाइनरियों से प्रोपेन और ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल उत्पादन में भेजने से रोकने के लिए कहा है, जिससे उन्हें औद्योगिक उत्पादन के मुकाबले एलपीजी को प्राथमिकता देने के लिए मजबूर किया गया है। तीन कंपनियों को केवल घरेलू ग्राहकों को ईंधन बेचने का निर्देश दिया गया है।

राज्य-स्वामित्व वाली कंपनियां, जिनमें इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलेश्वर रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स शामिल हैं, भी व्यापारियों के साथ रूसी माल की त्वरित डिलीवरी प्राप्त करने के लिए बातचीत कर रही हैं। भारतीय राज्य रिफाइनरियों ने अब तक व्यापारियों से लगभग 20 मिलियन बैरल रूसी तेल खरीदा है।

क्या ट्रम्प ईरान युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे। यह एक ऐसे व्यक्ति की तस्वीर थी, जो पराजित महसूस कर रहा हो और जिसे मानो किसी दूसरी दुनिया से मदद की जरूरत हो।

वैसे भी ट्रंप अब कुछ भ्रमित से दिखाई दे रहे हैं और ऐसे दावे कर रहे हैं, जिन्हें शायद मौजूदा तथ्यों से साबित करना मुश्किल है। उन्हें यह कहते सुना गया है कि ईरान के अगले नेता के चयन में उनकी व्यक्तिगत भूमिका बिल्कुल जरूरी है। इसी के साथ, वे दुनिया भर में मौजूद ईरानी राजनयिकों से शरण लेने और एक नया ईरान बनाने के लिए कहीं और से मदद लेने की अपील कर रहे हैं।

इसी सांस में उन्होंने ईरानी सेना और इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आई. आर. जी. सी.) सदस्यों को चेतावनी भी दी है कि वे हथियार डाल दें, क्योंकि उनके पास दूसरा विकल्प केवल मौत है। शुरुआत में ईरान के खिलाफ कुछ बढ़त हासिल करने के बाद अब अमेरिका को अपने हमले के कारण कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है। अरब देशों में अमेरिका के सहयोगियों के खिलाफ ईरान के क्षेत्रीय तेल केंद्रों को लगभग ठप कर दिया है। इलाके की बड़ी तेल कंपनियां अपने उत्पादन संयंत्र बंद कर रही हैं और तेल की आपूर्ति बहुत कम हो गई है। स्टेट ऑफ होरमुज़ से नियमित जहाजों की आवाजाही भी रुक गई है और तेल का परिवहन लगभग ठहर गया है।

दुनिया भर के बड़े बाजारों में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। शुक्रवार

- अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में ऑयल की कीमत 91 डॉलर प्रति बैरल पार कर रही है तथा अमेरिका में भी, बाजार में मंहगाई व दाम बढ़ रहे हैं। जो अमेरिका की जनता की सोच का मानक माना जाता है और इससे ट्रंप की लोकप्रियता निःसंदेह गिरेगी, और ट्रंप के लिए यह चिन्ता का विषय है।
- साथ ही नाटो देश अब ट्रंप को समर्थन देने के मुद्दे पर बिखरे हुए हैं। ऐसा लग रहा है, ट्रंप अब ईरान की लड़ाई में अकेले खड़े हैं, युद्ध भूमि में।

को तेल का अंतरराष्ट्रीय मानक मूल्य 91 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जो हमले से पहले के दिनों की तुलना में काफी अधिक है। बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इससे प्रभावित होने की आशंका जता रही हैं और ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पैक्ट्स कमज़ोर पड़ते दिख रहे हैं।

अमेरिका को भी इसके आर्थिक असर का सामना करना पड़ रहा है। ताजा रोजगार आंकडे बताते हैं कि नौकरियों के सृजन में कमी आई है, जबकि कुछ समय पहले तक इनमें लगातार बढ़ोतरी हो रही थी। कीमतें भी धीरे-धीरे बढ़ रही हैं, जो जनता के मूड को प्रभावित करने वाला संकेत है। अमेरिकी लोग महंगाई से नाराज रहते हैं और इसका असर राष्ट्रपति की लोकप्रियता पर जरूर पड़ेगा, जो वैसे भी लगातार गिर रही है।

दूसरी ओर, यूरोप में भी अमेरिका के नाटो सहयोगियों ने ट्रंप के सामने अलग रुख अपना लिया है। पहले ट्रंप ने कहा था कि अगर किसी नाटो सदस्य पर हमला हुआ तो वे रक्षा की जिम्मेदारी से पीछे हट सकते हैं। लेकिन अब स्थिति उलट गई है और ट्रंप को ही अपने सहयोगियों से मदद मांगनी पड़ रही है।

हालांकि स्पेन ने साफ मना कर दिया है कि अमेरिका उसके किसी भी सैन्य अड्डे का इस्तेमाल नहीं कर सकता। यू. के. ने केवल सीमित उपयोग की अनुमति दी है। फ्रांस ने राष्ट्रपति से कहा है कि वे ईरान के साथ तुरंत युद्धविराम के लिए बातचीत शुरू करें। वहीं जर्मनी ने अब तक अपना स्पष्ट रुख नहीं बताया है। ऐसा लगता है कि ईरान के साथ इस टकराव में ट्रंप लगभग अकेले खड़े रह गए हैं।

प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ाया जो इस बार अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षण कठिन हो सकते हैं, लेकिन यह यात्रा का केवल एक पड़ाव है और आगे अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

बिहार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव करे। इस संदर्भ में सीमा गुप्ता का नाम उछाला जा रहा है, जो संघ पृष्ठभूमि से बताई जाती हैं।

नीतीश कुमार को उखाड़ फेंकने के लिए ताकत जुटाने के बाद, यह निश्चित माना जा रहा है कि भाजपा अपने उम्मीदवार को मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित करेगी। हालांकि, यह भी संभव है कि कुमार के बेटे को सत्ता की राजनीति में लाया जाये और नई सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाया जाए।

राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में एक नया और अप्रत्याशित चेहरा चुनकर भाजपा यह राजनीतिक संदेश दे सकती है कि बिहार में पूरी तरह से नयी शुरुआत की जा रही है। इन परिदृश्यों में नई सरकार को भाजपा नेतृत्व का प्रत्यक्ष आशीर्वाद प्राप्त भी माना जाएगा। वहीं, ऐसी सम्भावना नहीं है कि नेतृत्व जेडीयू को विभाजित करने की कोशिशों में लगेगी। हालांकि नीतीश कुमार जैसे किसी प्रभावशाली नेता के बिना पार्टी के पास लंबी अवधि तक अस्तित्व में रह पाना मुश्किल होगा। कुमार अब भी ईबीसी वर्ग में लोकप्रिय हैं और पिछले वर्षों में उन्होंने महिला वोटरों में एक मजबूत समर्थन आधार बनाया है। भाजपा इन वर्गों का समर्थन खोना नहीं चाहेगी। इसलिए, यह संभावना है कि भाजपा नेतृत्व कुमार के साथ सदाशयतापूर्ण और सुलझे हुये तरीके से ही पेश आएगा। इसके साथ ही, यह भी संभावना है कि समाजवादी पृष्ठभूमि के चलते बिहार में हिंदुत्व के कट्टर संस्करण को फिलहाल नहीं उतारा जाएगा।

अमेरिका के खिलाफ असंतोष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अड़ा रहा और उसने कहा कि ईरान के साथ संघर्ष नाटो की सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धताओं के दायरे में नहीं आता।

इस मतभेद का मूल कारण यह है कि नाटो की सदस्यता का मतलब यह नहीं है कि किसी सदस्य देश को हर उस युद्ध में शामिल होना पड़े, जिसमें कोई दूसरा सदस्य शामिल हो। नाटो की अनुच्छेद-5 वाली सामूहिक रक्षा धारा तभी लागू होती है, जब किसी सदस्य देश पर हमला हो। मौजूदा संघर्ष में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को नाटो क्षेत्र पर हमला नहीं माना जा रहा है। इसलिए स्पेन पर इसमें भाग लेने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है। मैड्रिड ने अपने रुख को नाटो के खिलाफ चुनौती नहीं, बल्कि उसके वास्तविक समझौते का पालन बताया है।

स्पेन का यह रुख उसके इतिहास और, विशेष रूप से, इराक युद्ध के अनुभव से भी जुड़ा है। सन् 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री होज़े मारिया अज़नार की कंज़रवेटिव सरकार ने अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हमले का समर्थन किया था और वॉशिंगटन तथा लंदन के साथ खड़ी हुई थी। इस फैसले के खिलाफ पूरे स्पेन में भारी विरोध प्रदर्शन हुए और यह देश के वर्तमान इतिहास की विदेश नीति के सबसे विवादित फैसलों में से एक बन गया। सन् 2004 की मैड्रिड ट्रेन बॉम्बिंग्स के बाद यह विरोध और तेज हो गया, जिसमें करीब 200 लोग मारे गए थे और जिसने पूरे स्पेन को झकझोर दिया था। इसके बाद जब समाजवादी नेता होज़े लुइस रॉड्रिगेज़ ज़ापाटेरो की सरकार सत्ता में आई तो उसने इराक से स्पेनिश सैनिकों को वापस बुला लिया। तब से स्पेन की सरकारें, चाहे किसी भी राजनीतिक दल की हों, मध्य-पूर्व में अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य अभियानों में शामिल होने को लेकर बेहद सावधान रही हैं।

यह ऐतिहासिक अनुभव प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज़ की मौजूदा नीति में भी साफ दिखाई देता है। उनकी सरकार बार-बार कह चुकी है कि इराक जैसी गलतियों को दोहराया नहीं जाना चाहिए। स्पेन के अधिकारियों का कहना है कि मध्य-पूर्व में एकतरफा सैन्य कार्रवाई से अक्सर शांति के बजाय अस्थिरता पैदा हुई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीति और तनाव कम करने पर ध्यान देना चाहिए।

मैड्रिड और वॉशिंगटन के बीच टकराव में आइडियोलॉजी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सांचेज़ एक सैंट्रल -लैफ्ट सोशलिस्ट सरकार का नेतृत्व करते हैं, जो बहुपक्षीय सहयोग, अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीति पर जोर देती है। इसके विपरीत ट्रंप की विदेश नीति अधिक आक्रामक और एकतरफा रही है। इसलिए ईरान को लेकर यह टकराव केवल रणनीति का मतभेद नहीं, बल्कि दोनों सरकारों की सोच में व्यापक अंतर को भी दिखाता है। तनाव का एक और अंदरुनी कारण नाटो के भीतर रक्षा खर्च को लेकर चल रहा पुराना विवाद है। ट्रंप बार-बार यूरोपीय सहयोगियों की आलोचना करते रहे हैं कि वे रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं करते और उन्होंने उनसे सैन्य बजट बढ़ाने की मांग की है। स्पेन अपनी आर्थिक क्षमता की तुलना में नाटो के सबसे कम रक्षा खर्च करने वाले देशों में रहा है और उसने खर्च में बहुत बड़ी बढ़ोतरी करने के दबाव का विरोध किया है। इसलिए ईरान युद्ध को लेकर यह विवाद पहले से मौजूद मतभेदों की पृष्ठभूमि में सामने आया है।

स्पेन का रुख यूरोप में बढ़ती उस बहस को भी दर्शाता है, जिसमें "रणनीतिक स्वायत्तता" (स्ट्रैटेजिक ऑटोनोमी) की बात की जा रही है। कई यूरोपीय सरकारों का मानना है कि यूरोपियन यूनियन को यू.एस. मिलिट्री पहलों के साथ स्वतः जुड़ने के बजाय अपनी इंडिपैंडेंट सिक्यूरिटी और फॉरेन पॉलिसी डवलप करनी चाहिए। स्पेन उन देशों में से रहा है, जो ग्लोबल डिप्लोमेसी और झगड़े सुलझाने में यूरोप की मजबूत भूमिका की वकालत करते रहे हैं। ईरान के खिलाफ युद्ध से दूरी बनाकर मैड्रिड यह संकेत दे रहा है कि अंतरराष्ट्रीय संकटों में यूरोपीय सहयोगी हमेशा वॉशिंगटन का अनुसरण नहीं करेंगे। घरेलू राजनीति भी इसमें एक अहम कारक है। स्पेन में जनमत विदेशी सैन्य हस्तक्षेपों, खासकर मध्य-पूर्व में, को लेकर काफी संदेहपूर्ण है। मैड्रिड की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में ऐसे राजनीतिक दल भी शामिल हैं जो युद्ध के कड़े विरोधी हैं और अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान कूटनीति से करने के पक्ष में हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान का समर्थन करना सांचेज़ सरकार के लिए राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है।

रणनीतिक गणनाओं ने भी स्पेन की प्रतिक्रिया को प्रभावित किया है। मैड्रिड को डर है कि ईरान के साथ लंबा युद्ध पूरे मध्य-पूर्व को अस्थिर कर सकता है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित कर सकता है और यूरोप की ओर नई प्रवासन लहर पैदा कर सकता है। इसलिए स्पेन के नीति-निर्माता तनाव कम करने को न केवल वैश्विक स्थिरता, बल्कि यूरोप की अपनी सुरक्षा के लिए भी जरूरी मानते हैं।

परिणाम यह है कि स्पेन कह रहा है कि अलायंस मेम्बरशिप का मतलब यह नहीं है कि वह हर अमेरिकी सैन्य अभियान में अपने-आप शामिल होगा। युद्ध में शामिल होने से इनकार करके मैड्रिड ने पश्चिमी गठबंधन के भीतर हो रहे व्यापक बदलाव को उजागर किया है, जहां नैशनल पोलिटिकल सोच और रीजनल स्ट्रैटेजिक प्रायोरिटीज़ तेजी से यह तय करती हैं कि नाटो के अलग-अलग मेम्बर ग्लोबल झगड़ों पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

जो विवाद शुरुआत में केवल सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल को लेकर था, वह अब एक बड़े सवाल में बदल गया है, गठबंधन की एकजुटता की असली प्रकृति क्या है, अमेरिकी नेतृत्व की सीमाएं क्या हैं, और क्या यूरोप के कुछ देश अब अपनी अधिक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना चाहते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908